Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

मंत्र भारत

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 201
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
गुरूवार,19 फरवरी 2026

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 धोखाधड़ी के आरोप में तीन पर प्राथमिकी | 5 बिना सोचे-समझे कच्चा लहसुन खाते हैं तो हो जाएं | 7 सलमान खान ने हिट फिल्मों में क्रेडिट मिलने पर

सीएम योगी ने गिनाए सरकार के काम

बुलडोजर से माफिया साफ, ब्रह्मोस से दुश्मन

लखनऊ,(संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुलडोजर को विकास और माफिया पर कार्रवाई का प्रतीक तथा ब्रह्मोस को भारत की रणनीतिक शक्ति बताते हुए दोनों को एक-दूसरे का पूरक बताया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार के तहत उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था ने इतनी प्रगति की है कि अब वह पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था से भी बेहतर स्थिति में है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुलडोजर को राज्य की शक्ति का प्रतीक बताया, जो एक्सप्रेसवे नेटवर्क सहित तीव्र अवसंरचना विकास और माफिया तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई दोनों का प्रतिनिधित्व करता है। एक मीडिया सम्मेलन में बोलते हुए, मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बुलडोजर और ब्रह्मोस एक-दूसरे के पूरक हैं, विरोधाभासी नहीं। उन्होंने कहा कि बुलडोजर उन लोगों की इच्छाशक्ति को दशार्ता है जो राज्य में आपराधिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई चाहते हैं। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के बारे में यूपी सीएम ने इसे भारत की रणनीतिक शक्ति का प्रतीक बताया। विरोधियों को कड़ी चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि यदि कोई भी भारत की संप्रभुता को चुनौती देने का प्रयास करता है, तो देश निर्णायक जवाब देगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में भारत की आर्थिक प्रगति की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है, जबकि पाकिस्तान उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था की बराबरी भी नहीं कर सकता। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि नपिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने एक नई यात्रा शुरू की है। देश और दुनिया इस बात को स्वीकार करते हैं कि उत्तर प्रदेश में बदलाव आया है। दुर्भाग्य से, संकीर्ण एजेंडा चलाने वाली सरकारों ने राज्य के भविष्य और यहां की जनता के साथ समझौता किया है। उन्होंने राज्य को अराजकता, अव्यवस्था और अपराध का गढ़ बना दिया है। उन्होंने आगे कहा कि दो इंजन वाली सरकार की स्पष्ट नीतियों, इरादों और सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता के कारण हमने उत्तर प्रदेश को देश की अर्थव्यवस्था में एक बाधा से एक महत्वपूर्ण विकास के रूप में बदल दिया है। उत्तर प्रदेश अब राजस्व घाटे से राजस्व अधिशेष की ओर बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश में 21 लाख से अधिक पुलिसकर्मियों की भर्ती की गई है, जिनमें से 20 प्रतिशत पद महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सात साल से अधिक की सजा वाले मामलों में अब फोरेंसिक साक्ष्य अनिवार्य है, और 12 ग्रेड ए फोरेंसिक प्रयोगशालाएं पहले से ही कार्यरत हैं।

पंजाब के बठिंडा में किसानों का प्रदर्शन हुआ हिंसक

सुरक्षाकर्मियों ने आंसू गैस के गोले दागे

बठिंडा/पटियाला : पंजाब के बठिंडा में, पिछले साल गिरफ्तार किये गए दो किसानों की रिहाई की मांग को लेकर बुधवार को किये जा रहे प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों पर कथित पथराव के बाद पुलिस ने किसानों के प्रदर्शनकारी समूह को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शन कर रहे कई किसानों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि भारतीय किसान संघ (एकता उगराहां) के बैनर तले किसान जियोंद गांव में एकत्र हुए और बठिंडा जिला प्रशासनिक परिसर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों को बठिंडा जिला प्रशासनिक परिसर की ओर बढ़ने से रोकने के लिए बठिंडा और आसपास के जिलों में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। बठिंडा की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ज्योति यादव बैंस ने बताया कि "भीड़" छतों से पुलिस पर पथराव कर रही थी। उन्होंने कहा, "आक्रमक भीड़ को नियंत्रित कर लिया गया और स्थिति काबू में है।" प्रदर्शन में शामिल एक किसान ने हालांकि दावा किया कि पुलिसकर्मियों ने बिना किसी उकसावे के आंसू गैस के गोले दागे। उन्होंने कहा कि विरोध प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक अधिकार है।

सार संक्षेप

अरुणाचल-नागालैंड में जंगल की आग पर सेना-वायुसेना का युद्धस्तरीय ऑपरेशन

नई दिल्ली: अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड के जंगल में आग बुझाने का काम युद्धस्तर पर जारी है। भारतीय सेना और वायुसेना भी इस ऑपरेशन में जुटी हुई है। हेलीकॉप्टर मुश्किल इलाकों में लगातार पानी गिरा रहे हैं, जबकि सतह पर टीमें खास उपकरणों से आग बुझाने की कोशिशें कर रही हैं। अब तक अरुणाचल प्रदेश के वालोंग में आग पर काबू पाया जा चुका है। भारतीय वायुसेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, हेलीकॉप्टर दो मोर्चों पर जंगल की आग बुझाने के मिशन में लगे हुए हैं और मुश्किल इलाकों में लगातार हवाई फायरफाइटिंग अभियान चला रहे हैं। वायुसेना ने जानकारी दी कि अरुणाचल प्रदेश के वालोंग में कुल 139,800 लीटर पानी गिराया गया है, जिससे आग सफलतापूर्वक बुझ गई है।

तेजी के बाद भी लाल निशान में चले गए शेयर बाजार, 102.63 अंक की बढ़त के साथ खुला सेंसेक्स

मुंबई। आईटी कंपनियों के दबाव में घेलू शेयर बाजारों में बुधवार को शुरूआती कारोबार में गिरावट देखी गयी। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 102.63 अंक की बढ़त के साथ 83,553.59 अंक पर खुला, लेकिन बाद में लाल निशान में चला गया। सेंसेक्स और निफ्टी में बुधवार को शुरूआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 247.92 अंक या 0.30 प्रतिशत टूटकर 83,203.04 अंक पर आ गया जबकि एनएसई निफ्टी 70.25 अंक या 0.27 प्रतिशत फिसलकर 25,655.15 अंक पर रहा। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इटर्नल, मारुति सुजुकी इंडिया, एशियन पेंट्स, ट्रेंट, एचडीएफसी बैंक, इंडिगो, कोटक महिंद्रा बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर नुकसान में रहे। वहीं आईटीसी, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, अल्ट्राटेक सीमेंट, सन फार्मास्युटिकल और बजाज फाइनेंस के शेयर में तेजी रही। एशियाई बाजारों में जापान के निक्की 225 में एक प्रतिशत से अधिक की बढ़त रही। चीन, हांगकांग और दक्षिण कोरिया के बाजार चंद्र नव वर्ष की छुट्टियों के कारण बंद रहे। अमेरिकी शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ 67.59 डॉलर प्रति बैरल रहा।

मध्य प्रदेश बजट पर सियासी घमासान

सीएम मोहन ने गिनाईं उपलब्धियां, कांग्रेस ने बताया खोखला दस्तावेज

मध्य प्रदेश : मध्य प्रदेश बजट 2026-27 में सीएम मोहन यादव ने विकास, लाडली बहना और सिंहस्थ 2028 जैसी योजनाओं के लिए भारी आवंटन की घोषणा की, वहीं कांग्रेस ने इसे खोखला बताते हुए राज्य पर बढ़ते कर्ज और केंद्र से फंड न मिलने का आरोप लगाकर सरकार की वित्तीय स्थिति पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को 2026-27 के राज्य बजट पर बोलते हुए समावेशी विकास, सुशासन, पर्यावरण, पर्यटन और सांस्कृतिक पुनरुद्धार के लिए किए गए आवंटनों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह बजट समग्र, समावेशी विकास, सुशासन, पर्यावरण, पर्यटन और सांस्कृतिक पुनरुद्धार पर केंद्रित है। हमने 2047 तक एक समृद्ध मध्य प्रदेश बनाने का संकल्प लिया है। हमने जर्जर पुलों और पुलियों की मरम्मत के लिए 900 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। 2028 के सिंहस्थ महोत्सव के लिए लगभग 13,851 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। मोहन यादव ने आगे कहा कि हमने स्कूलों में बच्चों को भोजन के साथ दूध उपलब्ध कराने की पहल शुरू की है और सरकार ने इसके लिए पांच वर्षों में 6,600 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। हमने बजट में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के लिए लगभग 24,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। हम कोई भी योजना बंद नहीं कर रहे हैं; हम पर्याप्त धनराशि निवेश कर रहे हैं। वीबी-जी-राम-जी के लिए 28,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। यह बजट एक खुशहाल और समृद्ध मध्य प्रदेश का निर्माण करेगा। इस बीच, मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र (जीतू) पटवारी ने पिछले वित्तीय वर्ष में केंद्र सरकार द्वारा आवंटित धनराशि के कारण राज्य की आर्थिक चुनौतियों का हवाला देते हुए बजट की आलोचना की। एएनआई से बात करते हुए पटवारी ने कहा, ्रमध्य प्रदेश के बजट में लगभग 45 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान है। लेकिन पिछले वित्तीय वर्ष में हमें केंद्र सरकार से 50,000 करोड़ रुपये नहीं मिले। परिणामस्वरूप, मध्य प्रदेश सरकार 2025-26 के बजट का 50% भी खर्च नहीं कर पाई। इसका मतलब यह है कि बजट खोखला और बेबुनियाद है। उन्होंने कहा कि आज मध्य प्रदेश सरकार प्रतिदिन 213 करोड़ रुपये का कर्ज ले रही है और इस वर्ष लगभग 72,000 करोड़ रुपये का कर्ज लिया है। 532,000 करोड़ रुपये के ब्याज सहित देनदारियां बजट का सबसे बड़ा हिस्सा हैं, जो एक गंभीर आर्थिक संकट पैदा कर रही हैं। बजट यथार्थवादी होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को राज्य के अधिकारों की मांग करनी चाहिए। उन्हें वित्त विशेषज्ञों की एक टीम भी गठित करनी चाहिए जो बजट के आय और व्यय की निगरानी कर सके।

दिल्ली पहुंचे सुंदर पिचाई, 20 फरवरी को इम्पैक्ट समिट में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली: गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचाई बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे। वह 20 फरवरी को इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में मुख्य भाषण देंगे। पिचाई ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के लिए भारत लौटकर अच्छा लग रहा है। उन्होंने आयोजकों को गर्मजोशी से स्वागत के लिए धन्यवाद दिया। यह शिखर सम्मेलन 16 से 20 फरवरी तक नयी दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। पीएम मोदी ने उद्घाटन के अवसर पर कहा कि भारत वैश्विक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बदलाव में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। पीएम मोदी ने इस सम्मेलन के साथ ही इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो का भी शुभारंभ किया और प्रदर्शनी परिसर का दौरा कर स्टार्टअप संस्थापकों, उद्योग प्रतिनिधियों से संवाद किया तथा अत्याधुनिक एआई नवाचारों को प्रदर्शित करने वाले स्टॉल देखे। पिचाई का कीनोट संबोधन 20 फरवरी को सुबह 9.30 बजे निर्धारित है, जिसे सम्मेलन के सबसे प्रतीक्षित सत्रों में से एक माना जा रहा है। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधि और लगभग 20 राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख भाग ले रहे हैं। इनमें फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज, ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा, यूनान के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोटाकिस और अबू धाबी के क्राउन प्रिंस खालिद बिन मोहम्मद बिन जाएद अल नहयान शामिल हैं। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 एक वैश्विक मंच के रूप में उभरा है, जिसमें सरकारें, अंतरराष्ट्रीय संगठन, उद्योग जगत, शोधकर्ता और नागरिक समाज के प्रतिनिधि समावेशी एवं नैतिक एआई विकास पर विचार-

न्यायिक अकादमी को एससी का आदेश

यौन अपराध सुनवाई में संवेदनशीलता जरूरी, जजों के लिए तैयार होंगे दिशानिर्देश

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक दृष्टिकोण में संवेदनशीलता विकसित करने की जरूरत का उल्लेख करते हुए राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी को निर्देश दिया कि वह यौन अपराध के मामलों की सुनवाई करने वाले न्यायाधीशों के नजरिये को लेकर दिशानिर्देश तैयार करने के लिए विशेषज्ञों की एक समिति गठित करे। शीर्ष अदालत ने भोपाल स्थित अकादमी को यौन अपराधों और अन्य संवेदनशील मामलों के संदर्भ में न्यायाधीशों और न्यायिक प्रक्रियाओं में संवेदनशीलता और करुणा विकसित करने के लिए दिशानिर्देश तैयार करनाश विषय पर एक व्यापक रिपोर्ट तैयार करने को कहा है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची तथा न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने 10 फरवरी को पारित आदेश में कहा कि संवैधानिक अदालतों ने विभिन्न कदम उठाए हैं लेकिन अब तक के प्रयासों से कोई लाभ नहीं हुआ है। पीठ ने अपलोड किए गए आदेश में कहा, पूर्व में विभिन्न संवैधानिक और वैधानिक निकायों द्वारा किए गए इस प्रकार के प्रयासों, उन प्रयासों के जमीनी परिणामों और ऐसे ही संवेदनशील मामलों में पीड़ितों एवं शिकायतकताओं को होने वाली समस्याओं के विभिन्न दायरे की व्यापक समझ के बिना किसी भी दिशानिर्देश को निर्धारित करने का नया प्रयास करने से हिचक रहे हैं। उसने कहा, इस तरह का प्रयास अलग-अलग क्षेत्र के विशेषज्ञों की बहुमूल्य राय और सुझावों के बिना भी नहीं किया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि समिति न्यायिक या प्रशासनिक पक्ष के स्तर पर पहले किए गए उपायों पर विचार करेगी।

आई-पैक छापे मामले में सुप्रीम कोर्ट में तीखी बहस, ममता बनर्जी के खिलाफ 'हस्तक्षेप' संबंधी याचिका पर सुनावाई 18 मार्च को

नई दिल्ली: उच्चतम न्यायालय ने को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की उस याचिका पर सुनवाई 18 मार्च तक स्थगित कर दी जिसमें आरोप लगाया गया है कि पश्चिम बंगाल सरकार, जिसमें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी शामिल हैं, ने आई-पैक कार्यालय और उसके निदेशक के परिसर में कथित कोयला चोरी घोटाले के संबंध में ईडी के छापे के दौरान बाधा डाली। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने उस वक्त मामले की सुनवाई स्थगित की जब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि दिन के दौरान जवाब दाखिल किया जाएगा। शीर्ष अदालत ने 15 जनवरी को कहा था कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री की ओर से ईडी की

जांच में कथित तौर पर ्रबाधा्र डालना ्रबेहद गंभीर्र है और इस बात की जांच करने पर सहमति जताई कि क्या किसी राज्य की कानून प्रवर्तन एजेंसियां ??किसी गंभीर अपराध मामले में केंद्रीय एजेंसी की जांच में हस्तक्षेप कर सकती हैं। न्यायालय ने आठ जनवरी को राजनीतिक परामर्श फर्म आई-पैक पर छापा मारने वाले एजेंसी के अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी पर रोक लगा दी थी। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में ईडी अधिकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर रोक लगाते हुए राज्य पुलिस को छापेमारी की सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखने का भी निर्देश दिया। इसने ईडी की उन याचिकाओं पर बनर्जी, पश्चिम बंगाल सरकार, डीजीपी राजीव कुमार और शीर्ष पुलिस अधिकारियों को नोटिस जारी किया था, जिनमें आई-पैक परिसर में छापेमारी में कथित तौर पर बाधा डालने के आरोप में उनके खिलाफ सीबीआई जांच की मांग की गई थी। ईडी ने यह भी आरोप लगाया है कि बनर्जी छापेमारी वाली जगहों में घुस गईं और आई-पैक के परिसर से भौतिक दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों सहित "अहम" सबूत अपने साथ ले गईं, मामले की जांच में बाधा डाली और हस्तक्षेप किया।

कांग्रेस ने सेबी पर साधा निशाना, कहा, आगे क्यों नहीं बढ़ी अदाणी केस में जांच

नईदिल्ली: कांग्रेस ने अमेरिका की एक गैर सरकारी संस्था की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बुधवार को दावा किया कि अदाणी समूह के खिलाफ लंबित ज्यादातर मामलों में सेबी की जांच में कोई ठोस प्रगति नहीं दिख रही है और इस कारोबारी समूह को सरकार का संरक्षण मिला हुआ है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह आरोप भी लगाया कि बेनामी धन का उपयोग करके अदाणी समूह में बड़ी हिस्सेदारी जुटाने का काम अदाणी के करीबी सहयोगियों चांग चुंग-लिंग और नासिर अली शाबान अहली द्वारा किया गया। अदाणी समूह ने कांग्रेस के इस नए दावे पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, हालांकि अतीत में उसने अपने खिलाफ लगे अनियमितता के आरोपों को सिरे से खारिज किया था। रमेश ने शएक्सश पर पोस्ट किया, ष्नए खुलासों से यह सामने आया है कि बेनामी धन का उपयोग करके अदाणी समूह में बड़ी हिस्सेदारी जुटाने का काम अदाणी के करीबी सहयोगियों चांग चुंग-लिंग और नासिर अली शाबान अहली द्वारा किया गया। अमेरिकी संस्था ओसीसीआरपी ने ऐसे सबूत पाए हैं, जिनमें स्विस बैंक के समक्ष चांग और अहली द्वारा दिए गए स्वीकारोक्ति बयान भी शामिल हैं। उन्होंने दावा किया कि इनसे पता चलता है कि दोनों के पास अदाणी कंपनियों में पहले से कहीं अधिक बड़ी हिस्सेदारी थी और वे 2023 तक विभिन्न हेज फंड के माध्यम से लगभग तीन अरब डॉलर के शेयरों के मालिक थे।

शिक्षा और स्वास्थ्य सबको सुलभ होना चाहिए: मोहन भागवत

लखनऊ,(संवाददाता)। शिक्षा और स्वास्थ्य मूलभूत आवश्यकता है। यह व्यवसाय का काम नहीं हो सकता है। यह सबके लिए सुलभ होना चाहिए। ये बातें सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में आयोजित शोधार्थी संवाद कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि पश्चिम के लोगों ने शिक्षा के साथ खिलवाड़ किया। हमारी शिक्षा व्यवस्था हटाकर अपनी थोपी। जिससे उन्हें काम करने के लिए अंग्रेजी बाबू मिल जाए। अंग्रेजों ने जो बिगाड़ा उसको ठीक करना होगा। सरसंघचालक ने कहा कि संघ का कार्य देश को परम वैभव सम्पन्न बनाना है। मैं और मेरा परिवार, यह न सोचकर पूरे

देश के लिए सोचना होगा। संघ समाज की एकता और गुणवत्ता की चिन्ता करता है। संघ को समझना है तो संघ के अन्दर आकर कर देखिये। संघ को पढ़कर नहीं समझा जा सकता है। संघ सम्पूर्ण हिन्दू समाज को संगठित करने का एक ही काम करता है। संघ किसी के विरोध मे नहीं है। संघ को लोकप्रियता, प्रभाव और शक्ति नहीं चाहिए। भारत की दिशा और दशा बदलने में शोध की बड़ी भूमिका है। सत्य परक बातें सामने आनी चाहिए। अज्ञानता से भारत को हम समझ ही नहीं पाएंगे। सरसंघचालक जी ने शोधार्थियों से कहा कि जो भी शोध करें उसे उत्कृष्ट रूप से, प्रामाणिकता पूर्वक, तन-मन-धन से, निःस्वार्थ भाव से देश के लिए करें। संघ को लेकर बहुत दुष्प्रचार होता है। शोधार्थियों को सत्य सामने लाना चाहिए। वैश्वीकरण पर बात करते हुए सरसंघचालक ने कहा कि यह कोई बहुत बड़ी चुनौती नहीं है। आज वैश्वीकरण का मतलब बाजारीकरण से है, जो खतरनाक है। यह हमारे लिए महत्वपूर्ण नहीं है। हम वसुधैव कुटुम्बकम की बात करते हैं यानी पूरे विश्व को अपना परिवार मानते हैं। जब तक सब सुखी नहीं होंगे, एक भी व्यक्ति सुखी नहीं हो सकता है इसलिए हमारा जीवन संयमित होना चाहिए, उपभोगवादी नहीं होना चाहिए। संयम, त्याग का जीवन हमारे संस्कृति आत्मबोध में है। पश्चिमी देशों ने जड़वाद फैलाया। उन देशों की सोच है कि बलशाली बनकर खुद जियो और बाकी को छोड़ दो, जो बाधक बने उन्हें मिटा दो। यही काम आज अमेरिका, चीन कर रहे हैं लेकिन आज दुनियाभर की समस्याओं के प्रश्नों का उत्तर भारत के पास है। विश्व गुरु बनना है तो सभी क्षेत्रों में शक्तिशाली बनाना होगा। दुनिया तभी मानती है जब सत्य के पीछे शक्ति हो। सरसंघचालक ने कहा कि धर्म का शाश्वत स्वरूप सदैव प्रासंगिक है। सृष्टि जिन नियमों से चलती है वह धर्म है।

राजेश कुमार पांडे ने उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक के रूप में कार्यभार संभाला

नई दिल्ली,: भारतीय रेलवे सिग्नल इंजीनियरिंग सेवा (क्क्ररए) के 1989 बैच के एक प्रतिष्ठित अधिकारी, श्री राजेश कुमार पांडे ने आधिकारिक तौर पर उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण कर लिया है। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के मूल निवासी श्री पांडे अपने नए पद पर एक समृद्ध शैक्षणिक अनुभव लेकर आए हैं। उन्होंने मदन मोहन मालवीय इंजीनियरिंग कॉलेज, गोरखपुर से इलेक्ट्रॉनिक्स में बी.ई. (इ.ए.) की डिग्री प्राप्त की, जिसके बाद उन्होंने आईआईटी दिल्ली (क्क्ळ ऊ्रँ) से एम.टेक (ट.ळ्ीूं) किया। उन्होंने भारतीय रेलवे में अपने शानदार करियर की शुरूआत बरौनी में सहायक सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर के रूप में की थी। तब से, उन्होंने रेलवे नेटवर्क में कई उच्च-स्तरीय भूमिकाओं में अपनी सेवाएं दी हैं, जिनमें शामिल हैं: आरडीएसओ (RDSO): निरीक्षण निदेशक के रूप में, जहाँ उन्होंने गुणवत्ता आश्वासन प्रोटोकॉल में सुधार किया। पूर्व मध्य रेलवे: समस्तीपुर मंडल में अपर मंडल रेल प्रबंधक और पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल में मंडल रेल प्रबंधक (DRM) के रूप में कार्य किया। पश्चिम रेलवे: विभिन्न वरिष्ठ पदों पर कार्य किया, विशेष रूप से मुंबई

उपनगरीय खंड में 'एक्सल काउंटर' की स्थापना का नेतृत्व किया ताकि मानसून के दौरान सेवाएं प्रभावित न हों। पांडे को प्रमुख बुनियादी ढांचा और सुरक्षा परियोजनाओं में उनके नेतृत्व के लिए व्यापक रूप से जाना जाता है। डीआरएम के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे भारत की स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली, 'कवच' (डंप्ूँ) के विकास और कार्यान्वयन में भी एक प्रमुख व्यक्ति रहे हैं। हाल ही में, रेलवे बोर्ड में अपर सदस्य (सिग्नल) के रूप में कार्य करते हुए, उन्होंने 400 किलोमीटर लंबे रेल खंड पर 'कवच' की स्थापना की सफलतापूर्वक निगरानी की, जिससे रेल सुरक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। उत्तर रेलवे के लिए विजन उत्तर रेलवे की कमान संभालते ही श्री पांडे ने जोन के आधुनिकीकरण और यात्री अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से रणनीतिक प्राथमिकताओं का एक स्पष्ट खाका तैयार किया है: संरक्षा सर्वोपरि: परिचालन में संरक्षा मानकों को मजबूत करना। गुणवत्तापूर्ण सेवा वितरण: समयपालन (पंचुअलिटी) सुनिश्चित करना। बुनियादी ढांचा: गुणवत्ता पर अटूट ध्यान देते हुए रेलवे बुनियादी ढांचे का तीव्र विकास। संतुष्टि: ग्राहक अनुभव और कर्मचारी कल्याण दोनों को बढ़ावा देना। नए महाप्रबंधक का मार्गदर्शक आदर्श वाक्य है: ₹राष्ट्र प्रथम, ग्राहक प्रथम, सर्वथा प्रथम₹।

रजत पदक के साथ पूर्वोत्तर रेलवे के पहलवान अरशद

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) द्वारा खिलाड़ियों को उपलब्ध कराये जा रहे अत्याधुनिक खेल संसाधनों एवं प्रशिक्षण के फलस्वरूप पूर्वोत्तर

रेलवे के खिलाड़ियों का राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन में निखार का क्रम जारी है। इसी क्रम में, भारतीय कुश्ती संघ द्वारा गाजियाबाद में 14 से 16 फरवरी, 2026 तक आयोजित सीनियर नेशनल फेडरेशन कप कुश्ती प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व करते हुये पूर्वोत्तर रेलवे के पहलवान श्री अरशद ने 55 किग्रा. ग्रीको रोमन स्टाइल तथा सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में अभ्यास करने वाले श्री शिवम यादव ने 87 किग्रा. ग्रीको रोमन स्टाइल में शानदार प्रदर्शन करते हुये रजत पदक प्राप्त किया। पूर्वोत्तर रेलवे के पहलवान की इस उपलब्धि पर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे एवं सरंक्षक/नरसा श्री उदय बोरवणकर, अपर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री विनोद कुमार शुक्ल, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण एवं अध्यक्ष/नरसा श्री अभय कुमार गुप्ता, मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक/पी.एम. एवं उपाध्यक्ष/नरसा श्री बिजय कुमार, मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी एवं महासचिव/नरसा श्री पंकज कुमार सिंह, सहायक क्रीड़ाधिकारी श्री चन्द्र विजय सिंह तथा नरसा पदाधिकारियों ने बधाई दी है।

शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन/ पुनर्निर्धारण/नियंत्रण निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा लखनऊ मण्डल के गोरखपुर-आनन्दनगर रेल खण्ड पर स्थित नकहा जंगल-मानीराम स्टेशनों के मध्य समपार संख्या 5-ए पर गर्डर लांचिंग हेतु ब्लाक दिये जाने के कारण गाड़ियों का शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन/पुनर्निर्धारण/नियंत्रण निम्नवत किया जायेगा।

शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन-

-75116 नौतनवा-गोरखपुर डेमू गाड़ी 19 फरवरी,2026 को मानीराम स्टेशन पर शार्ट टर्मिनेट होगी तथा 75117 गोरखपुर-बढ़नी डेमू गाड़ी मानीराम से चलाई जायेगी।

-15105 छपरा-नौतनवा एक्सप्रेस 19, 20, 22, 23, 24 फरवरी,2026 को गोरखपुर कैण्ट स्टेशन पर शार्ट टर्मिनेट होगी तथा 15106 नौतनवा-छपरा एक्सप्रेस गोरखपुर स्टेशन से चलाई जायेगी।

-55076 बढ़नी-नकहा जंगल सवारी गाड़ी 20, 22, 23, 24, 27, 28 फरवरी एवं 01 मार्च,2026 को मानीराम स्टेशन पर शार्ट टर्मिनेट होगी तथा 55071 नकहा जंगल-नौतनवा सवारी गाड़ी मानीराम स्टेशन से चलाई जायेगी।

पुनर्निर्धारण-

-55075 गोरखपुर-बढ़नी सवारी गाड़ी 19 फरवरी,2026 को गोरखपुर से 01 घंटा 35 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी।

-55040 बढ़नी-नरकटियागंज सवारी गाड़ी 19 फरवरी,2026 को बढ़नी से 01 घंटा पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी।

-15081 गोरखपुर-गोमतीनगर एक्सप्रेस 19 फरवरी,2026 को गोरखपुर से 15 मिनट विलम्ब से चलाई जायेगी।

-75107 नकहा जंगल-गोण्डा डेमू गाड़ी 20, 22, 23, 24, 27, 28 फरवरी एवं 01 मार्च,2026 को नकहा जंगल से 01 घंटा 30 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी।

नियंत्रण-

-55070 नौतनवा-गोरखपुर सवारी गाड़ी 19 फरवरी,2026 को मार्ग में 45 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

सर्वोत्तम व्यवस्थित मुख्यालय कार्यालय शील्ड प्रदान किया जायेगा

गोरखपुर, : पूर्वोत्तर रेलवे पर 70वें रेल सप्ताह समारोह के अवसर पर विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार वितरण समारोह-2025 का आयोजन 19 फरवरी, 2026 को अपराह्न 03.00 बजे रेलवे प्रेक्षागृह, गोरखपुर में किया जायेगा। महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर वर्ष-2024-25 में पूर्वोत्तर रेलवे पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले 53 अधिकारियों/कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित करेंगे। समारोह में विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये 24 अन्तर्मण्डलीय सर्वांगीण कार्यकुशलता शील्ड के तथा सर्वोत्तम स्वच्छ स्टेशन ट्रॉफी (ए-1 एवं ए श्रेणी), सर्वोत्तम सवारी एवं माल डिब्बा डिपो शील्ड, स्वच्छता वाणिज्य कार्यकुशलता शील्ड, सर्वोत्तम स्वच्छ स्टेशन ट्राफी (बी श्रेणी), सर्वोत्तम व्यवस्थित कोचिंग डिपो शील्ड, प्रथम सर्वोत्तम व्यवस्थित स्टेशन शील्ड, द्वितीय सर्वोत्तम व्यवस्थित स्टेशन शील्ड, सर्वाधिक व्यवस्थित एवं साफ सुथरा रेक, सर्वोत्तम व्यवस्थित रनिंग रूम शील्ड, सर्वोत्तम स्वच्छ स्टेशन ट्रॉफी (डी एवं ई श्रेणी), सर्वोत्तम व्यवस्थित मुख्यालय कार्यालय शील्ड प्रदान किया जायेगा।

हंटर सेना की सदस्य थी तबस्सुम 2.75 करोड़ की कर चोरी में पुलिस ने दबोचा

कानपुर। कानपुर की तबस्सुम ने अपने रिश्तेदारों और साथियों के साथ मिलकर बोगस फर्मों के जरिए 2.75 करोड़ की कर चोरी की। लखनऊ पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर उसके पास से फर्जी दस्तावेज और बैंक कार्ड बरामद किए हैं। कानपुर में बोगस फर्म बनाकर 2.75 करोड़ की कर चोरी के मामले में लखनऊ क्राइम ब्रांच के हत्थे चढ़ी तबस्सुम डब्ल्यू-वन साकेतनगर की रहने वाली है। उसे और उसके तीन साथियों को लखनऊ की साइबर सेल, सर्विलांस टीम और लखनऊ इटौंजा पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया है। तबस्सुम सामाजिक संस्था हंटर सेना की सदस्य रही है। लखनऊ पुलिस की पूछताछ में तबस्सुम ने बताया है कि वह कंजड़नपुरवा के पास साकेतनगर में रहती है। हालांकि, उसने पुलिस को जिस घर का पता दिया है वह उसमें किराये पर रहती थी और करीब पांच साल पहले उसको छोड़कर दूसरी जगह रहने लगी थी। उस मकान के पास रहने वाली महिला ने पहचान छिपाने की शर्त पर बताया कि तबस्सुम उर्फ जाह्नवी मकान

की पहली पहली मंजिल पर सपरिवार रहती थी। लाल रंग की बुलेट से चलने वाला उसका पति क्या काम करता था किसी को नहीं पता। दोनों बेटों की सफलता में पढ़ाई रोड़ा नहीं बन पाएगी उसके दोनों बच्चे करन-अर्जुन केशवनगर स्थित इंटर कॉलेज के छात्र थे। वह खुद 10वीं फेल थी, लेकिन कहती थी कि दोनों बेटों की सफलता में पढ़ाई रोड़ा नहीं बन पाएगी। कई साल तक वहां रहने के बाद वह मकान खाली कर इलाके के दूसरे अपार्टमेंट में रहने चली गई थी। अगले दो-तीन साल तो वहां रही हालांकि वह फिर कहां चली गई इसके बारे में किसी को कुछ नहीं पता। ये था पूरा मामला तबस्सुम अपनी बड़ी बहन गुलशन के दामाद अम्मार अंसारी के कहने पर बोगस फर्मों के माध्यम से टैक्स चोरी के खेल में शामिल हुई थी। उसका काम दस्तावेज उपलब्ध कराना और बिल बनवाना था। इस खेल में उसकी मदद प्रशांत बेंजवाल करता था जो कि पहले कानपुर के एक शॉपिंग मॉल में कैशियर था। बैंक किट और अन्य दस्तावेज बरामद जल्दी अमीर बनने के लालच में नौकरी छोड़कर वर्ष 2023 में लखनऊ रहने चला गया था। प्रशांत फर्म रजिस्ट्रेशन के बाद बोगस आईटीसी को अन्य फर्म को बेचकर फर्जी बिल और फर्जी किरायेदारी के एग्रीमेंट तैयार करवाता था। पुलिस को तबस्सुम के पास से नौ डेबिट कार्ड, चार सिम, चार मोबाइल, चार पैनकार्ड, आधार, एक चेक, चेकबुक, बैंक किट और अन्य दस्तावेज बरामद हुए हैं।

पहले दिन परीक्षार्थियों पर की गई पुष्पवर्षा वाराणसी में 117 केंद्रों पर शुरू हुई परीक्षा

वाराणसी। वाराणसी में 117 केंद्रों पर आज से परीक्षा शुरू हुई। पहले दिन कई केंद्रों पर परीक्षार्थियों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया गया। वहीं की हिंदी की परीक्षा कराई जा रही है। एक केंद्र केंद्रीय कारागार में भी बनाया है। केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जाएगी। स्टेटिक मजिस्ट्रेट की

कड़ाई से चेकिंग भी की गई। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा बुधवार यानी आज से शुरू हो गई है। 18 फरवरी से 12 मार्च (23 दिन) तक चलने वाली परीक्षा में 117 केंद्रों पर 92277 परीक्षार्थी शामिल होंगे। पहले दिन 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों तैनाती भी की गई है। सभी केंद्रों पर पुलिस के जवान भी मौजूद हैं। जिले में माध्यमिक शिक्षा के 403 विद्यालय हैं। इसमें से उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से 117 केंद्र बनाए गए हैं। आज से शुरू हुई परीक्षा को लेकर एक दिन पहले मंगलवार की देर शाम तक शहरी और ग्रामीण इलाकों में बनाए गए केंद्रों पर तैयारियां चलती रहीं। पहले दिन की परीक्षा को लेकर जिले में कई केंद्रों पर परीक्षार्थियों पर पुष्पवर्षा भी की गई। हाईस्कूल में 46300 जबकि इंटरमीडिएट में 45977 परीक्षार्थी शामिल होंगे। बोर्ड की ओर से पहले दिन हिंदी की परीक्षा कराई जा रही है। इधर, माध्यमिक शिक्षा परिषद कार्यालय की ओर से भी सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को परीक्षा व्यवस्था की निगरानी करते रहने को कहा गया है। नकल विहीन परीक्षा कराने के उद्देश्य से जिले में उड़ाका दल की पांच टीमें भी गठित की गई हैं। पहली पाली की परीक्षा सुबह 8.30 से 11.45 बजे तक और दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 2 से 5.15 बजे तक होगी। 12 सेक्टर, आठ जोन में बंटा जिला, क्वींस कॉलेज में बना कंट्रोल रूम यूपी बोर्ड की परीक्षा के लिए बनाए गए केंद्रों पर परीक्षा व्यवस्था की सही तरीके से निगरानी होता रहे, इसके लिए जिले को 12 सेक्टर और 8 जोन में बांटा गया है। इसके तहत 12 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 8 जोनल मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। इसके अलावा राजकीय क्वींस इंटर कॉलेज में कंट्रोल रूम भी बनाया गया है। यहां लगाए गए टीवी स्क्रीन पर शहर से लेकर गांव में बनाए गए केंद्रों की हर गतिविधि दिखाई देगी। अधिकारी बोले केंद्रों पर परीक्षा संबंधी सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी है। केंद्राध्यक्षों को माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से दिए गए सभी निदेर्शों का कड़ाई से पालन करने को कहा गया है। किसी तरह की लापरवाही बरतने पर संबंधित व्यक्ति/छात्र के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एसीपी ऑफिस से 50 कदम पर बेखौफ चोर, तीन दुकानों की दीवारें तोड़कर नकदी-माल पार

कानपुर। कलक्टरगंज एसीपी कार्यालय के पास नयागंज में चोरों ने तीन दुकानों की दीवार तोड़कर 50 हजार की नकदी और माल पार कर दिया। घटना से नाराज व्यापारियों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। कानपुर में बेखौफ चोरों ने कलक्टरगंज एसीपी ऑफिस से महज 50 कदम की दूरी पर शक्करपट्टी नयागंज स्थित तीन दुकानों में मंगलवार देर रात दीवार तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। तीन दुकानों के मालिक राजेश गुप्ता, अंशुल गुप्ता व रोहित जैन और उनके कर्मचारी बुधवार सुबह जब दुकान पहुंचे। जब दुकान खोली तो पाया कि दुकान के अंदर सेंधमारी करते हुए दीवार तोड़कर चोरों ने घुसकर माल व गल्ले में रखी नकदी चोरी कर ली है। घटना की सूचना पर भाजपा कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र व्यापार प्रकोष्ठ क्षेत्रीय संयोजक विनोद गुप्ता समेत दर्जनों व्यापारी पर पहुंचे और आक्रोश जाहिर किया। व्यापारियों ने घटनास्थल से ही फोन मिलाकर तत्काल व्यापारियों के साथ हुई घटना की एफआईआर पंजीकृत करने के लिए कहा। लगभग 50 हजार नकदी और दो

गत्ता काजू की चोरी व्यापारियों ने कहा कि होली के त्योहार के मौसम में भरे बाजार इस प्रकार की चोरी की घटना से व्यापारी स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहा है। प्रभारी निरीक्षक कलक्टरगंज विनय तिवारी ने व्यापारियों के साथ हुई घटना पर तहरीर लेकर जांच शुरू कर दी है। चोरी हुई दुकानों से लगभग 50 हजार नकदी और दो गत्ता काजू की चोरी व्यापारियों द्वारा बताई गई है।

शुरू हुई वोटों की गिनती, 5658 मतों का पिटारा खुला, किसके सिर सजेगा ताज

कानपुर। कानपुर बार एसोसिएशन चुनाव की मतगणना शुरू हो गई है। 5658 मतपत्रों की छंटाई जारी है और शाम सात बजे तक अध्यक्ष-महामंत्री पद के परिणाम आने की संभावना है। कानपुर में बार एसोसिएशन चुनाव के लिए मतगणना बुधवार सुबह 11 बजे से राम अवतार महान हाल में शुरू हो गई। सबसे पहले एल्डर्स कमेटी ने मंगलवार को चुनाव के बाद सील की गई मतपेटियों को प्रत्याशियों के सामने खोला। फिर मतपत्रों को छांटकर अलग किया गया। इसके बाद मतों की बंडलिंग की जाएगी। फिर अध्यक्ष और महामंत्री पद के प्रत्याशियों के लिए मतों की गिनती शुरू होगी। देर शाम लगभग 7 बजे तक गिनती पूरी होकर अध्यक्ष व महामंत्री पद के परिणाम आने की संभावना है।

संक्षिप्त खबरें

धोखाधड़ी के आरोप में तीन पर प्राथमिकी

बस्ती। एग्रीमेंट के बाद भी जमीन का बैनामा करने से इन्कार करने के आरोप में हरैर्या पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर मंगलवार को तीन लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की है। आरोपी दुबौलिया थाना क्षेत्र के समौड़ा निवासी हरीजी शुक्ला, इसी थाना के तुकीर्पुर निवासी अशोक कुमार और कुकुरीपुर निवासी आनंद बनाए गए हैं। बलिया जिले के सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के काजीपुर निवासी भरत यादव ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप विपक्षियों ने जमीन क्रय के लिए एक करोड़ रुपये देकर एग्रीमेंट किया था। एडवांस के तौर पर 11 लाख रुपये लिए थे। शेष धनराशि 11 महीने में चुकानी थी। जब विपक्षियों से जमीन बैनामा करने के लिए कहा गया तो उन्होंने इन्कार कर दिया। रुपये मांगने पर जान से मारने की भी धमकी दी गई।

दम घुटने से हुई थी श्यामनाथ की मौत

वाल्टरगंज। सोनहा थाना क्षेत्र के मंडप गांव में रविवार को संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटके मिले श्याम नाथ (27) की मौत के मामले में नया मोड़ आया है। सोमवार को आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डॉक्टरों ने मौत का कारण दम घुटना बताया है। शव पर चोट के कोई अन्य निशान नहीं मिले हैं। हालांकि, युवक ने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया, इसका रहस्य अब भी बरकरार है। शनिवार की रात परिजनों के साथ भोजन कर कमरे में सोने गए श्याम नाथ के इस फैसले से पूरा परिवार स्तब्ध है। थानाध्यक्ष महेश सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस अब उसके मोबाइल की कॉल डिटेल्स खंगाल रही है, ताकि किसी संभावित मानसिक तनाव या अन्य कारणों का पता लगाया जा सके।

अयोध्या में किशोर की मौत की जांच करेगी बस्ती पुलिस

बस्ती। एक सप्ताह पहले अयोध्या के बछड़ा सुलतानपुर मोहल्ले में किराये के मकान में रहकर परशुरामपुर थाना क्षेत्र के गौरा पांडे गांव निवासी सुरेंद्र कुमार पांडेय के बेटे शिवेंद्र पांडेय (16) की मौत के मामले में बस्ती पुलिस भी जांच करेगी। इसके लिए मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव की ओर से एसपी बस्ती को पत्र भेजा गया है, जबकि अयोध्या पुलिस पहले से जांच कर रही है। अयोध्या शहर के एसएसबी इंटर कॉलेज में 12वीं के छात्र रहे शिवेंद्र पांडेय की आठ फरवरी को तबीयत बिगड़ने पर लखनऊ मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान नौ फरवरी को मौत हो गई थी। परिजनों ने अयोध्या नगर कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर हत्या का आरोप लगाया है। सुरेंद्र पांडेय ने बताया कि बेटा अयोध्या शहर के किसी कोचिंग संस्थान में पढ़ता था। वह बछड़ा सुलतानपुर निवासी अशोक यादव के मकान में दूसरे मंजिल पर किराये पर कमरा लेकर रहता था।

संविदा लाइनमैनों की संख्या घटाने का जताया विरोध

बस्ती। बिजली निगम की ओर से संविदा लाइनमैनों की संख्या 663 से घटाकर 514 करने के निर्णय का विरोध शुरू हो गया है। भाजपा नेता चंद्रमणि पांडेय (सुदामा) ने मंगलवार को इस संबंध में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम के प्रशासनिक अधिकारी सौंपा। ज्ञापन में बताया गया है कि इस निर्णय से वर्ष 2022 से 2025 के बीच चयनित करीब 150 संविदा लाइनमैनों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया है। बिजली उपभोक्ताओं की संख्या बढ़ने के बावजूद संख्या कम करना सिर्फ कर्मियों के हितों में है। उन्होंने कहा कि संविदाकर्मी सीमित मानदेय और असुरक्षित परिस्थितियों में काम करते हैं। उनकी संख्या में कटौती सैकड़ों परिवारों को आर्थिक संकट में धकेल देगी। उन्होंने बताया कि विभागीय अधिकारियों से बातचीत के बावजूद अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते हस्तक्षेप नहीं किया गया तो अन्य संविदा कर्मियों की नौकरी भी खतरे में पड़ सकती है। उन्होंने मुख्यमंत्री से त्वरित हस्तक्षेप कर इस निर्णय पर रोक लगाने और उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की गई है।

नाबालिग से दुष्कर्म के दो आरोपी दबोचे

बस्ती। परशुरामपुर पुलिस ने नाबालिग अपहता से दुष्कर्म के दो आरोपियों को मंगलवार की सुबह करीब 5:15 बजे ग्राम तल्हवापुर मोड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया। थानेदार विश्व मोहन राय ने बताया कि दोनों आरोपी ग्राम खंडवा कुंवर के रहने वाले हैं। इनके नाम मनीष वर्मा और अतुल वर्मा हैं। पीड़िता के परिजन की तहरीर पर पुलिस ने दोनों आरोपियों पर अगवा और पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। दोनों आरोपियों कोतल्हवापुर मोड़ से दबोच लिया।

सरदार सेना ने प्रभारी निरीक्षक को सौंपा ज्ञापन

पैकोलिया। सरदार सेना के कार्यकताओं ने मंगलवार को मधवापुर पांडेय गांव में चार दिन पहले दो पक्षों में जमीन विवाद को लेकर हुई मारपीट की निष्पक्ष जांच कराने के लिए प्रभारी निरीक्षक कृष्ण कुमार साहू को ज्ञापन सौंपा। सरदार सेना के हरैर्या विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष अमरजीत चौधरी ने ज्ञापन में बताया है कि 13 फरवरी को दोपहर करीब तीन बजे हल्का लेखपाल अमरजीत सरोज ने मधवापुर पांडेय गांव में ही कविता देवी के घर पर रामकुमार वर्मा को बुलवाकर अपशब्द कहलवाया और मारने-पीटने के साथ जानमाल की धमकी भी दिलवाई। उन्होंने आरोप लगाया कि हल्का लेखपाल अमरजीत सरोज ने जानबूझकर कर पक्ष-विपक्ष में विवाद उत्पन्न करवाया है।

साइबर अपराध की रोकथाम के प्रति किया जागरूक

बस्ती। हरैर्या थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत भवन बेलाड़े में मंगलवार को ग्राम प्रधान, बीडीसी और ग्रामीणों को साइबर अपराध की रोकथाम के प्रति जागरूक किया गया। साइबर टीम ने फिशिंग,ओटीपी, यूपीआई, क्यूआर कोड स्कैन, अज्ञात लिंक, ऑनलाइन लॉटरी स्कैम आदि के माध्यम से हो रही धोखाधड़ी की जानकारी दी। हरैर्या के प्रभारी निरीक्षक तहसीलदार सिंह ने उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से जारी हेल्पलाइन नंबर 1930, वेबसाइट ६६६.ूट्टीु१ू१ी.ॅङ्म५.ल्ल के बारे में उपस्थित छात्र एवं छात्राओं को जानकारी दी गई। रुधौली थाना क्षेत्र के लोढ़वा मेला में भी साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। सोनहा के थानेदार महेश सिंह ने मेले में आए लोगों को साइबर अपराध से बचने के गुर बताए।

एमएलसी ने उठाया वेतन का मुद्दा

बस्ती। विधान परिषद सदस्य देवेंद्र प्रताप सिंह ने परिषदीय शिक्षकों के वेतन विसंगतियों का मुद्दा विधान परिषद में उठाते हुए सरकार से मांग की कि 30 नवंबर 2008 के बाद पदोन्नति प्राप्त सभी शिक्षकों को न्यूनतम वेतन 17140 का लाभ नहीं मिल रहा है। 9 जून 2014 के शासनादेश का पालन कराते हुए शिक्षकों के वेतन विसंगति को दूर कराया जाए। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जीप्रीमियम उन्होंने कहा कि एक ही संवर्ग में दोहरा मापदंड नहीं रह सकता है।

विधानसभा में उछला शिक्षामित्रों का मामला

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी विधानसभा के सत्र के दौरान आज शिक्षामित्रों के मानदेय में बढ़ोतरी का मुद्दा उठाया गया। अल्प मानदेय में उनके सामने परिवार पालने का संकट है।शिक्षकों के समान कार्य करने के बावजूद सिर्फ 10 हजार पर निर्भर है। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने इस पर जवाब दिया कि बेसिक शिक्षा विभाग के लिए शिक्षामित्रों की सेवाएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। शिक्षामित्रों की ग्राम पंचायतों में तैनाती को लेकर कहा कि अभी प्रदेश में एसआईआर का काम जारी है जिसमें शिक्षामित्र अपना दायित्व निभा रहे हैं। एसआईआर का काम पूरा होते ही उनकी ग्राम पंचायतों में तैनाती हो जाएगी। इस संबंध में हमारी सरकार ने आदेश जारी कर दिया है। शिक्षामित्रों, शिक्षकों और अनुदेशकों को पांच लाख तक के कैशलेस इलाज की मांग को भी सरकार ने मंजूर कर लिया है। शिक्षामित्रों के मानदेय बढ़ाने को लेकर बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह ने कहा कि जब सपा की सरकार थी तो 2012 से 17 तक शिक्षामित्रों का मानदेय बढ़ाने का कोई निर्णय नहीं लिया गया। जब हमारी सरकारी आई तो उनका मानदेय 3500 रुपये था जिसे बढ़ाकर 10 हजार रुपये कर दिया गया।

प्रदेश सरकार का बजट आज : वैट में कटौती सड़कों और उद्योगों पर फोकस की उम्मीद

■ ग्वालियर

मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन सरकार 18 फरवरी को प्रदेश का बजट प्रस्तुत करने जा रही है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा प्रस्तुत होने वाले इस बजट से प्रदेश के लोगों को बहुत उम्मीदें हैं। अनुमान है कि इस बार का बजट 4.63 लाख करोड़ का हो सकता है जो पिछले वर्ष से 10 प्रतिशत अधिक है। इस बजट में खेती किसानी के लिए बड़ी घोषणा हो सकती है। शासकीय कर्मचारियों को भी इस बजट से अधिक उम्मीद है। पेट्रोल-डीजल के दाम काफी समय से आसमान पर है। इस पर भी वैट कम होने की आशा है। शहर की सड़कों की हालत दयनीय हैं। सड़कें गायब होकर गड्ढों में तब्दील हो गई हैं। इस ओर भी सरकार को अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

ग्वालियर को फिर से विकास की मुख्य धारा में लाने विशेष पैकेज दिया जाए : भूपेन्द्र

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय संगठन मंत्री भूपेन्द्र जैन ने मध्यप्रदेश सरकार के आगामी बजट 2026-27 में ग्वालियर पर खास फोकस करने का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि विकास के मामले में इंदौर और उज्जैन जैसे शहरों के मुकाबले पिछड़ रहे ग्वालियर को फिर से विकास की मुख्य धारा में लाने के लिए यहां नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जाएं। ग्वालियर विकास के अधूरे एवं उपेक्षित सपनों को पूर्ण करने के लिए बजट में विशेष वित्तीय प्रावधान होने चाहिए। औद्योगिक इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने के साथ ही ग्वालियर के आईटी पार्क में नई कंपनियों को आकर्षित करने के लिए विशेष पैकेज और औद्योगिक क्षेत्रों के लिए सरल नियमों की अपेक्षा है। ग्वालियर का बुनियादी ढांचा और कनेक्टिविटी मजबूत करने के लिए स्वर्ण रेखा नदी पर बन रहे एलिवेटेड कॉरिडोर के दूसरे चरण के लिए बजट आवंटन की प्रतीक्षा है, ताकि शहर की बिगड़ती यातायात समस्या हल हो सके। उन्होंने आगरा-ग्वालियर एक्सप्रेसवे की महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण और कार्यों में तेजी लाने हेतु पर्याप्त फंड की भी मांग की। इसके अलावा स्मार्ट सिटी मिशन के तहत अधूरे पड़े विकास कार्यों को पूरा करने के लिए नगर निगम को अतिरिक्त वित्तीय सहायता की आवश्यकता है। ग्वालियर के मेडिकल कॉलेज में सीटों की वृद्धि और नई तकनीकी संस्थाओं के लिए बजट प्रावधान किए जाएं।

इनका कहना है

'छोटे उद्योगों के लिए सरल ऋण प्रक्रिया और ब्याज सब्सिडी योजनाओं के विस्तार की आवश्यकता है ताकि रोजगार के अवसर बड़े पैमाने पर उपलब्ध हों। राज्य के स्थानीय करों और प्रक्रियाओं का और अधिक डिजिटलीकरण होना चाहिए ताकि ईज ऑफ डूईंग को बढ़ावा मिले। कृषि आधारित उद्योगों के लिए विशेष आवंटन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है। लाड़ली बहना जैसी योजनाओं के साथ-साथ महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने वाले स्व-रोजगार कार्यक्रमों पर फोकस रहने की उम्मीद है।'

विकुल सिंह, सीए

'टैक्स की दृष्टि से पेट्रोल-डीजल पर वैट सभी समीपवर्ती राज्यों के अनुरूप होना चाहिए। साथ ही प्रोफेशनल टैक्स को खत्म करने की मांग हम लगातार करते आ रहे हैं इसे खत्म किया जाना चाहिए।'

अनिल अग्रवाल, उपाध्यक्ष मप्र टैक्स ला बार एसोसिएशन

'इस बजट में शहरीकरण पर ध्यान देने की अधिक आवश्यकता है। पेट्रोल-डीजल पर वैट कम होना चाहिए, जिससे रसोई का बजट और संतुलित हो सके। शहर की सड़कों की हालत बहुत खराब है। इस दिशा में भी ध्यान देने की आवश्यकता है।'

रीटा तनेजा, गृहणी

योग से स्वस्थ रहेगा शरीर, मन, मस्तिष्क : प्रो. भाग्यवंत

ग्वालियर। शरीर, मन व मस्तिष्क स्वस्थ रहेंगे तो व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होगा। इसलिए रोजाना योग और ध्यान करें। इसे अपने जीवन का हिस्सा बना लें। यह बात जीवाजी विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर योगिक साइंसेज के समन्वयक प्रो. समीर सुरेश भाग्यवंत ने मंगलवार को नेशनल टास्क फोर्स-मेंटल हेल्थ के तहत योगा-रीसेट योर माइंड बॉडी बैलेंस विषय पर विशेष योग कार्यक्रम में कही। इस अवसर योग गुरु विकास सोनी ने छात्र-छात्राओं को ताड़ासन, वृक्षासन, अनुलोम- विलोम समेत कई योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मन को भी शांत एवं एकाग्र बनाता है। यह जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच विकसित करने का सशक्त माध्यम है। डॉ. भाग्यवंत ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। इस अवसर पर डॉ. सुमन जैन, डॉ. साधना श्रीवास्तव, डॉ. सुनीशा कुलकर्णी, धर्मेन्द्र शर्मा, डॉ. अंकुर श्रीवास्तव, मयंक भावनानी, डॉ. संजीव गुप्ता, डॉ. प्रियदर्शिनी सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

तापमान 32 डिग्री के पार आज बूंदाबांदी के आसार

■ ग्वालियर

फरवरी का आधा महीना बीतते-बीतते मौसम गर्म होने लगा है। सूरज के तेवर तीखे होने से दिन का तापमान अब 32 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया है, लेकिन अगले 24 घंटे में मौसम एक बार फिर करवट बदल सकता है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि 18 व 19 फरवरी को ग्वालियर-चंबल संभाग में गरज-चमक के साथ कहीं बूंदाबांदी तो कहीं हल्की बारिश हो सकती है। मंगलवार को देर रात में ही बादल दस्तक दे सकते हैं। मौसम विज्ञान केन्द्र भोपाल के अनुसार इस समय चक्रवातीय परिसंचरण के रूप में एक पश्चिमी विक्षोभ मध्य पाकिस्तान और उससे सटे पंजाब में सक्रिय है, जबकि दूसरा पश्चिमी विक्षोभ दक्षिण-पूर्वी पाकिस्तान में मौजूद है। इनके प्रभाव से पंजाब में एक चक्रवातीय परिसंचरण बना हुआ है। ये तीनों मौसम प्रणालियां पश्चिमी हिमालय के साथ-साथ उत्तर और मध्य भारत के मौसम को भी प्रभावित करेंगी। इनके प्रभाव से ग्वालियर-चंबल संभाग में भी 18 से 19 फरवरी को कहीं बूंदाबांदी तो कहीं हल्की बारिश हो सकती है। स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के अनुसार पिछले कुछ दिनों से हवा का रुख बदलने के साथ धूप में आई तेजी के चलते अधिकतम तापमान में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। इसी क्रम में पिछले दिन की तुलना में मंगलवार को अधिकतम तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 32.1 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया जो सामान्य से 5.3 डिग्री सेल्सियस अधिक है, जबकि न्यूनतम तापमान 13.0 डिग्री सेल्सियस पर स्थिर रहा। यह भी सामान्य से 1.8 डिग्री सेल्सियस अधिक है। मौसम के जानकारों का कहना है कि अगले दो से तीन दिन उत्तर भारत के पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी और मैदानी क्षेत्रों में बारिश होने की संभावना है।

वार्ड 43 में पेयजल लाइन के लिए भूमिपूजन

ग्वालियर। वार्ड क्रमांक 43 में वैरागपुरा से दानाओली तक अमृत योजना के तहत पानी की लाइन डालने के कार्य का भूमिपूजन मंगलवार को क्षेत्रीय पार्षद संजय सिंघल ने किया। इस अवसर पर अशोक सोनी एवं पारस वरैया अतिथि के रूप में मौजूद रहे। पार्षद संजय सिंघल ने बताया वर्षों से वैरागपुरा के निवासी बोरिंग का पानी पी रहे थे, लेकिन अब अमृत योजना के तहत लाइन डालने से तिघरा का पानी मिलना शुरू हो जाएगा। उनका प्रयास है कि भीषण गर्मी में जल संकट उत्पन्न न हो। उससे पहले हर घर में नवीन कनेक्शन करवाकर तिघरा का पानी पहुंचने लगेगा। जिससे स्थाई तौर पर जल संकट से निजात मिलेगी। इस अवसर पर दीपक जैन, दिलीप मिश्रा, हरि दास अग्रवाल, अरुण कोठारी, राजकुमार सोनी, लकी जैन, संजय जैन, कपिल, अभय सिंघल आदि उपस्थित रहे।

मोतीझील वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट को बचाने पार्षद ने लिखा पत्र

ग्वालियर। सिंधिया स्टेट के समय स्थापित ऐतिहासिक मोतीझील स्थित वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट को नष्ट किए जाने की संभावित योजना को लेकर शहर में विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। इस संबंध में वार्ड क्रमांक 58 की पार्षद अपर्णा पाटिल ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि लगभग 98 वर्ष पुराना यह प्लांट महानगर की ऐतिहासिक धरोहर है, जिसने दशकों तक शहरवासियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया। बताया गया कि मुंबई के बाद यह देश का दूसरा प्रमुख प्लांट था, जिसने करीब 100 वर्ष पूर्व शहर को फिल्टर किया हुआ पानी उपलब्ध कराया। वर्तमान में इसकी क्षमता 68 एमएलडी है और मात्र 7 एमएलडी क्षमता वृद्धि के नाम पर इसके मूल स्वरूप को समाप्त करने की योजना बनाई जा रही है। पार्षद ने पत्र में आग्रह किया है कि इस ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित रखते हुए कोई वैकल्पिक योजना बनाई जाए, ताकि शहर की शान और विरासत सुरक्षित रह सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देने का अनुरोध भी किया है।

175 किसानों को मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण, बक्सों का वितरण

ग्वालियर। मुरार क्षेत्र के ग्राम उदयपुर में कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय पादप आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो, पूसा (नई दिल्ली) के सहयोग से अनुसूचित जाति उप-योजना अंतर्गत संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन किसान संघ एवं विद्यांचल कृषक उत्पादक कंपनी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में 175 अनुसूचित जाति के कृषकों को वैज्ञानिक पद्धति से मधुमक्खी पालन का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया तथा आत्मनिर्भरता की दिशा में 175 मधुमक्खी बक्सों का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि संयुक्त संचालक कृषि आरएस शाक्यवार, कृषि विज्ञान केंद्र ग्वालियर के निदेशक डॉ. शैलेंद्र सिंह, आईसीएआर-पूसा से डॉ. बादल सिंह तथा विद्यांचल कृषक उत्पादक कंपनी के देवेंद्र सिंह ने किसानों को संबोधित किया। डॉ. बादल सिंह ने मधुमक्खी पालन को आय दोगुनी करने और विषमुक्त खेती का प्रभावी माध्यम बताया। वहीं श्री शाक्यवार ने मित्र-शत्रु कीटों की पहचान और संतुलित कृषि पद्धति पर प्रकाश डाला। आदर्श गौशाला के संत ऋषभ देवानंद महाराज की गरिमामयी उपस्थिति में प्राकृतिक एवं गौ-आधारित खेती के महत्व पर भी बल दिया गया।

बालक की बिगड़ी हालत को लेकर न्यायालय की शरण में जाएंगे पिता

■ ग्वालियर

शहर में एक बालक के इलाज को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। ग्वालियर निवासी मोनू राठौर ने आरोप लगाया है कि उनके बेटे का उपचार शहर के त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. कुलदीप सक्सेना द्वारा किए जाने के बाद उसकी सेहत पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़े। पिता के अनुसार बालों के उपचार के लिए कराए गए इलाज के दौरान न केवल बच्चे के बाल पूरी तरह झड़ गए, बल्कि उसकी आंखों की रोशनी पर भी प्रतिकूल असर पड़ा। मामले की शिकायत मोनू राठौर ने जिलाधीश सहित संबंधित अधिकारियों से की थी। जिलाधीश के निर्देश पर सीएमएचओ कार्यालय द्वारा गठित जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है। रिपोर्ट के आधार पर डॉ. सक्सेना ने स्वयं को निर्दोष बताया है।

जानकारी के अनुसार एक दिन पूर्व डॉ. सक्सेना ने पत्रकारवार्ता आयोजित कर मोनू राठौर द्वारा लगाए गए आरोपों को असत्य बताया था। इसके बाद मंगलवार को मोनू राठौर ने भी अपने अधिवक्ता अवधेश सिंह तोमर के साथ पत्रकारवार्ता कर जांच रिपोर्ट और उपचार प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए। अधिवक्ता अवधेश सिंह तोमर ने कहा कि जांच निष्पक्ष नहीं प्रतीत होती और इसे चुनौती दी जाएगी। उन्होंने चिकित्सक की एमबीबीएस डिग्री की वैधानिकता की जांच की भी मांग की। अधिवक्ता का आरोप है कि मामला वापस लेने के लिए पीड़ित पक्ष को 5 लाख रुपए का प्रस्ताव दिया गया तथा राजनीतिक दबाव भी बनाया जा रहा है। मोनू राठौर ने कहा कि वे न्याय के लिए न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे और सभी तथ्यों को विधिवत प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने निष्पक्ष जांच और जिम्मेदारी तय करने की मांग की है।

अप्रेन्टिसशिप युवा संगम व रोजगार मेला 24 को, 15 कंपनियां करेंगी भर्ती

ग्वालियर। युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 24 फरवरी को प्रातः 11 बजे से गदाईपुरा रेडीमेड गारमेंट पार्क परिसर स्थित जिला रोजगार कार्यालय में एक दिवसीय अप्रेन्टिसशिप युवा संगम एवं रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। उप संचालक जिला रोजगार कार्यालय के अनुसार मेले में निजी क्षेत्र की 15 कंपनियां भर्ती के लिए भाग लेंगी। इनमें क्विक आईटी सॉल्यूशन, रेपिडो प्राइवेट लिमिटेड, आईनॉक्स डीबी मॉल, पेटीएम सर्विस प्रा.लि., टाटा स्ट्राइव स्किल डवलपमेंट, भारत पे, बजाज केपिटल, जोमैटो फूड प्रा.लि. सहित अन्य कंपनियां शामिल हैं। भर्ती सिक्योरिटी गार्ड, मशीन ऑपरेटर, रिलेशनशिप मैनेजर, इलेक्ट्रीशियन, सैल्स एग्जीक्यूटिव, टेली कॉलर, सुपरवाइजर, स्टोर कीपर, ड्रायवर आदि पदों पर की जाएगी। वेतनमान 10 हजार से 45 हजार रुपए तक रहेगा। इच्छुक अभ्यर्थियों को समग्र आईडी, रोजगार पंजीयन क्रमांक, शैक्षणिक प्रमाण-पत्र एवं बायोडाटा साथ लाना अनिवार्य होगा।

नई कलेक्टर गाइडलाइन में 20 प्रतिशत बढ़ सकते हैं संपत्ति के दाम

गाइडलाइन से अधिक पर हुई रजिस्ट्रियों को बनाया आधार

■ ग्वालियर

वित्त वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तावित नई कलेक्टर गाइडलाइन को लेकर उप जिला मूल्यांकन समिति ने महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित कर दिया है। वृत्त-1 और वृत्त-2 में औसतन 20 प्रतिशत तक बढ़ोत्तरी का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया है। अब संशोधित प्रस्ताव जिला मूल्यांकन समिति के समक्ष रखा जाएगा, जिसके बाद इसे केंद्रीय मूल्यांकन समिति को 20 मार्च से पहले भेजा जाएगा।

लश्कर एसडीएम नरेंद्र बाबू यादव की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में दोनों वृत्तों के उप पंजीयकों ने क्षेत्रवार गाइडलाइन वृद्धि का प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस वर्ष बढ़ोत्तरी का मुख्य आधार वे रजिस्ट्रियां रही हैं, जो पूर्व निर्धारित गाइडलाइन से अधिक दरों पर हुईं। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में वृद्धि प्रस्तावित की गई है, जहां नई कॉलोनियों का विकास हुआ है और संपत्तियों की खरीद-फरोख्त अधिक हुई है। प्रस्तावित वृद्धि वित्त वर्ष 2025-26 की तुलना में लगभग 3 प्रतिशत कम बताई जा रही है। जिला मूल्यांकन समिति की बैठक होली से पहले संभावित है। इसके बाद आम नागरिकों को दावे और आपत्तियां प्रस्तुत करने के लिए लगभग दो सप्ताह का समय दिया जा सकता है। नई गाइडलाइन लागू होने के बाद संपत्ति खरीद-फरोख्त पर स्टांप शुल्क और पंजीयन शुल्क में भी प्रभाव पड़ सकता है, जिससे रियल एस्टेट बाजार में हलचल तेज होने की संभावना है।

जनसुनवाई में की शिकायत, कार्रवाई की मांग

न्यू फोर्ट व्यू कॉलोनी के पास किले की तलहटी में अतिक्रमण का आरोप

■ ग्वालियर

कोटेश्वर रोड स्थित न्यू फोर्ट व्यू कॉलोनी विकास समिति ने किले की तलहटी में शासकीय भूमि पर अवैध अतिक्रमण किए जाने का आरोप लगाते हुए जनसुनवाई में कार्रवाई की मांग की है। समिति द्वारा की गई शिकायत में कहा गया है कि ग्राम आहूखाना कलां क्षेत्र की शासकीय भूमि, जो ऐतिहासिक ग्वालियर किले की तलहटी से सटी हुई है, पर कुछ लोगों द्वारा पेड़-पौधों को काटकर भूमि समतल की जा रही है और पक्का निर्माण कर कब्जा किया जा रहा है। शिकायत में उल्लेख किया गया है कि यह क्षेत्र पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील है तथा यहां हरियाली और प्राकृतिक ढलान किले की संरचना की सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण है। समिति का आरोप है कि अतिक्रमण से किले की दीवारों को भी खतरा उत्पन्न हो सकता है। साथ ही शिकायत करने पर संबंधित लोगों द्वारा दबाव बनाए जाने की बात भी कही गई है। समिति ने मांग की है कि मौके पर जांच कर शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। इसके अलावा जनसुनवाई में राजस्व, नगर निगम, बिजली, पुलिस इत्यादि से संबंधित शिकायतें पहुंचीं। जमीन संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश सभी एसडीएम व तहसीलदारों को दिए गए हैं। नगर निगम क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं से संबंधित समस्याओं को तत्परता से निराकृत करने की हिदायत भी नगर निगम के अधिकारियों को दी।

अतिक्रमण और जलभराव के निराकरण का निर्देश

नगर निगम मुख्यालय सिटी सेंटर में आयोजित जनसुनवाई में आमजनों ने मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं प्रमुखता से उठाईं। अपर आयुक्त प्रदीप सिंह तोमर एवं मुनीष सिंह सिकरवार ने शिकायतें सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। वार्ड 16 रेशम मिल निवासी ज्योति आर्य ने कुटी मंदिर क्षेत्र में शासकीय भूमि पर हुए अवैध कब्जे को हटाने की मांग की। वहीं वार्ड 3 शब्द प्रताप आश्रम निवासी जिनेंद्र राजपूत ने सार्वजनिक नाले पर असामाजिक तत्वों द्वारा किए गए अतिक्रमण की शिकायत की, जिससे बरसात में सड़कों और घरों में पानी भरने की समस्या उत्पन्न हो रही है। इसके अलावा पेयजल, सफाई, सीवर, अतिक्रमण, विद्युत, आवास और नामांतरण से संबंधित 24 से अधिक आवेदन पहुंचे। अपर आयुक्त ने कुछ मामलों का मौके पर निराकरण कराया, जबकि शेष शिकायतों पर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

विद्यार्थियों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

■ ग्वालियर

ऋषि गालव पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर आरोग्य भारती एवं सहारा हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ, जिसमें 700 से अधिक विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

शिविर में वरिष्ठ चिकित्सकों की टीम ने विद्यार्थियों की विस्तृत जांच कर आवश्यक परामर्श प्रदान किया। दंत विशेषज्ञ डॉ. संदीप स्वर्णकार, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. सुनील शर्मा

तथा नेत्र विशेषज्ञ डॉ. बलवीर राणा ने बच्चों के स्वास्थ्य की जांच की। कार्यक्रम में आरोग्य भारती मध्य प्रांत के संरक्षक डॉ. एसपी बत्रा, उपाध्यक्ष डॉ. अरविंद मित्तल, अध्यक्ष डॉ. राहुल सप्रा एवं एमके सारस्वत विशेष रूप से उपस्थित रहे। विद्यालय के प्राचार्य अरविंद सिंह जादौन, उप-प्राचार्य शिखा चक्रवर्ती तथा डायरेक्टर शुभम जैन की उपस्थिति में आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अंत में विद्यालय परिवार द्वारा सभी चिकित्सकों को स्मृति चिन्ह भेंट कर आभार व्यक्त किया गया।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विवि में शुरू हुआ तीन दिवसीय बैजू बावरा महोत्सव

भारतीय संगीत की जननी है ध्रुपद, इसका ग्वालियर से है पुराना नाता : उस्ताद डागर

■ ग्वालियर

संगीत की बारीकियों को समझते वक्त यह भी ध्यान में रखें कि आपके स्वयं के मन पर संगीत का क्या प्रभाव पड़ रहा है। संगीत में स्वर का अध्ययन करने से पूर्व अपने अंदर के 'स' को खोजने का प्रयास करें।यह भी जानना जरूरी है कि ध्रुपद शैली भारतीय संगीत की जननी है। ख्याल, दादरा, ठुमरी, टप्पा आदि इसके बाद ही अस्तित्व में आए हैं। और ग्वालियर का ध्रुपद से पुराना जुड़ाव रहा है।

भारतीय संगीत पर शास्त्रीय संगीत का प्रभाव कभी कम नहीं हुआ। यही कारण है कि ध्रुपद आज 20 वीं पीढ़ी के साथ भी चल रहा है। शास्त्रीय संगीत को बढ़ावा देने के लिए निजी चैनलों को आगे आकर प्रचार प्रसार करना चाहिए।

यह बात दिल्ली से आए पद्मश्री उस्ताद वासिफुद्दीन डागर ने कही। वह राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय बैजू बावरा

महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर भारतीय ज्ञान परंपरा : ध्रुपद गायन शैली का परंपरागत एवं वर्तमान स्वरूप विषय पर बतौर विषय विशेषज्ञ बोल रहे थे।

संगीत विश्वविद्यालय और प्रयास शिक्षा, साहित्य, कल व संगीत पीठ समिति के संयुक्त तत्वाधान में शुरू हुए इस महोत्सव के पहले दिन विद्वानों ने ध्रुपद शैली की बारीकियों से छात्र-छात्राओं को परिचित

कराया। साथ ही संगीत की विधाओं का प्रदर्शन भी हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ललित नारायण, मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगा, बिहार से आई लावण्य कीर्ति सिंह रही। कार्यक्रम में विद्वानों के रूप में नई दिल्ली से आए पं. मोहन श्याम शर्मा ने भी विषय पर अपने विचार रखे। कुलगुरु प्रो. स्मिता सहस्त्रबुद्धे की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में कुलसचिव अरुण सिंह चौहान, वित्त नियंत्रक डॉ. आशुतोष खरे, विद्या परिषद के अशोक आनंद, अनूप मोघे, प्रयास समित के कार्यकारी प्रो. नीरज कुमार झा मौजूद थे। संचालन सांस्कृतिक समिति समन्वयक डॉ. पारुल दीक्षित ने किया।

परंपराओं में बंधा हुआ है शास्त्रीय संगीत: ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगा, बिहार से आई लावण्य कीर्ति सिंह ने कहा कि ग्वालियर शहर संगीत की नगरी है। इसके बिना संगीत की कल्पना करना संभव नहीं है। वर्तमान में हमें परंपराओं से जुड़ने की जरूरत है। भारतीय शास्त्रीय संगीत परंपराओं से बंधा हुआ है और परंपराओं के साथ ही वह लगातार बढ़ता रहा। अध्ययन करने पर पता चलता है कि संगीत शास्त्र और प्रदर्शन दोनों से चलता है और किसी एक के बिना भी संगीत अधूरा है। कार्यक्रम के दौरान संगीत विभाग के छात्र-छात्राओं ने बैजू द्वारा रचित पद की राग जौनपुरी, ताल चौताल में संगीतमय प्रस्तुति दी, जिसके बोल थे जहां लगी..। पखावज पर संगति जयवंत गायकवाड़ ने की। पं. मोहन श्याम शर्मा (नई दिल्ली) ने पखावज सह प्रदर्शन के दौरान कहा कि ताल धमार अन्य तालों से कुछ अलग है। वैसे ही पखावज और तबले में भी अंतर होता है। पखावज में देवी देवताओं की स्तुति के साथ टुकड़े, छंद, रेला आदि शामिल होते हैं। तबले की परन में तिहाई होती है,जबकि पखावज की परन में तिहाई का अभाव होता है। इस दौरान उन्होंने ताल धमार में पखावज पर अद्भुत प्रदर्शन भी किया। उनके साथ अब्दुल हमीद ने लहरा संगति की।

इसी क्रम में पद्मश्री वासिफुद्दीन डागर ने राग मुल्तानी में नोम तोम आलाप जोड़ झाला प्रस्तुत किया। फिर बैजू बावरा की बंदिश प्रस्तुत की।

शिकायतों का निराकरण न करने वाले अधिकारियों को नोटिस

ग्वालियर। सीएम हेल्पलाइन पर सिविल कार्य में आई शिकायतों के निराकरण समय सीमा में नहीं करने पर सबसे खराब स्थिति वाले पांच जोनल अधिकारियों एवं पांच सहायक यंत्रियों को नोटिस जारी करने के निर्देश नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने समय सीमा की बैठक में दिए। बैठक में अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव, प्रदीप तोमर आदि मौजूद थे। निगम मुख्यालय में आयोजित समय सीमा की बैठक में नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान सिविल के कार्य में आई शिकायतों का निराकरण संतुष्टि के साथ समय सीमा में नहीं करने काफी नाराजगी व्यक्त की तथा खराब स्थिति वाले क्षेत्रीय अधिकारी अजय शर्मा, अभय प्रताप सहित अन्य क्षेत्र अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही सीएम हेल्पलाइन पर आने वाली शिकायतों को अटेंड नहीं करने पर सहायक यंत्री राकेश कुशवाह, सहायक लेखापाल पूजा महकाले को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में दूषित पेयजल की समीक्षा के दौरान सात दिवस से अधिक दूषित पेयजल की शिकायतें लंबित रहने पर नाराजगी व्यक्त की तथा वार्ड 21 एवं 18 में 28 शिकायतें लंबित रहने पर उपयंत्री शिवेन्द्र सिंह, वार्ड 29 के उपयंत्री सुशील साहू एवं वार्ड 25,26,27 में उपयंत्री आदित्य पाण्डे को नोटिस जारी करने के साथ ही एक-एक वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिए।

संपादकीय

असम: चुनावी खेल में संविधान तार-तार

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वासरमा मुस्लिम विरोधी अपने बयानों के लिए अक्सर सुर्खियों में आ जाते हैं। भाजपा ने उन्हें असम में मुख्यमंत्री क्यों बनाया है और क्यों वो मोदी-शाह की आंखों के तारे बने हुए हैं, यह समझना कठिन नहीं है। हिमंता बिस्वासरमा का बस चले तो असम को वे देश का पहला हिंदू राज्य घोषित कर दें, क्योंकि बार-बार लगातार उनके बयानों में यही संदेश सामने आता है कि मुसलमानों को राज्य से बाहर किया जाए। अभी कुछ दिनों पहले हिमंता बिस्वासरमा का एक वीडियो भी काफी वायरल हुआ था, जिसमें वो मुसलमान दिख रहे लोगों पर निशाना साध रहे थे। असम की भाजपा ईकाई ने यह वीडियो जारी किया था और इसमें ऊपरी तौर पर घुसपैठियों को बाहर करने का संदेश था, लेकिन असल निशाना अल्पसंख्यक समुदाय पर ही था। और जहां तक घुसपैठियों को बाहर करने या उन पर कार्रवाई करने का सवाल है, तो यह काम भी कानून के दायरे में होना चाहिए। अगर सत्ता पर बैठा शख्स हाथ में बंदूक लेकर इंसाफ करने निकल पड़े तो फिर देश में अदालतों की जरूरत ही क्या होगी। अफसोस इस बात का है कि सुप्रीम कोर्ट की राय इस बारे में अलग है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को हिमंत बिस्वासरमा के खिलाफ वायरल वीडियो पर कार्रवाई की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। देश के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की बेंच ने याचिकाकताओं से गुवाहाटी हाई कोर्ट जाने को कहा। कोर्ट ने यह भी कहा कि चुनावों से पहले ऐसे कई मामले सामने आते हैं। यह एक चलन बनता जा रहा है। असम में आने वाले विधानसभा चुनावों का जिक्र करते हुए कोर्ट ने कहा कि समस्या यह है कि चुनाव का एक हिस्सा उससे पहले लड़ा जाता है। इस बात पर कोई दो राय नहीं है कि चुनावों में विरोधी पर वार करने के लिए कई बार कानूनी लड़ाइयों का सहारा लिया जाता है। बल्कि मोदी के शासनकाल में तो जांच एजेंसियों का भी खुला इस्तेमाल होने लगा है। लेकिन असम का यह मामला कल्पना से उपजा आरोप नहीं है, बल्कि हिमंता बिस्वासरमा ने जिस तरह मुसलमान को बंदूक की नोक पर रखा है, वह बेहद गंभीर मामला है, क्योंकि इसमें न केवल कानून और संवैधानिक पद की मयार्दा का मखौल उड़ाया गया है, बल्कि भारत की धर्मनिरपेक्षता के चिथड़े-चिथड़े करने की मानसिकता झलकी है। गौरतलब है कि 8 फरवरी को कांग्रेस ने दावा किया कि असम भाजपा के एक्स हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया गया जिसमें असम सीएम हिमंत बिस्वासरमा मुसलमानों को गोली मारते दिख रहे हैं। कांग्रेस ने कहा कि ये वीडियो अल्पसंख्यकों की टार्गेटेड पॉइंट-ब्लैंक हत्या को बढ़ावा देने जैसा है। कांग्रेस का दावा है कि वीडियो डिलीट कर दिया गया है। लेकिन कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत के एक्स हैंडल पर दिख रहे वीडियो में नजर आ रहा है कि असम मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वासरमा कथित तौर पर एक राइफल से निशाना साधते और दो लोगों पर गोली चलाते हुए दिख रहे थे। निशाने में दिख रही तस्वीर में एक ने टोपी पहनी थी और दूसरे की दाढ़ी थी। इसका कैप्शन पॉइंट-ब्लैंक शॉट था। श्रीनेत ने इस वीडियो को शेयर करते हुए पूछा था कि क्या अदालतें और अन्य संस्थाएं सो रही हैं? वहीं कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने कहा था कि यह नरसंहार का आह्वान करने के अलावा और कुछ नहीं है। एक ऐसा सपना जिसे यह फासीवादी शासन दशकों से पाले हुए है। श्री बिस्वासरमा के इस वीडियो पर कांग्रेस, आरजेडी, शिवसेना समेत कई विपक्षी दलों ने आलोचना कर कार्रवाई की मांग की थी। लेकिन हिमंता बिस्वासरमा पर कोई फर्क नहीं पड़ा था। उनका कहना था कि जेल जाने के लिए तैयार रहूंगा, लेकिन घुसपैठियों का मुद्दा नहीं छोड़ूंगा। जिस तरीके से हिमंता बिस्वासरमा ने अपने बयान को सही ठहराया था, उससे सवाल उठता है कि क्या उन्हें पता था कि जब तक मोदी-शाह का हाथ उनकी पीठ पर है, उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। यहां ये भी याद कर लेना चाहिए कि इससे पहले हिमंता बिस्वासरमा ने 27 जनवरी को कहा था कि राज्य में स्पेशल रिवीजन में 4 से 5 लाख मिया मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाएंगे। उन्होंने लोगों से मिया समुदाय को परेशान करने की अपील की ताकि वे असम से चले जाएं। उन्होंने सीधे-सीधे एक समुदाय को निशाने पर लेकर उसे मानसिक, शारीरिक और आर्थिक तौर पर परेशान करने की बात कही, नागरिक के वोट के अधिकार को छीनने की बात कही, लेकिन सुप्रीम कोर्ट को अगर लगता है कि चुनाव से पहले ऐसे मामले आने का ट्रेंड बन गया है, तो फिर हताशा और निराशा ही हाथ लगती है। इस समय सुप्रीम कोर्ट के पास एक बड़ा मौका था कि वह मुख्यमंत्री बिस्वासरमा को सफाई पेश करने बुलाती और धार्मिक पूर्वाग्रह के आधार पर भेदभाव फैलाने और हिंसा के लिए उकसाने पर चेतावनी देती। सुप्रीम कोर्ट का यह छोटा सा कदम लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए साथ ही भारत के ताने-बाने को बचाने के लिए मील का पत्थर साबित हो सकता था। लेकिन फिलहाल यह मौका भी हाथ से निकल गया है। अब शायद हिमंता बिस्वासरमा और उन जैसे संकीर्ण, कट्टर सोच रखने वाले नेताओं के हौसले और बढ़ जाएं। पहले धर्मसंसदों के मंच से जो हिंसक आह्वान अल्पसंख्यकों के लिए हुआ करते थे अब उन पर सरकारी मुहर लगनी शुरू हो जाएगी तो फिर देश किस हाल में पहुंचेगा, यह सोचकर रुह कांप जाती है।

आयातित विदेशी हथियारों पर भारत की निर्भरता चिंता की बात

क्रांति से शांति तक नामक फोटो प्रदर्शनी नेपाली कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय, सानेपा, ललितपुर में आयोजित किया गया था, जहां वर्तमान प्रधानमंत्री प्रचंड आये, और इसके प्रकारांतर पीएम इन वेटिंग, केपी शर्मा ओली भी पधारे। उस अवसर पर प्रचंड का नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा से क्या संवाद हुआ, वह सार्वजनिक नहीं हुआ है। मगर, बुधवार सुबह प्रचंड ने घोषणा की, कि पहले संसद में विश्वास मत करा लेते हैं, फिर मैं कुर्सी छोड़ूंगा। एक साल 180 दिनों से प्रचंड सत्ता में हैं। तीसरे टर्म प्रधानमंत्री पद पर बने रहना कितना कठिन होता है, उसे यों समझा जाये कि अब तक उन्हें चार बार विश्वास मत हासिल करना पड़ा है। आखिरी बार 20 मई, 2024 को प्रचंड को विश्वास मत हासिल करना पड़ा था, तब उपेन्द्र यादव के नेतृत्व वाली जनता समाजवादी पार्टी ने अपना समर्थन वापस ले लिया था। बुधवार शाम एमाले ने समर्थन वापसी की घोषणा कर दी।

नन्तू बनर्जी

भारतीय रक्षा मंत्रालय की फ्रांस से 114 राफेल फाइटर जेट खरीदने की नई मंजूरी से ज्यादा उत्साहित होने की कोई बात नहीं है, जिसकी कीमत 3.25 लाख करोड़ रुपये (लगभग 40 अरब डॉलर) है, जिसे सभी डिफेंस डील्स की सबसे बड़ी डील कहा जा रहा है। यह बड़ी चिंता की बात है कि देश की आजादी के 78 साल बाद भी, यूक्रेन की तरह भारत को भी अपनी आजादी की रक्षा के लिए आयातित हथियारों पर निर्भर रहना पड़ता है- फ्रांस से राफेल, संयुक्त राज्य अमेरिका से पोसाइडनजेट, और रूस से एस-400ट्रायम्फ जैसे कई दूसरे हथियार। यहां तक कि उन क्षेत्रों जहां भारत विदेशी सहयोग से रक्षा उपकरण बना रहा है, में भी देश अभी भी विदेशी सबसिस्टम पर बहुत ज्यादा निर्भर है।

हालांकि एयरक्राफ्ट और जहाज जैसे प्लेटफॉर्म भारत में असेंबल किए जा सकते हैं, लेकिन जरूरी हाई-एंड कंपोनेंट अभी भी आयातित किए जाते हैं, जिससे आपूर्ति श्रृंखला कमजोर हो जाती है। पिछले कुछ सालों में, भारत ने कई राफेल सौते किए हैं। इनमें लगभग 7.87 अरब यूरो (लगभग 58,891 करोड़ रुपये) के 36जेट शामिल हैं और हाल ही में भारतीय नौसेना के लिए 26 नेवल वेरिएंट के सौदे हुए हैं, जिसकी कीमत 64,000 करोड़ रुपये है। भारत में बने जेट के साथ क्वालिटी एश्योरेंस के मुद्दों पर कई सालों तक बातचीत चलने के बाद भारत ने 2015 में फ्रांस से 126 राफेल फाइटर खरीदने के समझौते को रद्द कर दिया था। 1950 में, पड़ोसी चीन की अर्थव्यवस्था और रक्षा भारत की तुलना में बहुत कमजोर थी। आज, चीन खुद को अमेरिका और रूस के बाद दुनिया की सबसे सेल्फ-प्रोपेल्ड घातक मिलिटरी ताकतों में से एक मानता है। भारत के आयात पसंद करने वाले राजनीतिक शासकों की वजह से, देश को एडवांस्ड मिलिट्री टेक्नालॉजी, खासकर जेट इंजन,

एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्डऐरे (एईएसए) रडार, मिसाइल सीकर और स्टील्थ टेक्नालॉजी विकसित करने में बड़ी कमियों का सामना करना पड़ रहा है। भारत का रक्षा अनुसंधान और विकास खर्च दूसरे देशों के मुकाबले बहुत कम है। डीआरडीओ को 2025-26 में कुल रक्षा बजट का सिर्फ 3.94 प्रतिशत मिलेगा। लंबे खरीद चक्र और आर एंड डी परियोजनाओं में बहुत ज्यादा देरी से आधुनिकीकरण में रुकावट आ रही है। भारत के पास यूएवी, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के लिए काफी, विश्व स्तरीय परीक्षण अवसंरचना भी नहीं है, जिससे देशी उत्पादनों के विकास और प्रमाणीकरण में कमी आ रही है। भारत के लगभग 80 प्रतिशत रक्षा उपकरण रूस के होने के कारण, रूस देश की रक्षा क्षमताओं का एक अहम हिस्सा बना हुआ है। रूस तब सामने आया जब पश्चिमी मिलिटरी ताकतों ने भारत को हाई-एंड हथियार आपूर्ति करने से लगभग मना कर दिया था। भारत-रूस रक्षा भागीदारी सिर्फ खरीदार-विक्रेता संबंध से बढ़कर संयुक्त विकास और उत्पादन तक फैली हुई है। भारत में मौजूद बड़े खतरनाक रूसी प्लेटफॉर्म में सुखोई एसयू-30एमकेआई (जो रूस की मदद से भारत में बना), टी-905 भीष्म्य और टी-22मुख्य लड़ाकू टैंक, ब्रह्मोसक्रूज मिसाइल, रूस में बनी सबमरीन, जिसमें लीज पर लिए गए न्यूक्लियर-पावर्ड जहाज (अकुला-2) और आईएनएस विक्रमादित्य जैसे एयरक्राफ्ट कैरियर और बहुत ज्यादा इस्तेमाल होने वाले एमआई-17परिवहन हेलीकॉप्टर शामिल हैं। लंबे समय तक, भारत ने अपने निजी क्षेत्र को रक्षा उत्पादन में आने नहीं दिया, हालांकि वह हथियारों और गोला-बारूद के आयात के लिए विदेशी निजी कंपनियों के साथ सौदा करने में हमेशा खुश था। इत्तेफाक से, डसॉल्ट एविएशन का मालिकाना हक मुख्य रूप से एक फ्रेंच फैमिली होल्डिंग कंपनी, ग्रुप इंडस्ट्रियल मार्सेलडसॉल्ट (जीआईएमडी) के पास है। कंपनी पर परिवार का कड़ा नियंत्रण है, जिसके पास लगभग 67प्रतिशत इक्विटी शेयर हैं। एयरबस के पास लगभग 10प्रतिशत शेयर हैं। भारत में रक्षा विनिर्माण में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 2024-25 में कुल उत्पादन का सिर्फ 23प्रतिशत थी, जिसमें ज्यादातर लो-एंड उत्पादन थे। यूएवी, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स जैसी अत्याधुनिक प्रद्योगिकी के लिए विश्वस्तरीय परीक्षण अवसंरचना की कमी से देशी उत्पादन के विकास और प्रमाणीकरण में देरी होती है।

शुरू में, चीन भी रूसी रक्षा आपूर्ति पर निर्भर था। लेकिन, कम्युनिस्ट शासन ने रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता को बहुत प्राथमिकता दी और सालों से रक्षा उत्पादनों की हाई-एंड मैन्युफैक्चरिंग के लिए दुनिया भर में एक बड़ा दावेदार बन गया। चीन का एक लो-टेक हथियार आयातक से एक हाई-एंड देशी डिफेंस मैन्युफैक्चरर और निर्यातक बनना एक लंबे समय की, सरकार की बनाई रणनीति से हुआ है, जिसमें अनुसंधान और विकास में भारी निवेश, इंटेंस मिलिट्री-सिविल फ्यूजन (एमसीएफ), और विदेशी प्रौद्योगिकी का लक्षित प्रदर्शन शामिल है। पिछले दस सालों में, चीन दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा हथियार निर्यातक बनकर उभरा है, जिसके पास स्टील्थ फाइटर्स (जे-20, जे-35), एयरक्राफ्ट कैरियर (फुजियान), और हाइपरसोनिक मिसाइलों की क्षमता है जो पश्चिमी प्रौद्योगिकी की बेहतरी को चुनौती देते हैं। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिप्री) के वैश्विक हथियारों के हस्तांतरण, निर्यात मात्रा और अतिविकसित सैन्य प्रौद्योगिकी के विकास के आंकड़े के आधार पर, हाई-एंड डिफेंस इक्विपमेंट (2020-2024) बनाने वाले सर्वोच्च 10 देशों में एयरोस्पेस, नेवल और मिसाइल प्रौद्योगिकी में भारी निवेश करने वाली बड़ी ताकतें सबसे ज्यादा हैं। ये देश हैंरू यूनाइटेड स्टेट्स, फ्रांस, रूस, चीन, जर्मनी, इटली, यूनाइटेड किंगडम, इजराइल, स्पेन और साउथ कोरिया। हालांकि, भारत अभी भी चीन और पाकिस्तान जैसे बहुत ज्यादा लड़ाकू पड़ोसियों से अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए बहुत ज्यादा विदेशी आयात पर निर्भर है। स्वदेशीकरण के तथाकथित दबाव के बावजूद, भारत, चीन और पाकिस्तान से दोहरे खतरों का मुकाबला करने के लिए जरूरी प्रौद्योगिकी, जेट और इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए भी काफी हद तक विदेशी आपूर्तिकताओं पर निर्भर है। यह निर्भरता सीमा विवाद, सीमा पार से आतंकवाद और अस्थिर पड़ोसी के साथ बनी हुई है। जबकि 3,488 किलो मीटर भारत-चीन सीमा (एलएसी) पर तनाव सालों से बना हुआ है, पाकिस्तान से भी सीमा-पार आतंकवाद के लिए लगातार तैयार रहने की जरूरत है। अब समय आ गया है कि भारत अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए हाई-एंड घरेलू रक्षा विनिर्माण में बड़ा निवेश करे। हाई-एंड सैन्य प्रौद्योगिकी में अंतर को कम करना अब देश के लिए एक असली चुनौती है।

अब कड़वे फैसले ही गढ़ेंगे हिमाचल का भविष्य

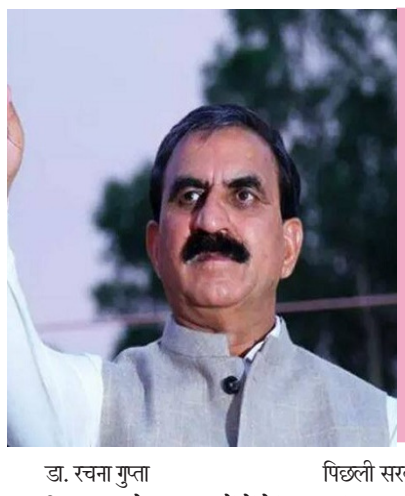

वित्तीय नजाकत को समझते हुए वर्तमान कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री ने सत्ता संभालते ही कुछ फैसलों के कड़वे घूंट पी लिए थे, ताकि खजाने में थोड़ा सुधार हो, लेकिन यही काम पूर्व में रही भाजपा या कांग्रेस सरकारों ने कर लिया होता तो इस बदहाली की नौबत न आती। खैर, अब आर.डी.जी. बंद हो गई है, पिछली सरकारों द्वारा लिए गए कर्ज का आंकड़ा 1 लाख करोड़ पार कर गया है, जिसका ब्याज चुकता करते-करते किसी भी दल की सरकार के पसीने छूटेंगे। दूसरे आध्थक मुद्दे भी हैं जिन पर वर्तमान की कांग्रेस सरकार अंगारों पर चल रही है। इसलिए अब आर.डी.जी. से आगे कदम बढ़ाने व स्व-साधन विकसित करने का वक्त है और संकट की इस घड़ी में सरकारी कर्मियों को ही योद्धा बनकर चलना होगा ताकि गैर सरकारी जनता भी स्वयं को बेहतर स्थिति में ला सके। इसलिए मुफ्त की योजनाओं से इतर विकास के नए अवसरों को झटपट पाना और कठोर निर्णय लेना, वक्त की जरूरत बनी है। वरना राज्य का आगे चल पाना, यानी बुनियादी कामों का होना भी दुश्वार होगा। बहरहाल सुधारों का पिटारा तत्काल प्रभाव से सुक्खू सरकार को शुरू करना चाहिए। इसमें पहल चुने हुए प्रतिनिधियो से ही करनी चाहिए, जिन्हें हर टर्म की अलग पैंशन मिलती है और कुछ-कुछ अंतराल के बाद वेतन-भत्ते भी बढ़ते रहते हैं। खासकर हर बार की चुनावी रिटर्न में कुछ की करोड़ों की भारी बढ़ौतरी देखी गई है। दूसरा, यदि पैंशन के मामले में देनदारी खासी बढ़ गई है, तो इस विषय में पुनर्विचार करना भी एक व्यावहारिक फैसला हो सकता है, क्योंकि पैंशन व एरियर से भी राज्य के खजाने को बहुत बड़ी मार मिल रही है।

डा. रचना गुप्ता

हिमाचल समेत 17 राज्यों में केंद्र सरकार की विशेष दरियादिली यानी राजस्व घाटा अनुदान (आर.डी.जी.) खत्म होने के बाद अब वक्त आ गया है, जब राज्य सरकारें आर.डी.जी. से आगे का सोचें, खासकर हिमाचल जैसा छोटा सा राज्य। वित्तीय नजाकत को समझते हुए वर्तमान कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री ने सत्ता संभालते ही कुछ फैसलों के कड़वे घूंट पी लिए थे, ताकि खजाने में थोड़ा सुधार हो, लेकिन यही काम पूर्व में रही भाजपा या कांग्रेस सरकारों ने कर लिया होता तो इस बदहाली की नौबत न आती। खैर, अब आर.डी.जी. बंद हो गई है, पिछली सरकारों द्वारा लिए गए कर्ज का आंकड़ा 1 लाख करोड़ पार कर गया है, जिसका ब्याज चुकता करते-करते किसी भी दल की सरकार के पसीने छूटेंगे। दूसरे आध्थक मुद्दे भी हैं जिन पर वर्तमान की कांग्रेस सरकार अंगारों पर चल रही है। इसलिए अब आर.डी.जी. से आगे कदम बढ़ाने व स्व-साधन विकसित करने का वक्त है और संकट की इस घड़ी में सरकारी कर्मियों को ही योद्धा बनकर चलना होगा ताकि गैर सरकारी जनता भी स्वयं को बेहतर स्थिति में ला सके। इसलिए मुफ्त की योजनाओं से इतर विकास के नए अवसरों को झटपट पाना और कठोर निर्णय लेना, वक्त की जरूरत बनी है। वरना राज्य का आगे चल पाना, यानी बुनियादी कामों का होना भी दुश्वार होगा। बहरहाल सुधारों का पिटारा तत्काल प्रभाव से सुक्खू सरकार को शुरू करना चाहिए। इसमें पहल चुने हुए प्रतिनिधियो से ही करनी चाहिए, जिन्हें हर टर्म की अलग पैंशन मिलती है और कुछ-कुछ अंतराल के बाद वेतन-भत्ते भी बढ़ते रहते हैं। खासकर हर बार की चुनावी रिटर्न में कुछ की करोड़ों की भारी बढ़ौतरी देखी गई है। दूसरा, यदि पैंशन के मामले में देनदारी खासी बढ़ गई है, तो इस विषय में पुनर्विचार करना भी एक व्यावहारिक फैसला हो सकता है, क्योंकि पैंशन व एरियर से भी राज्य के खजाने को बहुत बड़ी मार मिल रही है। इस विषय में विपक्ष को भी राजनीति से दूर व्यावहारिक नजरिया रखना होगा क्योंकि गत वर्षों की प्रदेश की ऋण स्थिति, वेतन, एरियरों व डी.जी.पी. के साथ सभी सरकारों के निर्णय पर गौर करें तो कोई भी एक दल या पार्टी विशेष कटघरे में खड़ी नहीं होती बल्कि सभी होते हैं। क्योंकि गत ढाई दशकों में सबसिडी आधारित राजनीति सभी ने की। कर्ज सभी ने लिए। राजस्व सुधारों की कमी सभी स्तरों पर रही। वास्तव में हिमाचल बिना केंद्र की मदद के खुद तेजी से विकसित इसलिए नहीं हो सकता क्योंकि यह पहाड़ी राज्य है। प्रेम कुमार धूमल का 2 टर्म का कार्यकाल रहा। अब सभी मुख्यमंत्रियों का वर्ष 2000 से आगे के अनुमानित कर्ज आंकड़ों में अपने आप में काफी कुछ कहता है। प्रेम कुमार धूमल 14000 करोड़ रुपए का कर्ज, वीरभद्र सिंह के 2 कार्यकालों में 21500 करोड़ रुपए, जयराम ठाकुर के एक कार्यकाल में 22000 करोड़ रुपए (कोरोना काल) और सुखविंदर सिंह सुक्खू के 3 वर्ष के कार्यकाल में अनुमानित 18000 करोड़ रुपए (आपदा काल) ऋण लिया गया। इस तरह सुक्खू सरकार में, पिछली सरकारों का लिया हुआ कर्जा समेत मिलाकर करीब 1 लाख करोड़ आ गया। ऐसे में आर.डी.जी. का बंद होना भी वज्रपात ही है। यह विडंबना है कि सभी को मालूम था कि हालात खराब हो रहे हैं। सी.ए.जी. ने भी स्पष्ट कर दिया था कि असंतुलन तेजी से हो रहा और आमदनी धीमी है। आयकर कम है, तब कर्ज लेना पड़ा। यानी खर्च बढ़ा, राजस्व नहीं। जो ऋण लिया वह सैलरी-पैंशन पर गया, इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास नहीं हुआ। हर सरकार के समय पर सबसिडी की मार प्रदेश को झेलनी पड़ी। प्रेम कुमार धूमल के समय 5वां, 6वां वेतन आयोग लागू किया। बिजली व किसानों की सबसिडी, नए मंडल, उपमंडल खोलना, कर्ज आधारित विकास मॉडल बना। वीरभद्र ने बड़े पैमाने पर सरकारी भर्तियां कर दीं। सामाजिक पैंशन विस्तार, बोर्ड निगम घाटे में। जयराम ठाकुर ने बिजली 125 यूनिट मुफ्त की, कोरोना काल में उधारी बढ़ी, राजस्व गिर गया, वेतन आयोग का एरियर मिलता रहा। सुक्खू सरकार में ओ.पी.एस. ने तगड़ा झटका दिया। कर्ज का ऋण देते रहे और दो बड़ी आपदाओं में पुनर्वास में भारी खर्च हुआ। ओ.पी.एस. इस समय ऋण क्षमता को 1800 करोड़ कम कर देता है क्योंकि यह डैडीकेटेड कॉरपस होता है। यही झटका इस सरकार को लगा।

वैसे चिंताजनक बात यह है कि प्रदेश की वृद्धि दर भी खास नहीं सुधर रही। वर्ष 2005-06 में यह 10 प्रतिशत थी जो 2011-12 में 7 प्रतिशत हो गई।

उलटा पड़ सकता है किताब को लेकर मुकदमे का दांव

जिससे उबरने के लिए उसे पुलिसिया कार्रवाई का सहारा लेना पड़ा है। चूंकि उस किताब की सॉफ्ट कॉपी ऑनलाइन सकुर्लेट हो चुकी है और अभी भी हो रही है, लिहाजा दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। दिल्ली में संगीन अपराधों पर नियंत्रण पाने में नाकाम दिल्ली पुलिस अब इस मामले की जांच-पड़ताल में अपनी ऊर्जा खपाएगी कि आखिर यह किताब पीडीएफ फार्मेट में कैसे ऑनलाइन लोगों तक पहुंच रही है। जनरल नरवणे की यह वही किताब है जिसके हवाले से नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर लोकसभा में सरकार से सवाल पूछना चाहते थे लेकिन सरकार इसके लिए तैयार नहीं हुई और उसने किताब के अस्तित्व को ही नकार दिया। दरअसल जनरल नरवणे की किताब श्फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनीश के प्रकाशित होने या नहीं होने को लेकर स्थिति अभी साफ नहीं है। सरकार का कहना है कि उसने अभी किताब को छापने की मंजूरी नहीं दी है। विवाद बढ़ने पर प्रकाशक पेंग्विन इंडिया की ओर से भी कहा गया कि उसने अभी किताब नहीं छापी है। मुकदमा दर्ज करने के बाद दिल्ली पुलिस ने कहा कि सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों और कुछ वेबसाइटों पर किताब की पूर्व प्रकाशित पीडीएफ कॉपी मिल रही है। किताब का आवरण भी ऑनलाइन मार्केटिंग एजेंसी अमेजन के प्लेटफॉर्म पर दिखाया जा रहा है, जैसे कि किताब खरीदी-बिक्री के लिए उपलब्ध है। चूंकि किताब को प्रकाशित करने की जरूरी मंजूरी रक्षा मंत्रालय से नहीं मिली है, इसलिए किताब का लीक होना सुरक्षा नियमों का उल्लंघन माना जा रहा है। इस मामले में दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने एफआईआर दर्ज की जब पिछले दिनों संसद में भारी हंगामा हुआ। श्द कारवांश मैगजीन में प्रकाशित हुए किताब के कुछ अंशों का हवाला देते हुए राहुल गांधी 2 फरवरी को लोकसभा में कुछ बोलना चाहते थे।

राजेंद्र शर्मा

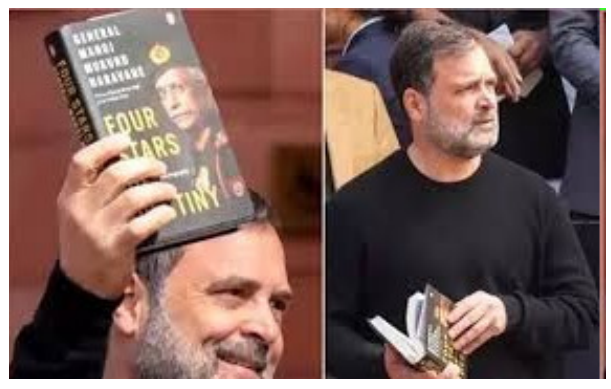

सर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की कथित रूप से प्रकाशितध्अप्रकाशित किताब सरकार के लिए बड़ी परेशानी का सबब बन गई है, जिससे उबरने के लिए उसे पुलिसिया कार्रवाई का सहारा लेना पड़ा है। चूंकि उस किताब की सॉफ्ट कॉपी ऑनलाइन सकुर्लेट हो चुकी है और अभी भी हो रही है, लिहाजा दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। दिल्ली में संगीन अपराधों पर नियंत्रण पाने में नाकाम दिल्ली पुलिस अब इस मामले की जांच-पड़ताल में अपनी ऊर्जा खपाएगी कि आखिर यह किताब पीडीएफ फार्मेट में कैसे ऑनलाइन लोगों तक पहुंच रही है। जनरल नरवणे की यह वही किताब है जिसके हवाले से नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर लोकसभा में सरकार से सवाल पूछना चाहते थे लेकिन सरकार इसके लिए तैयार नहीं हुई और उसने किताब के अस्तित्व को ही नकार दिया। दरअसल जनरल नरवणे की किताब श्फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनीश के प्रकाशित होने या नहीं होने को लेकर स्थिति अभी साफ नहीं है। सरकार का कहना है कि उसने अभी किताब को छापने की मंजूरी नहीं दी है। विवाद बढ़ने पर प्रकाशक पेंग्विन इंडिया की ओर से भी कहा गया कि उसने अभी किताब नहीं छापी है। मुकदमा दर्ज करने के बाद दिल्ली पुलिस ने कहा कि सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों और कुछ वेबसाइटों पर किताब की पूर्व प्रकाशित पीडीएफ कॉपी मिल रही है। किताब का आवरण भी ऑनलाइन मार्केटिंग एजेंसी अमेजन के प्लेटफॉर्म पर दिखाया जा रहा है, जैसे कि किताब खरीदी-बिक्री के लिए उपलब्ध है। चूंकि किताब को प्रकाशित करने की जरूरी मंजूरी रक्षा मंत्रालय से नहीं मिली है, इसलिए किताब का लीक होना सुरक्षा नियमों का उल्लंघन माना जा रहा है। इस मामले में दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने एफआईआर दर्ज की जब पिछले दिनों संसद में भारी हंगामा हुआ। श्द कारवांश मैगजीन में प्रकाशित हुए किताब के कुछ अंशों का हवाला देते हुए राहुल गांधी 2 फरवरी को लोकसभा में कुछ बोलना चाहते थे। किताब के उन अंशों के मुताबिक जनरल नरवणे ने लिखा है कि 2020 में गलवान घाटी में चीन से टकराव के दौरान जब उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को जानकारी दी कि श्चीनी टैंक हमारी ओर आ रहे हैंश, तो लंबे समय तक उन्हें

किसी की भी ओर से कोई निर्देश नहीं मिला। बाद में रक्षा मंत्री के मार्फत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संदेश आया- श्जो उचित समझो, वैसा करोश। राहुल गांधी का आरोप है कि मोदी ने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई और सेनाध्यक्ष को अकेला छोड़ दिया। राहुल गांधी का कहना है कि किताब से चीन के आक्रामक रवैये पर प्रधानमंत्री की ठंडी प्रतिक्रिया की पोल खुल रही है इसीलिए लोकसभा में स्पीकर ने उन्हें नहीं बोलने दिया और पीएम भी इसी वजह से राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बहस का जवाब देने नहीं आए। बहरहाल किताब को लेकर दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने जांच शुरू कर दी है कि किताब पीडीएफ फार्मेट में सोशल मीडिया तक कैसे पहुंची। जांच की आंच राहुल गांधी तक भी पहुंचनी तय है क्योंकि उन्होंने संसद परिसर में किताब की प्रकाशित प्रति भी दिखाई है। कहने की आवश्यकता नहीं कि एफआईआर राहुल को निशाना बनाकर ही दर्ज की गई है। गौरतलब है कि पिछले कुछ वर्षों से देश में श्एफआईआर क्रांतिश चल रही है। खास तौर से उत्तर-पश्चिमी भारत के राज्यों में पिछले कुछ वर्षों से मुत्र्ठी भर लोगों ने अपनी भावनाएं आहत होने के नाम पर तांडव मचा रखा है और सत्ता के प्रभावशाली पदों पर बैठे उनके आका अपने घटिया स्वार्थों के लिए उनकी आहत भावनाओं को शह देने का काम कर रहे हैं। इन लोगों की ये भावनाएं कभी अखबारों या सोशल मीडिया में आए किसी कार्टून, तस्वीर, लेख या विज्ञापन से, तो कभी किसी फिल्म, नाटक, कॉमेडी शो, मिमिक्री, किताब या किसी गीत से आहत हो जाती है। सरकार की आलोचना को देशद्रोह मानकर उससे भी कई लोगों की भावनाएं आहत होने के मामले सामने आते रहते हैं। आहत होने वाली ऐसी तमाम भावनाओं को सहलाने के लिए पुलिस भी बिल्कुल तैयार बैठी रहती है। किसी भी सामान्य व्यक्ति के लिए चोरी, डकैती, लूट, जानलेवा हमला, ठगी, धोखाधड़ी, बच्चे की गुमशुदगी, वाहन चोरी या वाहन दुर्घटना, यहां तक कि गंभीर से गंभीर यौन अपराध की एफआईआर लिखवाना भी आसान काम नहीं है। इसके लिए पुलिस की मिन्नतें करना पड़ती हैं या किसी प्रभावशाली नेता से सिफारिश करानी पड़ती हैय और कभी-कभी पुलिस की जेब भी गरम करना पड़ती है। अगर पीड़ित व्यक्ति की आर्थिक स्थिति कमजोर हो तो उसे पुलिस से अपमानित भी होना पड़ता है। किसी तरह से अगर एफआईआर दर्ज हो भी जाए तो इस बात की गारंटी नहीं कि आवश्यक कार्रवाई पुलिस मुस्तैदी और ईमानदारी से करेगी।... लेकिन भावना आहत होने की शिकायत मिलते ही पुलिस तत्परता से एफआरआई दर्ज कर लेती है। थाना प्रभारी भी बगैर किसी जांच-पड़ताल के मीडिया को बुलाकर टीवी कैमरों के सामने आरोपित व्यक्ति को प्रथमदृष्टया दोषी भी करार दे देता है। ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार करने में भी पुलिस बिल्कुल लापरवाही नहीं दिखाती है। ऐसे सभी मामले जब कोर्ट में पेश होते हैं तो वहां भी पुलिस की तर्ज पर ही काम होता है।

खादी आश्रम की जमीन अब वापस लेगी सरकार: खन्ना

लखनऊ,(संवाददाता)। वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि खादी आश्रम की जमीन को सपा सरकार में कुछ लोगों को समझौते के तहत दिया गया था जिसे अब सरकार ने अपने पक्ष में अधिग्रहीत करने का मन बनाया है। मामले में लीगल ओपीनियन ली जा रही है जिन लोगों को जमीन दी गई। मामले में लीगल ओपीनियन ली जा रही है जिन लोगों को जमीन दी गई थी उन्होंने कॉलेज बनाने की बात की थी पर नहीं बनाया। अब सरकार अपने पक्ष में जमीन अधिग्रहीत करने के लिए काम कर रही है। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने मेरठ में गांधी आश्रम है और उसकी मात्र संस्था है जिसके पास प्रॉपर्टी है। जमीन पर कई लोग अतिक्रमण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जमीन पर लगातार कब्जे की कोशिश की जा रही है। जिसके विरोध में लोग कई साल से धरने पर बैठे हैं। इस मामले में जांच के बाद कार्रवाई नहीं हुई। जमीन हमारे पूर्वजों के खून-पसीने की है। इस पर चर्चा की जाए जिससे कि वस्तुस्थिति सामने आ सके। अतुल प्रधान ने भी कहा कि मामले में कई एफआईआर और जांच हुई लेकिन भूमाफियाओं ने कब्जा कर रखा है।

ब्रेस्ट में होने वाली 80% से अधिक गांठ होती हैं नॉन-कैंसरस, जानें क्या कहती है स्टडी?

आमतौर पर महिलाएं जब भी ब्रेस्ट में गांठ महसूस करती हैं तो सबसे पहले दिमाग में कैंसर का ख्याल आता है, जो स्वाभाविक भी है। मगर ध्यान देने वाली बात यह है कि सभी गांठ कैंसरस नहीं होते हैं। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं।

अक्सर महिलाओं को अपने ब्रेस्ट में कोई गांठ महसूस होती है, तो सबसे पहला ख्याल 'ब्रेस्ट कैंसर' का आता है। यह डर स्वाभाविक है, लेकिन एक स्टडी के मुताबिक ब्रेस्ट में पाई जाने वाली लगभग 80 से 85 प्रतिशत गांठें 'नॉन-कैंसरस' होती हैं।

इसका मतलब है कि हर गांठ कैंसर नहीं होती। शरीर की कोशिकाओं द्वारा बनाई गई किसी भी गांठ को तकनीकी रूप से 'ट्यूमर' कहा जा सकता है, लेकिन इनमें से अधिकांश केवल ऊतकों की असामान्य वृद्धि या तरल पदार्थ से भरी थैलियां होती हैं।

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक डरने के बजाय गांठ के लक्षणों को समझना और समय पर डॉक्टरी जांच कराना सबसे जरूरी है, क्योंकि शुरूआती पहचान ही सुरक्षा की सबसे बड़ी कुंजी है। इसलिए आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं और साथ ही ये भी जानेंगे कि कैंसरयुक्त गांठ की पहचान कैसे कर सकते हैं।

फाइब्रोसिस्टिक परिवर्तन और सिस्ट के कारण

ब्रेस्ट में गांठ होने का सबसे आम कारण 'फाइब्रोसिस्टिक परिवर्तन' है, जो लगभग 50-60% महिलाओं को प्रभावित करता है। यह कोई बीमारी नहीं, बल्कि हार्मोनल बदलावों के प्रति शरीर की एक प्रतिक्रिया है। इसमें ओव्यूलेशन के दौरान हार्मोन के उतार-चढ़ाव से छोटे-छोटे तरल पदार्थ से भरे सिस्ट या रेशेदार गांठें बन जाती हैं। ये गांठें अक्सर मासिक धर्म से पहले कोमल या दर्दनाक महसूस हो सकती हैं, लेकिन ये पूरी तरह से गैर-कैंसरकारी होती हैं।

युवा महिलाओं में आम समस्या

18 से 35 वर्ष की महिलाओं में 'फाइब्रोएडेनोमा' सबसे अधिक देखा जाता है। इन्हें 'ब्रेस्ट माउस' भी कहा जाता है क्योंकि ये छूने पर त्वचा के नीचे रबर की तरह इधर-उधर खिसकते हैं। ये ठोस गांठें ग्रंथियों और रेशेदार ऊतकों से बनी होती हैं। हालांकि ये दर्द रहित होती हैं, लेकिन इनका आकार कभी-कभी बढ़ सकता है। अच्छी बात यह है कि फाइब्रोएडेनोमा से कैंसर का खतरा न के बराबर होता है और ये बिना किसी बड़े उपचार के भी रह सकते हैं।

कैसे करें कैंसरयुक्त गांठ की पहचान

भले ही अधिकांश गांठें सुरक्षित हों, लेकिन कैंसरकारी गांठों को पहचानना जीवन रक्षक हो सकता है। कैंसरयुक्त गांठ आमतौर पर बहुत सख्त, स्थिर (एक जगह जमी हुई) और दर्द रहित होती है। इसके अलावा, यदि निप्पल के आकार में बदलाव, खून जैसा डिस्चार्ज, या त्वचा में डिंपल (गड्ढे) जैसे लक्षण दिखें, तो यह खतरे का संकेत हो सकता है। शोध बताते हैं कि 50% कैंसर की गांठें ब्रेस्ट के ऊपरी बाहरी हिस्से में पाई जाती हैं, जो बगल की तरफ होता है।

बायोप्सी और नियमित जांच की भूमिका

किसी भी गांठ की प्रकृति जानने का सबसे सटीक तरीका 'बायोप्सी' है। डॉक्टर अल्ट्रासाउंड या मैमोग्राम के बाद अक्सर बायोप्सी की सलाह देते हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कोशिकाएं घातक नहीं हैं। ध्यान रखें 80% बायोप्सी के परिणाम भी गांठ को 'बेनाइन' ही बताते हैं। घबराने के बजाय हर महीने 'सेल्फ-ब्रेस्ट एग्जाम' करें और किसी भी नए बदलाव पर तुरंत डॉक्टर से मिलें। आपकी जागरूकता ही किसी भी संभावित खतरे को टालने का सबसे सशक्त तरीका है।

अस्वीकरण: अमर उजाला की हेल्थ एवं फिटनेस कैटेगरी में प्रकाशित सभी लेख डॉक्टर, विशेषज्ञों व अकादमिक संस्थानों से बातचीत के आधार पर तैयार किए जाते हैं। लेख में उल्लेखित तथ्यों व सूचनाओं को अमर उजाला के पेशेवर पत्रकारों द्वारा जांचा व परखा गया है। इस लेख को तैयार करते समय सभी तरह के निदेर्शों का पालन किया गया है। संबंधित लेख पाठक की जानकारी व जागरूकता बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। अमर उजाला लेख में प्रदत्त जानकारी व सूचना को लेकर किसी तरह का दावा नहीं करता है और न ही जिम्मेदारी लेता है। उपरोक्त लेख में उल्लेखित संबंधित बीमारी के बारे में अधिक जानकारी के लिए अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

डेट नाइट के लिए ऐसे हों तैयार, ड्रेस से लेकर मेकअप भी हो खास

अगर आप भी वैलेंटाइन डे के मौके पर डेट नाइट के लिए तैयार होना चाहती हैं तो अपने लुक को खास बनाएं। यहां हम उसके लिए कुछ टिप्स देने जा रहे हैं।

अगर आप भी वैलेंटाइन डे के मौके पर डेट नाइट के लिए तैयार हो रही हैं, तो यहे समय है अपने लुक को खास और यादगार बनाने का। प्यार के इस खास दिन पर हर कोई चाहता है कि वह अपने पार्टनर के सामने सबसे अलग और आकर्षक दिखे।

चाहे आप कैंडल लाइट डिनर पर जा रही हों या किसी रूफटॉप कैफे में खास शाम बिताने वाली हों, आपका आउटफिट, मेकअप और कॉन्फिडेंस—तीनों का सही तालमेल आपके लुक को परफेक्ट बना सकता है। वैलेंटाइन डे सिर्फ प्यार जताने का दिन नहीं, बल्कि खुद को स्टाइलिश अंदाज में पेश करने का भी मौका है।

सही रंगों का चुनाव, हल्का लेकिन ग्लैमरस मेकअप और ट्रेंड के मुताबिक एक्सेसरीज आपके लुक में चार चांद लगा सकते हैं। ऐसे में अगर आप चाहती हैं कि आपकी डेट नाइट खास और यादगार बने, तो नीचे दिए गए टिप्स जरूर फॉलो करें।

मेकअप रखें सॉफ्ट और ग्लोइंग

डेट नाइट के लिए मेकअप ओवरड्रामेटिक नहीं बल्कि सॉफ्ट और नेचुरल ग्लो वाला होना चाहिए।

ड्यूई बेस मेकअप चुनें ताकि स्किन फ्रेश और हेल्दी लगे।

न्यूड, पीच या रोज पिंक लिपस्टिक रोमांटिक वाइब देती है।

हल्का स्मोकी आई लुक आपकी आंखों को आकर्षक बनाएगा।

हाईलाइटर से चीक्स और नोज ब्रिज को उभारें।

ध्यान रखें कि मेकअप लाइटिंग के हिसाब से करें।

अगर कैंडल लाइट डिनर है तो हल्का शिमर और ग्लोइंग फिनिश बेहतर रहेगा।

हेयरस्टाइल पर दें खास ध्यान

हेयरस्टाइल आपके लुक को पूरा करती है।

सॉफ्ट कर्ल्स आपको क्यूट और रोमांटिक लुक देंगे।

लो बन आपको एलिगेंट और बॉस लेडी वाइब देगा।

हाफ-टाई हेयरस्टाइल मॉडर्न और स्टाइलिश लगती है।

स्ट्रेट और ओपन हेयर सिंपल लेकिन क्लासी विकल्प है।

हेयरस्टाइल चुनते समय आउटफिट और फेस शेप का ध्यान जरूर रखें।

एक्सेसरीज रखें मिनिमल

डेट नाइट पर ओवर एक्सेसराइजिंग से बचें।

स्टड ईयररिंग्स, डेलिकेट नेकलेस, स्लिम ब्रेसलेट और एक क्लासी क्लच बैग आपके लुक को परफेक्ट बैलेंस देंगे।

याद रखें—ह्लछी२२२ टङ्म१ीह्ल ही डेट नाइट का गोल्डन रूल है।

कॉन्फिडेंस है सबसे बड़ा स्टाइल

सबसे अहम बात आपका आत्मविश्वास। अगर आप खुद को अच्छा महसूस करेंगी तो वही चमक आपके चेहरे पर नजर आएगी। एक प्यारी मुस्कान, पॉजिटिव बॉडी लैंग्वेज और सहज व्यवहार आपकी डेट को और भी खास बना देगा।

बिना सोचे-समझे कच्चा लहसुन खाते हैं तो हो जाएं सावधान, जानें इसके नुकसान

कच्चा लहसुन सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है, लेकिन हर किसी के लिए और हर स्थिति में इसका सेवन सुरक्षित नहीं होता। खासतौर पर खाली पेट कच्चा लहसुन खाना कई लोगों के लिए परेशानी का कारण बन सकता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, जरूरत से ज्यादा या गलत तरीके से लहसुन खाने से शरीर को नुकसान भी हो सकता है। खाली पेट कच्चा लहसुन खाने से हो सकती हैं ये समस्याएं।

पाचन से जुड़ी दिक्कतें

खाली पेट कच्चा लहसुन खाने से पाचन से जुड़ी कई दिक्कतें हो सकती हैं, जैसे गैस बनना, एसिडिटी, पेट दर्द, जलन और सूजन। लहसुन में मौजूद एलिसिन और फ्रक्टन्स पाचन तंत्र को उत्तेजित कर देते हैं, जिससे पेट में अम्लता बढ़ जाती है। खासतौर पर जिन लोगों का पेट संवेदनशील होता है या जिन्हें पहले से गैस, एसिड रिफ्लक्स या पाचन संबंधी समस्या रहती है, उनके लिए खाली पेट कच्चा लहसुन ज्यादा नुकसानदायक साबित हो सकता है।

मुंह और शरीर से तेज दुर्गंध

कच्चा लहसुन खाने के बाद मुंह और शरीर से तेज दुर्गंध आना एक आम समस्या है। ऐसा लहसुन में मौजूद सल्फर यौगिकों की वजह से होता है, जो शरीर में मेटाबॉलिज्म की प्रक्रिया के दौरान टूटकर सांसों और पसीने के जरिए बाहर निकलते हैं। यही कारण है कि लहसुन खाने के काफी समय बाद भी मुंह से बदबू और शरीर से तीखी गंध महसूस हो सकती है, जो कई लोगों के लिए असहज स्थिति पैदा कर देती है।

गंध कम करने के उपाय: कच्चा सेब, पुदीना, सौंफ या नींबू पानी का सेवन करें।

सीने में जलन और एसिड रिफ्लक्स

अगर किसी व्यक्ति को पहले से ही एसिडिटी या एसिड रिफ्लक्स की समस्या है, तो कच्चा लहसुन खाने से सीने में जलन की शिकायत बढ़ सकती है। दरअसल, कच्चा लहसुन पेट में एसिड के उत्पादन को बढ़ा देता है और पाचन तंत्र की ऊपरी मांसपेशियों को शिथिल कर सकता है, जिससे पेट का एसिड ऊपर की ओर आने लगता है। इसके कारण सीने में जलन, खट्टे डकार और गले में जलन जैसी परेशानियां महसूस हो सकती हैं, खासकर खाली पेट लहसुन का सेवन करने पर।

खून पतला होने का खतरा

कच्चा लहसुन प्राकृतिक रूप से खून को पतला करने का काम करता है, क्योंकि इसमें एंटी-प्लेटलेट गुण मौजूद होते हैं। यह ब्लड सकुर्लेशन को बेहतर बनाकर दिल की सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है, लेकिन इसकी अधिक मात्रा नुकसानदायक भी हो सकती है। ज्यादा कच्चा लहसुन खाने से या किसी सर्जरी से पहले इसका सेवन करने पर रक्तस्राव का खतरा बढ़ सकता है, क्योंकि खून का थक्का बनने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है। इसलिए सीमित मात्रा में ही कच्चा लहसुन खाना सुरक्षित माना जाता है।

एलर्जी की संभावना

कुछ लोगों में कच्चा लहसुन एलर्जी की वजह बन सकता है। इसका सेवन करने पर मुंह या गले में खुजली, सूजन, पेट खराब होना, दस्त या त्वचा पर पित्ती जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। यह शरीर की इम्यून सिस्टम की प्रतिक्रिया होती है, जो लहसुन के कुछ तत्वों को नुकसानदायक मान लेती है। हालांकि ऐसा बहुत कम मामलों में होता है, लेकिन गंभीर स्थिति में सांस लेने में दिक्कत जैसी समस्या भी हो सकती है, इसलिए ऐसे लक्षण दिखें तो तुरंत सावधान हो जाना चाहिए।

कितना लहसुन खाना है सुरक्षित?

रोजाना 1-2 कली कच्चा लहसुन सामान्य तौर पर सुरक्षित मानी जाती है।

इससे ज्यादा मात्रा या लंबे समय तक खाली पेट सेवन करने से बचें।

अगर कोई बीमारी, दवा या सर्जरी की तैयारी चल रही हो, तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

लहसुन औषधीय गुणों से भरपूर है, लेकिन हर चीज संतुलन में ही फायदेमंद होती है। बिना सोचे-समझे और खाली पेट कच्चा लहसुन खाना सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। बेहतर यही है कि इसे सही मात्रा और सही समय पर ही डाइट में शामिल किया जाए।

केले के छिलके फेंकने से पहले जान लें घर में इस्तेमाल करने के 10 स्मार्ट तरीके

केला खाने में स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद फल माना जाता है। यह शरीर को ऊर्जा देता है और कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जिस केले के छिलके को हम बेकार समझकर कचरे में फेंक देते हैं, वह भी काम का हो सकता है? अक्सर केले के छिलके हमारा ध्यान ही नहीं खींचते, जबकि सच्चाई यह है कि इनमें कई छिपे हुए गुण होते हैं। ये सिर्फ खाना पकाने में ही नहीं, बल्कि घर की सफाई, स्किन केयर और पौधों की देखभाल में भी बेहद उपयोगी साबित हो सकते हैं। इसलिए अगली बार केले का छिलका फेंकने से पहले, इसके 10 स्मार्ट घरेलू इस्तेमाल जरूर जान लें।

शाकाहारी ह्लपुल्ड पोर्कह्ल का विकल्प

केले के छिलकों की बनावट ऐसी होती है कि जब इन्हें अच्छी तरह साफ करके बारीक काटा जाता है और मसालों के साथ भून लिया जाता है, तो ये बिल्कुल शाकाहारी ह्लपुल्ड पोर्कह्ल जैसा रेशेदार टेक्सचर देने लगते हैं। इनका स्वाद मसालों और सॉस को बहुत अच्छे से सोख लेता है, जिससे टैकोस, सैंडविच या रैप्स में भरने पर यह डिश बेहद स्वादिष्ट और अनोखी लगती है।

फ्राई और करी में करें इस्तेमाल

केले के छिलकों को अच्छी तरह धोकर पतले-पतले टुकड़ों में काट लिया जाए तो इन्हें स्टिर-फ्राई या नारियल आधारित करी में आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है। भूनने पर ये नरम हो जाते हैं और लहसुन, अदरक, सोया सॉस या करी पेस्ट जैसे मसालों का स्वाद अच्छी तरह अपने अंदर सोख लेते हैं, जिससे सब्जी का स्वाद और टेक्सचर दोनों ही बेहतर हो जाते हैं।

स्मूदी और केले की ब्रेड में मिलाएं

स्मूदी या केले की ब्रेड बनाते समय यदि थोड़ी मात्रा में केले के छिलके मिला दिए जाएं, तो इससे फाइबर की मात्रा बढ़ जाती है और स्वाद पर भी कोई खास असर नहीं पड़ता। खासतौर पर भूरे या थोड़े पके हुए छिलके ज्यादा नरम होते हैं, जिन्हें ब्लेंडर आसानी से पीस लेता है और वे मिश्रण में अच्छी तरह घुल जाते हैं।

मांस को सूखने से बचाएं

स्लो कुकर में चिकन या पोर्क पकाते समय अगर उसमें एक या दो केले के छिलके डाल दिए जाएं, तो मांस सूखता नहीं है और उसकी नमी बनी रहती है। इससे मांस ज्यादा रसदार बनता है और उसमें हल्की-सी प्राकृतिक मिठास भी आ जाती है, जबकि केले का अलग स्वाद महसूस नहीं होता।

त्वचा को हाइड्रेट करें

केले के छिलके का अंदरूनी हिस्सा सीधे त्वचा पर हल्के हाथों से रगड़ने से त्वचा को प्राकृतिक नमी मिलती है। इसमें मौजूद पोटैशियम और पानी की मात्रा रूखी और बेजान त्वचा को राहत देने में मदद करती है, जिससे त्वचा ज्यादा मुलायम और फ्रेश महसूस होती है।

तनावग्रस्त त्वचा को शांत करें

केले के छिलकों में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट तनावग्रस्त और थकी हुई त्वचा को शांत करने में मदद करते हैं। इसके लिए छिलके के अंदरूनी हिस्से को चेहरे या प्रभावित हिस्से पर 5 से 10 मिनट तक लगाकर रखें और फिर ठंडे पानी से धो लें, इससे त्वचा को ठंडक और आराम महसूस होता है।

कूड़ेदान की दुर्गंध दूर करें

कूड़ेदान की बदबू से बचने के लिए कटे हुए केले के छिलकों को कूड़ेदान के नीचे या लाइनर के नीचे रख दिया जाए, तो ये दुर्गंध को सोखने में मदद करते हैं। इससे कूड़ेदान से आने वाली तेज बदबू कम होती है और आसपास का माहौल कुछ हद तक ताजा बना रहता है।

चांदी और स्टेनलेस स्टील चमकाएं

चांदी और स्टेनलेस स्टील की चीजों पर जमी मैल हटाने और उन्हें चमकाने के लिए केले के छिलके को थोड़ा पानी डालकर पीस लें और उसका पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को मुलायम कपड़े की मदद से सतह पर लगाकर हल्के हाथों से रगड़ें और फिर साफ कर लें, इससे बिना किसी केमिकल के प्राकृतिक चमक वापस आ जाती है।

जूते और फर्श के खरोंच हटाएं

जूते या लकड़ी के फर्श पर पड़े हल्के खरोंच के निशान हटाने के लिए केले के छिलके के अंदरूनी हिस्से को उस जगह पर हल्के हाथों से रगड़ें। इसके बाद एक साफ और मुलायम कपड़े से पोंछ लें, इससे खरोंच के निशान हल्के पड़ जाते हैं और सतह पर थोड़ी चमक भी आ जाती है।

पौधों के लिए प्राकृतिक खाद

पौधों के लिए प्राकृतिक खाद बनाने के लिए केले के छिलकों को कुछ दिनों तक पानी में भिगोकर रख दें और फिर उसी पानी से पौधों को सींचें। इस पानी में मौजूद पोटैशियम और फॉस्फोरस पौधों की जड़ों को पोषण देते हैं और उनकी ग्रोथ को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

केले के छिलके कचरा नहीं, बल्कि घर के कामों के लिए एक प्राकृतिक खजाना हैं। खाना पकाने से लेकर सफाई और स्किनकेयर तक, इनके इस्तेमाल से न सिर्फ पैसे बचते हैं बल्कि केमिकल्स से दूरी भी बनी रहती है। अब अगली बार केले का छिलका फेंकने से पहले सोचिए जरूर!

अभ्यर्थियों ने आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट भर्ती को लेकर मंत्री आवास घेरा

लखनऊ,(संवाददाता)। वर्ष 2024 की आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट भर्ती में हो रही देरी को लेकर बुधवार को बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने लखनऊ स्थित मंत्री डॉ. दया शंकर मिश्र दयालु के आवास का घेराव किया। अभ्यर्थियों ने शीघ्र सुनवाई और भर्ती प्रक्रिया के निस्तारण की मांग को लेकर नारेबाजी की। सरकार से ठोस पहल करने की अपील की। अभ्यर्थियों का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया कोर्ट केस के कारण अटकी हुई है और अब तक 51 तारीखें लग चुकी हैं। लगातार बढ़ती तारीखों से अभ्यर्थियों में भारी नाराजगी है। उनका आरोप है कि सरकारी पक्ष की ओर से प्रभावी पैरवी न होने के कारण मामला लंबित चल रहा है, जिससे नियुक्ति प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि लंबे समय से तैयारी कर रहे युवाओं का भविष्य अधर में लटक गया है। कई अभ्यर्थियों की आयु सीमा भी प्रभावित हो रही है, जिससे उनकी चिंता और बढ़ गई है। अभ्यर्थियों के मुताबिक, प्रदेश में आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट के लगभग 60 प्रतिशत पद खाली हैं। सरकार की ओर से 1002 पदों पर भर्ती निकाली गई थी, जबकि कुल स्वीकृत पद करीब 2100 हैं। इनमें से लगभग 1200 पद अब भी रिक्त पड़े हैं।

बहनों का आरोप- नकवी दे रहे धमकी, आसिम मुनीर भी रास्ते से हटाने की ताक में

कराची। इमरान खान की सेहत और सुरक्षा को लेकर विवाद गहरा गया है। बहनों ने आसिम मुनीर और मोहसिन नकवी पर साजिश व धमकी के आरोप लगाए। 14 पूर्व क्रिकेट कप्तानों ने बेहतर इलाज की मांग की, जबकि परिवार ने सरकारी मेडिकल रिपोर्ट खारिज कर निजी इलाज पर जोर दिया। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और देश को 1992 वनडे विश्वकप जिताने वाले पूर्व कप्तान इमरान खान इन दिनों चर्चा में हैं। दुनिया भर के 14 पूर्व क्रिकेट कप्तानों ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पत्र लिखकर जेल में बंद इमरान खान के जल्द से जल्द और बेहतर इलाज मुहैया कराने की मांग की थी। हालांकि, इस पर पाकिस्तान सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। यह पूरा मामला रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद इमरान खान की कथित मेडिकल इमरजेंसी के बीच सामने आया है। इसी कड़ी में इमरान खान की बहनों ने सनसनीखेज आरोप लगाते हुए कहा है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर और उनके लोग इमरान को जेल में मारने की साजिश रच रहे हैं। इमरान खान की बहने डॉ. उजमा खान और अलीमा खान ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दावा किया कि पाकिस्तानी सरकार और सैन्य नेतृत्व की ओर से इमरान खान को हिरासत में खत्म करने की साजिश रची जा रही। दोनों बहनों ने आसिम मुनीर के अलावा पाकिस्तान के गृह मंत्री और पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी का भी नाम लिया। 'इन्होंने मुझे मारने की योजना बना ली है' उजमा खान ने बताया कि

उन्होंने हाल ही में इमरान खान से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के दौरान इमरान ने उनसे साफ शब्दों में कहा, 'ये लोग मुझे मार देंगे। इन्होंने मुझे खत्म करने की योजना बना ली है।' बहनों ने मौजूदा सत्ता व्यवस्था को 'आसिम मुनीर शासन' करार देते हुए कहा कि उनके भाई की जान को गंभीर खतरा है। सेहत को लेकर बढ़ी चिंता अलीमा खान ने बताया कि इमरान खान की आंखों की सेहत तेजी से बिगड़ रही है और उन्हें अपने भरोसेमंद डॉक्टरों से मिलने नहीं दिया जा रहा। उन्होंने कहा कि उनके भाई को चिकित्सा सुविधा देने में लापरवाही बरती जा रही है। उनकी मेडिकल रिपोर्ट पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट में भी पेश की जा चुकी है, जिसमें एक आंख की दृष्टि में गंभीर कमी का जिक्र है। कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इमरान खान की दाहिनी आंख की 85 प्रतिशत रोशनी जा चुकी है। दिसंबर 2025 में उनके बेटे सुलेमान ने कहा था, 'वह एक बहुत छोटी कोठरी में हैं, जिसे डेथ सेल कहा जाता है।' इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। 2022 में सत्ता से हटाए जाने के बाद उन पर भ्रष्टाचार के कई मामले दर्ज हुए। दिसंबर 2025 में उन्हें 31 साल की सजा सुनाई गई। सरकारी मेडिकल टीम पर अविश्वास इमरान खान के परिवार ने सरकार द्वारा नियुक्त मेडिकल टीम की रिपोर्ट को सिरे से खारिज कर दिया है। परिवार की मांग है कि उनका इलाज उनके निजी डॉक्टर डॉ. आसिम और डॉ. फैसल से कराया जाए। अलीमा खान ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा, 'आप जेल में डॉक्टरों की एक टीम भेजकर हमसे उसकी रिपोर्ट स्वीकार करने को कहें, लेकिन ऐसा होगा नहीं।' परिवार ने स्पष्ट किया कि इमरान खान को इस्लामाबाद के शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में स्थानांतरित किया जाए, जहां उनका इलाज उनके अपने डॉक्टरों और परिवार की मौजूदगी में हो सके। परिवार को भी मिल रहीं धमकियां इमरान खान की बहनों ने यह भी आरोप लगाया कि सच बोलने के कारण उन्हें व्यक्तिगत रूप से निशाना बनाया जा रहा है। उजमा खान ने दावा किया कि मोहसिन नकवी हमारे परिवार को भी धमका रहे हैं। उजमा और आलीमा के इन आरोपों ने पाकिस्तान की राजनीति में नया भूचाल ला दिया है। फिलहाल सरकार या सैन्य नेतृत्व की ओर से इन दावों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं, इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने बुधवार को उनके स्वास्थ्य, खासकर आंखों की रोशनी को लेकर चिंता के बीच अपना विरोध तेज कर दिया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने पंजाब प्रांत और खैबर पख्तूनख्वा को जोड़ने वाले प्रमुख मार्ग को जाम कर दिया और इस्लामाबाद में संसद के पास धरना दिया। 14 पूर्व कप्तानों ने की थी यह मांग इससे पहले मंगलवार को 73 वर्षीय इमरान की बिगड़ती सेहत की खबरों के बीच दुनिया के 14 पूर्व अंतरराष्ट्रीय कप्तानों ने पाकिस्तान सरकार को एक संयुक्त पत्र लिखकर उन्हें तत्काल और उचित चिकित्सा सुविधा देने की मांग की है। हालांकि, आश्चर्य की बात तो यह है कि इस लिस्ट में एक भी पाकिस्तानी कप्तान नहीं है। इन 14 पूर्व कप्तानों में भारत के महान सुनील गावस्कर और कपिल देव भी शामिल हैं। किन-किन दिग्गजों ने किए हस्ताक्षर? इस पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में भारत के सुनील गावस्कर और कपिल देव के अलावा ग्रेग चैपल, बेलिंडा क्लार्क, माइकल एथरटन, नासिर हुसैन, इयान चैपल, एलन बॉर्डर, माइकल ब्रियरले, डेविड गावर, किम्ज, क्लाइव लॉयड, स्टीव वॉ और जॉन राइट शामिल हैं। गौर करने वाली बात यह है कि इस सूची में किसी भी पूर्व पाकिस्तानी कप्तान का नाम नहीं है। पत्र में क्या कहा गया? पत्र में पूर्व कप्तानों ने लिखा है, 'हम, अपने-अपने देशों की राष्ट्रीय क्रिकेट टीमों के पूर्व कप्तान, इमरान खान की हिरासत और उनके साथ हो रहे व्यवहार को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करते हैं। इमरान खान विश्व क्रिकेट के महानतम ऑलराउंडरों और कप्तान में से एक रहे हैं। उन्होंने 1992 विश्व कप में पाकिस्तान को ऐतिहासिक जीत दिलाई, जो खेल भावना और नेतृत्व का प्रतीक थी।' आगे कहा गया, 'हालिया रिपोर्टों में उनकी सेहत, खासकर दृष्टि कमजोर होने की खबरें बेहद चिंताजनक हैं। हम पाकिस्तान सरकार से आग्रह करते हैं कि उन्हें तत्काल, पर्याप्त और विशेषज्ञ चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराई जाए। साथ ही, हिरासत की स्थिति मानवीय और गरिमापूर्ण होनी चाहिए।' खेल से परे एक अपील पत्र के अंत में लिखा गया है, 'क्रिकेट हमेशा देशों के बीच एक ब्रिज (सेतु) का काम करता रहा है। प्रतिद्वंद्विता पिच तक सीमित रहती है, सम्मान हमेशा कायम रहता है। हम यह अपील खेल भावना और मानवीय मूल्यों के तहत कर रहे हैं, किसी कानूनी प्रक्रिया में हस्तक्षेप के उद्देश्य से नहीं।

अदिति हुंडिया से शादी करेंगे ईशान किशन? अटकलों पर मां सुचित्रा देवी का बयान

मुंबई। ईशान किशन ने टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ 77 रन की शानदार पारी खेलकर भारत को जीत दिलाई। उनके दादा के बयान से मॉडल अदिति हुंडिया संग शादी की अफवाहें उड़ीं, लेकिन मां सुचित्रा देवी ने इन खबरों को खारिज करते हुए कहा कि फिलहाल ईशान का ध्यान सिर्फ क्रिकेट पर है। टी20 विश्वकप 2026 में पाकिस्तान के खिलाफ तूफानी पारी खेलकर प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले ईशान किशन इन दिनों अलग वजह से चर्चा में हैं। वजह है उनके और अदिति हुंडिया के रिलेशनशिप की अटकलें। वैसे तो रूमर्स काफी पहले से चल रहे थे कि ईशान और अदिति रिलेशनशिप में हैं, लेकिन हाल फिलहाल में इस बात की पुष्टि हुई है। ऐसे में अब चर्चा इस बात की शुरू हो चुकी है कि क्यों दोनों शादी करेंगे। इन अटकलों पर अब ईशान किशन की मां सुचित्रा देवी का बयान आया है। ईशान ने 15 फरवरी को पाकिस्तान के खिलाफ शानदार प्रदर्शन कर सुर्खियां बटोरीं। बाएं हाथ के इस ओपनर ने 40 गेंदों पर 77 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर भारत को बड़ी जीत दिलाई। उनकी इस मैच जिताऊ पारी की बदौलत भारत ने 61 रन से मुकाबला अपने नाम किया। ईशान ने न सिर्फ बल्ले से कमाल दिखाया, बल्कि विकेट के पीछे भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने उस्मान खान को स्टंप आउट कर मैच का रुख पूरी तरह भारत की ओर मोड़ दिया। दादा के बयान से उड़ी शादी की अफवाह मैच के बाद जहां हर ओर उनकी बल्लेबाजी की चर्चा हो रही थी, वहीं उनके निजी जीवन को लेकर भी खबरें सामने आने लगीं। ईशान के दादा अनुराग पांडेय ने मॉडल अदिति हुंडिया के साथ उनके रिश्ते की पुष्टि कर दी। उन्होंने कहा, 'जो भी ईशान शादी के लिए चुनेगा, हमें पूरी तरह स्वीकार है। अदिति उसकी गर्लफ्रेंड है। वह एक मॉडल है। बच्चों की खुशी को स्वीकार करना चाहिए।' दादा के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर ईशान और अदिति की शादी की अटकलें तेज हो गईं।

विश्वकप में सुपर-8 की तस्वीर साफ कर देंगे आज के मुकाबले, भारत के अलावा पाकिस्तान के मैच पर भी नजर

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप में आज तीन अहम मुकाबले खेले जाएंगे। दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड पहले ही सुपर 8 में पहुंच चुके हैं, जबकि पाकिस्तान के लिए नामीबिया के खिलाफ मैच निर्णायक है। भारत भी नीदरलैंड से भिड़ेगा। आज के नतीजों से सुपर 8 की तस्वीर और स्पष्ट होगी। टी20 विश्वकप में आज ग्रुप ए की चार और ग्रुप डी की दो टीमें मैदान में उतरेंगी। दिन की शुरूआत ग्रुप डी के मुकाबले से होगी, जबकि शाम को मेजबान भारत का मैच खेला जाएगा। सुपर-आठ चरण की तस्वीर काफी हद तक साफ हो चुकी है, लेकिन कुछ टीमों के लिए आज का दिन निर्णायक साबित हो सकता है। पहला मुकाबला सुबह 11:00 बजे दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात के बीच खेला जाएगा। पाकिस्तान-नामीबिया मैच पर नजर दिन का दूसरा मुकाबला दोपहर 3:00 बजे कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में पाकिस्तान और नामीबिया के बीच खेला जाएगा। ग्रुप ए में पाकिस्तान ने तीन में से दो मुकाबले जीते हैं, जबकि उसे भारत के खिलाफ पिछले मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम अपने तीनों मैच जीतकर पहले ही सुपर 8 चरण में जगह बना चुकी है। पाकिस्तान के लिए यह मुकाबला बेहद अहम है। अगर वह यह मैच जीतता है तो ही उसकी दावेदारी मजबूत होगी। दूसरी ओर, नामीबिया की टीम अपने तीनों मैच हार चुकी है और टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है। हालांकि यदि नामीबिया कोई बड़ा उलटफेर करने में सफल रहता है, तो पाकिस्तान के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। इस मुकाबले में पाकिस्तान की हार यूएसए के लिए अगली स्टेज में जाने का दरवाजा खोल सकती है। यूएसए की टीम ग्रुप डी में चार में से दो मैच जीतने के बाद बेहतर रन रेट के आधार पर दूसरे नंबर पर विराजमान है। जबकि पाकिस्तान ने तीन में से दो मैच जीते हैं, लेकिन उनका नेट रन रेट माइनस में है।

बंगाल को हराकर जम्मू-कश्मीर पहली बार फाइनल में, शमी के 9 विकेट पर भारी पड़ी आकिब की घातक गेंदबाजी

कल्याणी। पहली पारी में आठ विकेट लेने वाले मोहम्मद शमी को दूसरी पारी में सिर्फ एक विकेट मिला। उनपर जम्मू-कश्मीर के आकिब नबी डार भारी पड़े। आकिब ने पहली पारी में पांच और दूसरी पारी में चार विकेट झटके। आकिब को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम ने इतिहास रच दिया है। सेमीफाइनल में बंगाल जैसी मजबूत टीम को छह विकेट से हराकर जम्मू-कश्मीर ने पहली बार रणजी ट्रॉफी के फाइनल में जगह बनाई है। कल्याणी के बंगाल क्रिकेट अकादमी ग्राउंड में खेले गए मुकाबले में जम्मू-कश्मीर को बंगाल के खिलाफ जीत के लिए 126 रन की जरूरत थी। आकिब की घातक गेंदबाजी जम्मू-कश्मीर ने चार विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। पहली पारी में आठ विकेट लेने वाले मोहम्मद शमी को दूसरी पारी में सिर्फ एक विकेट मिला। उनपर जम्मू-कश्मीर के आकिब नबी डार भारी पड़े। आकिब ने पहली पारी में पांच और दूसरी पारी में चार विकेट झटके। इसके अलावा आकिब नबी डार ने पहली पारी में महत्वपूर्ण 42 रन भी बनाए थे। मैच में क्या हुआ? मैच पर नजर डालें तो जम्मू-कश्मीर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। बंगाल की टीम ने सुदीप कुमार के 146, कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन के 49, शहबाज अहमद के 42 और सुमंता गुप्ता के 39 रन की बदौलत पहली पारी में 328 रन बनाए थे। जम्मू-कश्मीर के लिए पहली पारी में आकिब नबी डार ने पांच, सुनील कुमार ने तीन, जबकि युदवीर सिंह और आबिद मुश्ताक ने एक-एक विकेट लिए। जम्मू-कश्मीर की पहली पारी 302 रन पर सिमटी थी। अब्दुल समद ने सर्वाधिक 82 रन बनाए थे। कप्तान पारस डोगरा ने 58, और आकिब नबी डार ने 42 रन बनाए थे। युद्धवीर सिंह ने भी 22 रन की पारी खेली थी। बंगाल के लिए मोहम्मद शमी ने आठ और मुकेश कुमार ने दो विकेट लिए थे। पहली पारी में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ 26 रन की महत्वपूर्ण बढ़त लेने वाली बंगाल की टीम दूसरी पारी में महज 99 रन पर सिमट गई। जम्मू-कश्मीर के लिए आकिब नबी और सुनील कुमार ने चार-चार विकेट लिए, जबकि आबिद मुश्ताक ने दो विकेट लिए। जीत के लिए 126 रन के लक्ष्य को जम्मू-कश्मीर ने छह विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। वंशराज शर्मा 43 और अब्दुल समद 30 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों के बीच 55 रन की नाबाद साझेदारी हुई। मैच में नौ विकेट लेने के साथ 42 रन बनाने वाले जम्मू-कश्मीर के आकिब नबी प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

पाकिस्तान और नामीबिया के मैच पर बारिश का खतरा! मैच धुला तो क्या अमेरिका को मिलेगा सुपर-8 का टिकट

कोलंबो। पाकिस्तान और नामीबिया के बीच टी20 विश्व कप का मुकाबला सुपर-8 की दौड़ तय करेगा। यदि मैच बारिश से धुलता है, तो पाकिस्तान को फायदा हो जाएगा। कोलंबो में बारिश की 67% संभावना है, जिससे मुकाबले पर अनिश्चितता बनी हुई है। टी20 विश्व कप 2026 में भारत से 61 रन की हार के बाद पाकिस्तान का अभियान संकट में है। अब सलमान अली आगा की अगुआई वाली टीम नामीबिया के खिलाफ अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में उतरेगी।

समीकरण साफ है...अगर पाकिस्तान की टीम जीती तो सीधे सुपर-आठ राउंड में जाएगी, लेकिन अगर नामीबिया की टीम जीत गई, तो पाकिस्तान का अभियान वहीं समाप्त हो जाएगा। फिर अमेरिका सुपर-8 के लिए क्वालिफाई करेगा। हालांकि, इस मैच का एक तीसरा समीकरण भी बन रहा है और वह है बारिश। अगर बारिश ने मैच धुला दिया तो तस्वीर क्या होगी? आइए जानते हैं अगर मैच बारिश से धुल गया तो क्या होगा? अगर पाकिस्तान बनाम नामीबिया मुकाबला बारिश की वजह से रद हो जाता है, तो दोनों टीमों को एक-एक अंक मिलेगा। ऐसे में पाकिस्तान के कुल पांच अंक हो जाएंगे और वह अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुंचकर सुपर-8 में जगह बना लेगा। इस स्थिति में अमेरिका, नीदरलैंड और नामीबिया टूर्नामेंट से बाहर हो जाएंगे। यानी अमेरिका के आगे बढ़ने की एकमात्र शर्त यह है कि पाकिस्तान नामीबिया से हार जाए। कोलंबो का मौसम पूर्वानुमान मुकाबला कोलंबो में खेला जाना है और मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को आसमान में बादल छाए रहने और गरज के साथ बारिश की संभावना है। एक्यूवेदर के मुताबिक, दिन में बारिश की 67 प्रतिशत संभावना है, जबकि रात में यह घटकर 55 प्रतिशत रह सकती है। बारिश के कारण मैच में रुकावट या देरी से शुरूआत की आशंका है। हालांकि प्रशंसक अभी भी पूरे 20-20 ओवर का मुकाबला देखने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। पाकिस्तान पर दबाव दोगुना भारत से मिली हार के बाद पाकिस्तान पर पहले ही दबाव है। अब मौसम की अनिश्चितता ने स्थिति और पेचीदा बना दी है। अगर मुकाबला पूरा होता है तो यह पाकिस्तान के लिए करो या मरो जैसा होगा। लेकिन यदि बारिश ने खेल बिगाड़ दिया, तो कुदरत का निजाम पाकिस्तान के पाले में आ सकता है।

दो तेज गेंदबाजों के साथ उतर सकता है भारत, कुलदीप की जगह खतरे में? क्या होंगे बड़े बदलाव

अहमदाबाद। भारतीय टीम सुपर आठ चरण से पहले नीदरलैंड के खिलाफ बेंच स्ट्रेंथ को परखना चाहेगी। भारतीय बल्लेबाजी क्रम में बदलाव की उम्मीद नहीं है, लेकिन माना जा रहा है कि गेंदबाजी संयोजन में परिवर्तन देखने मिल सकते हैं। लगातार तीन मैच जीतकर ग्रुप ए में शीर्ष पर मौजूद भारतीय टीम का सामना अब

बुधवार को नीदरलैंड से होगा। भारत पहले ही सुपर आठ में जगह बना चुका है, इसलिए उसके पास अगले दौर से पहले अपनी कमियों में सुधार लाने का यह अच्छा अवसर होगा। पाकिस्तान के खिलाफ कोलंबो में खेले गए पिछले मैच में टीम ने तीन स्पिनरों को प्लेइंग-11 में मौका दिया था, लेकिन अब मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में है। ऐसे में टीम फिर से दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों के साथ उतर सकती है। क्रिकेट न्यूज अभिषेक को फॉर्म में करनी होगी वापसी अपनी पिछली दो पारियों में खाता खोलने में नाकाम रहे सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा नीदरलैंड के खिलाफ बड़ी पारी खेलने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। अभिषेक शर्मा ने पिछले 18 महीने में खुद को इस प्रारूप का खतरनाक खिलाड़ी साबित किया है लेकिन घरेलू मैदान पर खेली जा रही आईसीसी प्रतियोगिता में वह अभी तक अपना जलवा नहीं दिखा पाए हैं। अमेरिका के खिलाफ पहले मैच में शून्य पर आउट होने के बाद वह पेट के संक्रमण के कारण नामीबिया के खिलाफ दूसरे मैच में नहीं खेल पाए थे। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में वापसी की लेकिन खाता खोलने में नाकाम रहे। ईशान पर रहेगी नजर दूसरे छोर पर ईशान किशन की शानदार फॉर्म के कारण अभिषेक के बल्ले से रनों की कमी का टीम की स्थिति पर कोई असर नहीं पड़ा है। अभिषेक की आक्रामक बल्लेबाज की छवि को देखते हुए यह स्पष्ट है कि विरोधी टीमों ने भारत के इस सलामी बल्लेबाज का सामना करने के लिए अतिरिक्त तैयारी की है। लेकिन जिस तरह ईशान ने पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन किया, उसे देखते हुए उनसे एक बार फिर बड़ी पारी देखने की उम्मीद होगी। बल्लेबाजी क्रम में बदलाव की संभावना नहीं नीदरलैंड के खिलाफ भारत के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव की संभावना नहीं है। हालांकि, भारतीय बल्लेबाजों का प्रदर्शन अब तक बहुत ज्यादा अच्छा नहीं रहा है और स्पिनरों के खिलाफ भी बल्लेबाज संघर्ष करते दिखे हैं। नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ने अपनी राउंड आर्म और बिहाइंड द स्टंप्स गेंदबाजी से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया जबकि पाकिस्तान के खिलाफ मैच में एक अन्य अपरंपरागत स्पिनर उस्मान तारिक ने भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर नहीं खेलने दिया। यहां तक कि सईम अयूब भी भारतीयों के खिलाफ प्रभावी साबित हुए थे। नीदरलैंड के गेंदबाजी आक्रमण में बहुत अच्छे स्पिनर नहीं हैं और ऐसे में भारतीय बल्लेबाजों को उनको खेलने में किसी तरह की दिक्कत नहीं आनी चाहिए। बुमराह को मिलेगा आराम? गेंदबाजी के मोर्चे पर भारत के पास सुपर आठ से पहले कुछ गेंदबाजों को आराम देने का विकल्प है, जिसमें तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी शामिल हैं। कोलंबो में अतिरिक्त स्पिन विकल्प के रूप में अर्शदीप सिंह के स्थान पर कुलदीप यादव को चुनने के बाद उम्मीद है कि भारत फिर से दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों के संयोजन पर वापस लौटेगा। अगर बुमराह को आराम दिया जाता है तो मोहम्मद सिराज और अर्शदीप के अंतिम एकादश में शामिल होने की संभावना है। हालांकि, बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा कि उन्हें नहीं लगता बुमराह को आराम मिलेगा। वहीं, स्पिन विभाग की जिम्मेदारी वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल संभाल सकते हैं और कुलदीप को बाहर बैठना पड़ सकता है। इस मैच के लिए दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग-11: भारतः ईशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रिंकू सिंह, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती। नीदरलैंडः माइकल लेविट, मैक्स ओ डौड, बास डि लीडे, कॉलिन एकरमैन, स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान और विकेटकीपर), जैक लियोन कैचेट, लोगान वान बीक, आर्यन दत्त, रोएलोफ वान डेर मेरवे, काइल क्लेइन, फ्रेड क्लासेन।

क्या पाकिस्तान टीम से शाहीन और बाबर का पत्ता कटेगा नामीबिया से हारे तो कराची वापसी तय

कोलंबो। नामीबिया के खिलाफ करो या मरो मैच से पहले पाकिस्तान टीम में बड़े बदलाव संभव हैं। शाहीन अफरीदी की फिटनेस और फॉर्म सवालों में है, जबकि बाबर आजम की बल्लेबाजी क्रम बदलने पर विचार हो रहा है। भारत से हार के बाद पीसीबी चेयरमैन ने सख्त रुख अपनाया है। पाकिस्तान बुधवार को कोलंबो में नामीबिया के खिलाफ करो या मरो का मैच खेलेगा। आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्डकप 2026 के 35वें मुकाबले में पाकिस्तान प्लेइंग इलेवन में बदलाव के साथ उतर सकता है। ग्रुप-ए की अंक तालिका में पाकिस्तान तीन में से दो मैच जीतकर तीसरे स्थान पर है। भारत इस ग्रुप से सुपर-8 के लिए क्वालिफाई कर चुका है। ऐसे में यूएसए, पाकिस्तान और नीदरलैंड फिलहाल सुपर-8 में पहुंचने की रेस में बने हुए हैं। पाकिस्तान और नामीबिया के मैच पर बारिश का खतरा! मैच धुला तो क्या अमेरिका को मिलेगा सुपर-8 का टिकट? टीम में बदलाव के संकेत टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार को एसएससी ग्राउंड पर टीम की प्रैक्टिस के दौरान पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा और हेड कोच माइक हेसन के बीच लंबी बातचीत हुई। सूत्रों ने टेलीकॉमएशियाडॉटनेट को बताया, 'साफतौर पर बातचीत दो मुख्य और अनुभवी खिलाड़ियों, शाहीन शाह अफरीदी और बाबर आजम के बाहर होने की संभावना के साथ संभावित बदलावों के इर्द-गिर्द थी।' शाहीन अफरीदी फिटनेस और फॉर्म से जूझ रहे हैं, उन्होंने तीन मुकाबलों के सिर्फ नौ ओवरों में 101 रन दिए हैं। अफरीदी ने भारत के खिलाफ दो ओवरों में 31 रन लुटाए थे। शाहीन की फिटनेस और फॉर्म चिंता का विषय सूत्रों ने टेलीकॉमएशियाडॉटनेट को बताया,

'सबसे अच्छा तरीका है कि शाहीन को फिटनेस के आधार पर ड्रॉप कर दिया जाए, क्योंकि वह भारत के खिलाफ मैच के दौरान लगातार अपने बाएं घुटने की कैप को ठीक कर रहे थे, उन्हें प्रैक्टिस के दौरान लंगड़ाते हुए देखा गया था। जहां तक बाबर की बात है, मैनेजमेंट उन्हें चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने के बजाय पारी की शुरूआत करने के लिए प्रमोट करने पर विचार कर रहा था।' 15 फरवरी को कोलंबो में भारतीय टीम को 175/7 के स्कोर पर रोकने के बाद पाकिस्तानी टीम 18 ओवरों में महज 114 रन पर सिमट गई थी। सूत्रों ने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी भी टीम की 61 रन की बड़ी हार से नाराज थे और छठा विकेट गिरने के बाद प्रेमदासा स्टेडियम से चले गए थे। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया, 'नकवी ने बांग्लादेश के टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर होने के विरोध में मैच का बॉयकॉट करने पर कड़ा रुख अपनाया और भारतीय मीडिया से उनकी काफी आलोचना हुई। वह भारत के खिलाफ हार से परेशान थे। नकवी भारत-पाकिस्तान मैच के बाद हेसन और टीम मैनेजर नवीद चीमा से मिले और उन्हें निर्देश दिया कि जो भी खिलाड़ी खराब प्रदर्शन कर रहा हो, उसे हटा दें। वह चाहते थे कि टीम बेहतर और लड़ने की भावना के साथ खेले।' नामीबिया की संभावित प्लेइंग-11: जान फ्राइलिंक, लौरेन स्टीनकैंप, जान निकोल लॉफ्टी-ईटन, गेरार्ड इरैसमस (कप्तान), जे जे स्मिट, जेन ग्रीन (विकेटकीपर), डायलन लाइकर, रूबेन ट्रम्पेलमैन, विलेम मिबर्ग, बर्नार्ड शोल्ट्ज, मैक्स हेंगो।

पाकिस्तान की पारी शुरू, साहिबजादा और अयूब क्रीज पर

कोलंबो। टी20 विश्व कप 2026 का 35वां ग्रुप मुकाबला आज पाकिस्तान और नामीबिया के बीच कोलंबो में खेला जा रहा है। इस मैच में पाकिस्तान की टीम जीत हासिल कर सुपर-8 में पहुंचना चाहेगी। पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। टी20 विश्व कप 2026 का 35वां ग्रुप मुकाबला आज पाकिस्तान और नामीबिया के बीच कोलंबो में खेला जा रहा है। इस मैच में पाकिस्तान की टीम जीत हासिल कर सुपर-8 में पहुंचना चाहेगी। पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। पाकिस्तानः साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, सलमान आगा (कप्तान), बाबर आजम, उस्मान खान (विकेटकीपर), ख्वाजा नफे, शादाब खान, मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, सलमान मिर्जा, उस्मान तारिक। नामीबियाः लॉरेन स्टीनकैंप, जान फ्रिलिंक, यान निकोल लॉफ्टी-ईटन, गेरहार्ड इरास्मस (कप्तान), अलेक्जेंडर वोल्शेंक, जेजे स्मिट, जेन ग्रीन (विकेट कीपर), रूबेन ट्रम्पेलमैन, विलेम मायबर्ग, बर्नार्ड शोल्ट्ज, जैक ब्रासेल।

पांडुलिपियों, दुर्लभ ग्रंथों को सहेजकर डिजिटल रूप देगी योगी सरकार

लखनऊ,(संवाददाता)। वर्तमान और भावी पीढ़ियां विरासत पर गर्व की अनुभूति कर सकें, इसके लिए केंद्र और प्रदेश सरकार ने हमेशा प्रतिबद्धता जताई है। भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा और बौद्धिक विरासत को पुनर्जीवित करने के महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय अभियान ज्ञान भारतम मिशन में प्रदेश की योगी सरकार ने बड़ी पहल की है। पांडुलिपियों और दुर्लभ ग्रंथों को सहेजकर विश्व पटल पर डिजिटल रूप देने के लिए प्रदेश सरकार ने सभी जिलों में जिला स्तर पर पांडुलिपियों को चिन्हित व संग्रहीत करने के आदेश जारी किए हैं। पर्यवेक्षण के लिए हर जिले में सीडीओ को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। विरासत के संरक्षण के लिए चलाए जा रहे ज्ञान भारतम मिशन के अंतर्गत हर जिले में उपलब्ध भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ी पांडुलिपियों एवं दुर्लभ ग्रंथों का वैज्ञानिक संरक्षण, डिजिटलीकरण और अभिलेखीकरण किया जा रहा है ताकि यह धरोहर शोधार्थियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों के लिए सुलभ हो सके। उत्तर प्रदेश के लिए यह अभियान और भी विशेष है क्योंकि उत्तर प्रदेश को प्राचीन ज्ञान दर्शन, साहित्य और संस्कृति की भूमि माना जाता है।

सलमान खान ने हिट फिल्मों में क्रेडिट मिलने पर कही बड़ी बात, कहा- करण अर्जुन और तेरे नाम में नहीं की मेहनत

सलमान खान ने अपने करियर में कई सुपरहिट फिल्में की हैं, लेकिन उनका कहना है कि इनमें से कुछ फिल्मों में उन्होंने ज्यादा मेहनत नहीं की। जानिए सलमान क्यों मानते हैं ऐसा

फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर ऐसा देखा जाता है कि कलाकारों के बीच फिल्मों के श्रेय लेने की होड़ मची रहती है। कभी पोस्टर पर नाम को लेकर बहस होती है, तो कभी इंटरव्यू में अपनी मेहनत गिनाई जाती है। सफलता मिलने पर ज्यादातर सितारे यह बताने की कोशिश में लग जाते हैं कि फिल्म उन्हीं के दम पर चली। लेकिन सलमान खान इस भीड़ से थोड़े अलग हैं। वे हिट फिल्मों में अपनी भूमिका को कम आंकते नजर आते हैं। ऐसे ही उनका एक पुराना इंटरव्यू सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। लहरें टीवी को दिए एक इंटरव्यू में सलमान खान ने कहा कि

कुछ फिल्मों में उन्होंने बहुत ज्यादा मेहनत नहीं की, फिर भी फैंस ने उनकी काफी तारीफ की और उनके रोल को एवरग्रीन बनाया।

करण अर्जुन में नहीं की ज्यादा मेहनत

अपनी बातों को क्लियर करने के लिए उन्होंने अपनी सबसे हिट फिल्मों में से कुछ का उदाहरण दिया। जैसे करण अर्जुन और तेरे नाम। सलमान ने करण अर्जुन की बात करते हुए कहा, इस फिल्म में मैंने कोई ज्यादा मेहनत नहीं की थी। फिल्म में बाकी कलाकारों, निर्देशक और पूरी टीम ने जमकर काम किया, लेकिन जब फिल्म सुपरहिट हुई तो सारा क्रेडिट मुझे ही मिलने लगा। बता दें, 'करण अर्जुन' का निर्देशन राकेश रोशन ने किया था।

'तेरे नाम' फिल्म का भी दिया उदाहरण

इसी तरह सलमान खान ने 'तेरे नाम' फिल्म की बात करते हुए कहा, इस फिल्म में भी मेरा रोल बहुत साधारण था। न तो डायलॉग्स बहुत ज्यादा थे और न ही एक्टिंग में कोई बड़ा एक्सपेरिमेंट था। इसमें मेरा पहला लुक बैंग्स हेयरकट वाला था और दूसरे लुक में बाल ही नहीं थे। फिल्म में मेरे पास गिनती के ही डायलॉग थे। इसके बावजूद यह फिल्म लोगों के दिलों में बस गई और आज भी उनकी यादगार फिल्मों में गिनी जाती है।

सलमान खान ने तेरे नाम की सफलता का पूरा श्रेय फिल्म की कहानी, निर्देशन, स्क्रीनप्ले और लेखन को दिया। बता दें कि 'करण अर्जुन' फिल्म 13 जनवरी 1995 को रिलीज हुई थी और 'तेरे नाम' ने 15 अगस्त 2003 को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी।

बैटल ऑफ गलवां में नजर आएंगे सलमान

अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित बैटल ऑफ गलवां 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में सलमान खान के साथ चित्रांगदा सिंह प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। यह फिल्म साल 2020 में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच गलवान घाटी में हुई झड़प पर आधारित बताई जा रही है। जहां भारतीय सैनिकों ने बिना किसी हथियार के चीनी सैनिकों का डटकर सामना किया था।

वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन के बाद अलीबाग के लिए रवाना अनुष्का शर्मा और विराट

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली हाल ही में वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज से मिलने पहुंचे। इसके बाद दोनों आज 18 फरवरी को अलीबाग के लिए रवाना हो गए हैं। कपल का गेटवे ऑफ इंडिया पहुंचने का एक वीडियो सामने आया है।

क्रिकेटर विराट कोहली और अभिनेत्री अनुष्का शर्मा अक्सर वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन के लिए आते हैं। कल मंगलवार 17 फरवरी को इस चर्चित जोड़ी को प्रेमानंद महाराज के आश्रम में देखा गया। दोनों ने वहां आम श्रद्धालुओं की तरह जमीन पर बैठकर सत्संग सुना। आज बुधवार 18 फरवरी को अनुष्का और विराट अलीबाग के लिए रवाना हो गए हैं।

अलीबाग फार्महाउस रवाना 'विरुष्का'

मंगलवार को अनुष्का शर्मा और विराट कोहली को संत प्रेमानंद जी महाराज के वृंदावन स्थित आश्रम में देखा गया था। वहीं, आज इस जोड़ी को उनके अलीबाग फार्महाउस की ओर जाते हुए देखा गया। मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया पर दोनों को स्पॉट किया गया। इनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

कूल लुक में नजर आए कपल

अनुष्का ब्लैक ट्राउजर, व्हाइट शर्ट और ग्रीन स्वेटर में नजर आईं। वहीं, विराट कोहली ओवरशर्ट के साथ टी-शर्ट पहने दिखे। अनुष्का और विराट जब गुजरे तो उनकी एक झलक के लिए फैंस की भीड़ जुट गई।

मैं बिग बॉस के इतिहास का सबसे महंगा कंटेस्टेंट, करण कुंद्रा का बड़ा दावा; बोले- वो मेरा सबसे बड़ा पे चेक है

करण कुंद्रा ने बिग बॉस 15 को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने खुद को बिग बॉस के इतिहास का सबसे महंगा प्रतिभागी बताया है। जानिए करण ने बिग बॉस को लेकर क्या कुछ कहा

करण कुंद्रा टीवी इंडस्ट्री का जाना-पहचाना नाम हैं। वो काफी लंबे वक्त से इस इंडस्ट्री में बने हुए हैं। मौजूदा वक्त में करण रियलिटी शो लॉफ्टर शेफ के तीसरे सीजन में नजर आ रहे हैं। इस शो में उनकी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड तेजस्वी प्रकाश भी हैं। वहीं करण और तेजस्वी के इस साल शादी करने की भी चचाएं हैं। इस बीच अब करण कुंद्रा ने खुलासा किया कि वो बिग बॉस 15 के सबसे महंगे कंटेस्टेंट थे। तब तक बिग बॉस के इतिहास में किसी ने भी उतनी फीस नहीं ली थी।

करण ने मांगी थी मोटी रकम

हाल ही में एल्विश यादव के साथ एक पॉडकास्ट में बिग बॉस 15 के कंटेस्टेंट रहे करण कुंद्रा ने शो की अपनी फीस के बारे में बात की। इसी दौरान उन्होंने ये दावा किया कि उन्होंने इतनी फीस मांगकर इतिहास रच दिया है, जितनी किसी भी प्रतियोगी ने पहले कभी नहीं मांगी थी।

जब उनसे उनके अब तक के सबसे बड़े चेक के बारे में पूछा गया, तो करण ने खुलासा करते हुए कहा, मेरा सबसे बड़ा पे चेक जो था वो बिग बॉस का ही था। हमने इतिहास उखाड़ दिया था। सही समय पर सही जगह पर रहना वाली स्थिति होगी। 4-5 साल से वो बात तो कर ही रहे थे और उस समय हमारा कोविड खत्म हुआ था।

उस समय इतिहास के सबसे महंगे कंटेस्टेंट थे करण

करण ने आगे बताया कि बाद में बिग बॉस वालों ने मुझसे कहा कि जितना तूने मंगा है वो इतिहास में किसी प्रतियोगी ने नहीं मांगा। क्योंकि उस समय के आसपास, मैं कैमरे के पीछे भी था और सह-निमार्ता के रूप में भी काम किया था, इसलिए मुझे पता था कि कितना मांगना है। हालांकि, ये सिर्फ करण कुंद्रा की ओर से किया गया दावा है।

बिग बॉस 15 से ही शुरू हुई करण और तेजस्वी की लव स्टोरी

बिग बॉस सीजन 15 में करण कुंद्रा के अलावा शमिता शेट्टी, तेजस्वी प्रकाश, जय भानुशाली जैसे कई टीवी कलाकार और प्रतीक सहजपाल जैसे रियलिटी शो स्टार शामिल थे। शो में तेजस्वी और करण को प्यार हो गया था। तबसे उनकी लव स्टोरी अभी भी चल रही है। बिग बॉस 15 की ट्रॉफी भी तेजस्वी प्रकाश ने ही जीती थी। तब से करण और तेजस्वी एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं और साथ रह रहे हैं। अब ऐसी चचाएं हैं कि ये कपल इस साल शादी के बंधन में भी बंध जाएगा।

तुम्बाड 2 में इंटरनेशनल धमाका, हॉलीवुड के क्रिएटर्स की एंट्री से बदलेगा भारतीय हॉरर सिनेमा का चेहरा

तुम्बाड 2 अपने क्रिएटिव लेवल को और भी बड़ा बनाने जा रही है, क्योंकि इस मच-अवेइटेड सीक्वल से अब बड़े इंटरनेशनल टैलेंट जुड़ रहे हैं। प्रोजेक्ट से जुड़े एक सोर्स के मुताबिक, लॉस एंजिल्स के मशहूर कॉन्सेप्ट आर्टिस्ट और क्रिएचर डिजाइनर साइमन ली (जिन्हें स्पाइडरजीरो के नाम से भी जाना जाता है) और जाने-माने प्रोस्थेटिक डिजाइनर शॉन हैरिसन इस फिल्म का हिस्सा बन गए हैं। घ्दुनिया भर में क्रिएचर डिजाइन और वर्ल्ड-बिल्डिंग के लिए मशहूर साइमन ली गॉडजिला वर्सेस कॉन्ग, गॉडजिला किंग ऑफ द मॉन्स्टर्स, कॉन्ग स्कल आइलैंड, पैसिफिक रिम, एज ऑफ टुमारो, स्टार ट्रेक बियॉन्ड, मेलिफिसेंट और अमेजन की सीरीज द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स द रिंग्स ऑफ पावर जैसे बड़े इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स से जुड़े रहे हैं। उनकी खासियत पौराणिक दुनिया और आंखों को चौंधिया देने वाले डरावने जीव तैयार करने में है और यही वो चीजें हैं जो तुम्बाड की दुनिया की जान हैं। शॉन हैरिसन इस प्रोजेक्ट से प्रोस्थेटिक डिजाइनर के तौर पर जुड़े हैं और वह अपने साथ दुनिया भर का बड़ा अनुभव लेकर आए हैं। उन्होंने स्टार वार्स, द ममी, वर्ल्ड वॉर जेड, एवेंजर्स एज ऑफ अल्ट्रॉन और हैरी पॉटर की सभी फिल्मों के साथ-साथ पीकी ब्लाइंडर्स जैसी टीवी सीरीज में भी काम किया है। उनके आने से फिल्म के किरदारों और उनके लुक्स में और भी बारीकी और असलियत देखने को मिलेगी। घ्इस सीक्वल को एक्टर-प्रोड्यूसर सोहम शाह अपने बैनर सोहम शाह फिल्म्स के तहत बना रहे हैं, और दिग्गज प्रोड्यूसर डॉ. जयंतीलाल गडा की पेन स्टूडियोज इसे पेश कर रही है। आरआरआर और गंगूबाई काठियावाड़ी जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाले पेन स्टूडियोज के इस फिल्म से जुड़ने के बाद, मेकर्स अब इसे पहले से भी कहीं ज्यादा बड़े और भव्य विजुअल स्केल पर बनाने की तैयारी में हैं।ह्लतुम्बाड की कहानी जिस तरह पौराणिक कथाओं और माहौल पर आधारित है, उसे देखते हुए इसके सीक्वल के लिए एक गहरी और बड़ी विजुअल भाषा की जरूरत है। हमारा विचार अपनी जड़ों से जुड़ी कहानी को दुनिया भर के बेहतरीन क्रीचर डिजाइन और प्रोस्थेटिक काम के साथ जोड़ने का है।

सलीम खान को हुआ था ब्रेन हैमरेज, डॉक्टर्स ने मेडिकल बुलेटिन जारी कर दिया अपडेट, बताया कब होंगे डिस्चार्ज

सलमान खान के पिता सलीम खान बीते मंगलवार को मुंबई के लीलावती अस्पताल में आईसीयू में भर्ती हुए थे। उनकी बिगड़ी तबीयत की खबर सामने आते ही उनके चाहने वाले चिंतित हो उठे थे और कई सेलेब्स और उनका परिवार हाल जानने अस्पताल पहुंचे थे। परिवार ने अभी तक सलीम खान की हेल्थ को लेकर कोई अपडेट नहीं दिया है। इसी बीच बुधवार को लीलावती अस्पताल ने दिग्गज स्क्रीन राइटर ने मेडिकल बुलेटिन जारी कर उनका हेल्थ अपडेट दिया। साथ ही उनके अस्पताल से डिस्चार्ज होने की जानकारी भी दी। लीलावती अस्पताल के डॉक्टरों ने सलीम खान का मेडिकल बुलेटिन जारी कर बाताया कि सलीम खान ठीक है और उन्हें वेंटिलेटर से कल हटाया जाएगा। उनकी रिकवरी में टाइम लगेगा। सलीम खान का इलाज कर रहे डॉक्टर जलील पारकर ने बताया कि उनको मिनिमियल ब्रेन हैमरेज हुआ था ,जिसमें सर्जरी की जरूरत नहीं होती है। उनके एमआईआर, सीटी स्कैन और बल्ड टेस्ट किए गए हैं। साथ ही ये भी बताया कि उनकी डिजिटल सबट्रैक्शन

एंजियोग्राफी की गई है। डॉक्टर जलील पारकर ने बताया कि डॉ. विनय चव्हाण (न्यूरोलॉजिस्ट), डॉ. अजीत मेनन (कार्डियोलॉजिस्ट) और डॉ. नितिन डांगे (न्यूरोसर्जन) और डॉ. बिनीत अहलूवालिया की टीम सलीम खान का इलाज कर रही है।

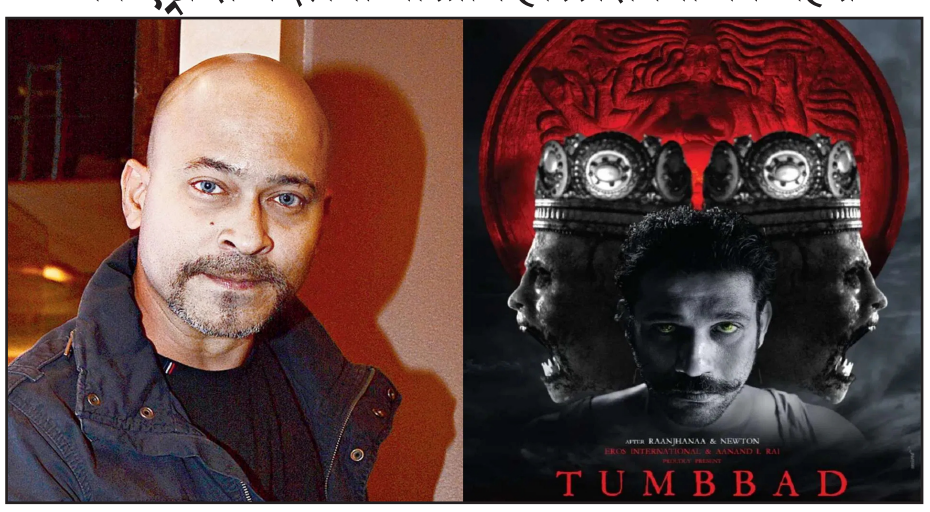

एक शर्त पर गोविंदा को माफ करने को तैयार हैं पत्नी सुनीता आहूजा, कहा-अगर वो सुधर जाए और हमारे हिसाब से

एक्टर गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा पिछले काफी समय से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। वह कई बार अपने पति के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर पर बात करती नजर आई हैं। हालांकि, एक्टर कई बार

इन आरोपों पर अपनी सफाई दे चुके हैं। वहीं, अब हाल ही में फिर सुनीता अपने पति की वजह से सुर्खियां बटोर रही हैं। दरअसल, हाल ही में उन्होंने एक व्लॉग में कुछ पत्रकारों को बुलाया और उनसे बातचीत की। इस बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि वह गोविंदा को माफ करने के लिए तैयार हैं।सुनीता आहूजा ने कहा- आपको शायद पता ना हो, गोविंदा मेरे बचपन का प्यार हैं। अगर वो सुधर जाए और हमारे हिसाब से रहे तो मैं माफ कर दूंगी उसे। मुझे ये सब जो न्यूज में आ रहा है, नहीं सुनना है। उन्होंने आगे कहा, ह्लयह सब झेलने की उम्र नहीं है। मैं मेनोपॉज से गुजर रही हूं। इस समय हर महिला को अपने पति और बच्चों के सहयोग की जरूरत होती है क्योंकि हमारा मन अस्थिर हो जाता है। हमें किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत होती है जो हमसे प्यार करे और हमें तनाव न दे। बता दें, कुछ दिनों पहले गोविंदा ने पत्नी के चीटिंग के आरोपों पर कहा था- कब नहीं लगा आरोप मुझपर? जो आरोप लगा रहा है मेरे बचपन का प्यार है। प्यार के मामले में ये कभी सही नहीं रहा। अब जो प्यार हो रहा है किसी के सोचने के मुताबिक ये बुढ़ापा है। बता दें, गोविंदा और सुनीता की शादी साल 1987 में हुई थी।

द लल्ला एंथम में दिखी नई साझेदारी, शिखर धवन,अनिल कपूर ने बढ़ाया उत्साह

जैसे-जैसे क्रिकेट का बुखार चढ़ रहा है, प्राइम वीडियो लल्ला एंथम अ वार्निंग फ्रॉम सूबेदार की सफलता को आगे बढ़ाते हुए एक नया दमदार वीडियो लेकर आया है।

इस बार इसमें टीम इंडिया के पूर्व ओपनर शिखर

धवन, अनिल कपूर के साथ उनके सूबेदार अर्जुन मौर्य वाले रौबदार अवतार में नजर आ रहे हैं। गर्व, संकल्प और अटूट सम्मान से जुड़ा यह वीडियो फिल्म के मुख्य संदेश अपनी जगह डटे रहना और कभी पीछे न हटना को भारतीय क्रिकेट टीम के अपने गब्बर के साथ आगे बढ़ाता है।

क्रिकेट के इस जबरदस्त जुनून के बीच, अनिल कपूर और शिखर धवन फिल्म की भावना और मैदान की तीव्रता को एक साथ लाते हुए संकल्प का एक साफ संदेश देते हैंरू भिड़ेंगे, लड़ेंगे, आगे बढ़ेंगे। सुरेश त्रिवेणी द्वारा निर्देशित, सूबेदार का निर्माण विक्रम मल्होत्रा, अनिल कपूर और सुरेश त्रिवेणी ने किया है,

जो ओपनिंग इमेज फिल्म्स का प्रोडक्शन है और अनिल कपूर फिल्म एंड कम्युनिकेशन नेटवर्क के सहयोग से बना है। इसमें अनिल कपूर और राधिका मदान मुख्य भूमिकाओं में हैं,

जबकि सौरभ शुक्ला, आदित्य रावल, फैसल मलिक और मोना सिंह महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

सूबेदार का प्रीमियर 5 मार्च को विशेष रूप से प्राइम वीडियो इंडिया पर हिंदी, तमिल और तेलुगु में पूरे भारत और दुनिया भर के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में होगा।

आप हमेशा याद आएंगे..ससुर के निधन के बाद कियारा का इमोशनल पोस्ट, लिखा-शुरू से ही आपने मुझे खुले दिल से अपनाया

एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा के पिता सुनील मल्होत्रा अब इस दुनिया में नहीं रहे। उनका 14 फरवरी, शनिवार को निधन हो गया। इस बात की जानकारी हाल ही में एक्टर अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस को दी और उन्हें भावुक दिल से याद करते नजर आए।

सिद्धार्थ के बाद अब उनकी पत्नी व एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने भी ससुर को श्रद्धांजलि देते हुए एक पोस्ट शेयर किया है, जो खूब पढ़ा जा रहा है।

कियारा अडवाणी ने अपने ससुर को याद करते हुए इंस्टाग्राम पर अपनी शादी की एक फोटो पोस्ट की, जिसमें उनके साथ सिद्धार्थ, उनके ससुर सुनील मल्होत्रा और सास नजर आ रही हैं। इस पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा-शुरू से ही आपने मुझे खुले दिल से अपनाया। आपकी बातें समझदारी भरी थीं और आपका प्यार सच्चा था। आपने हम सबको हमेशा संभाला।

आप हमेशा प्यार से मिले। परिवार आपके लिए सबसे जरूरी था। जब भी जरूरत पड़ी, आप हर बार साथ खड़े रहे। ध्यान से सुना, छोटी-छोटी बातें याद रखीं और बिना किसी उम्मीद के सबके लिए करते रहे। आपकी बातें, आपकी हंसी, आपका हौसला और आपका अच्छा दिल ये सब हमेशा याद रहेगा।

कियारा ने आगे लिखा, आप अपने पीछे प्यार, सच्चाई और अच्छे संस्कार छोड़ गए हैं। ये आपके बच्चों, नाती-पोतों और हम सबमें हमेशा जिंदा रहेंगे। आप शाति से आराम कीजिए।

आप हमेशा याद आएंगे, हमेशा दिल में रहेंगे। बता दें, कियारा और सिद्धार्थ मल्होत्रा फिलहाल अपने परिवार के साथ दिल्ली में हैं और दिल्ली में ही उनके पिता का बिना किसी शोर के चुपचाप अंतिम संस्कार किया गया है।

लखनऊ यूनिवर्सिटी में लगे भागवत गो बैक के नारे,स्टूडेंट्स को पुलिस टांगकर ले गई

लखनऊ,(संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार सुबह आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के पहुंचते ही हंगामा शुरू हो गया। एनएसयूआई, समाजवादी छात्र सभा और भीम आर्मी से जुड़े छात्र गो बैक मोहन भागवत के नारे लगाने लगे। पुलिस ने जब छात्रों को रोकने की कोशिश की, तो नोकझोंक और खींचतान शुरू हो गई। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों को ठूंस-ठूंसकर जीप और बसों में भरा। कई छात्र लेट गए, तो उन्हें टांगकर ले जाया गया। सभी छात्रों को इको गार्डन भेजा गया। इसके बाद मोहन भागवत का कार्यक्रम शुरू हुआ। संघ से जुड़े लोगों को विश्वविद्यालय में कार्यक्रम करने की अनुमति दी जा रही है, जबकि विपक्षी छात्र संगठनों को हॉल तक नहीं मिलते। यूजीसी विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने स्टे दिया है। इसके बावजूद आरएसएस प्रमुख की ओर से कोई बयान नहीं आया है। भागवत दो दिवसीय लखनऊ प्रवास पर हैं। आज लखनऊ यूनिवर्सिटी में संगोष्ठी कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में कार्यक्रम में भाग लेंगे। छात्र अहमद ने कहा मोहन भागवत जैसे व्यक्ति को देशभर के विश्वविद्यालयों में प्रतिबंधित किया जाना चाहिए, लेकिन यहां उन्हें सम्मान दिया जा रहा है। गौरी जायसवाल ने कहा हमें अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है। पुलिस छात्रों को रोककर रखे हुए है। हम चाहते हैं कि हमें अंदर जाने दिया जाए। हमसे कहा जा रहा है कि बाद में आइएगा। छात्रों के प्रदर्शन से पहले ही पुलिस अलर्ट मोड में आ गई थी। प्रदर्शन में शामिल होने की आशंका पर पुलिस सुबह 5 बजे ही समाजवादी छात्र सभा के सदस्य तौकील गाजी के हॉस्टल के रूम पर पहुंच गई। उन्हें हाउस अरेस्ट कर लिया। समाजवादी छात्र सभा के कई अन्य सदस्यों को हिरासत में ले लिया। उन्हें हसनगंज थाना ले गई।

नॉर्वे के प्रधानमंत्री बोले- भारतीय समकक्ष के दौरे का बेसब्री से इंतजार

नॉर्वे। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर पीएम मोदी के यात्रा को लेकर उत्साहित है। ओस्लो में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात में भारत की सुधार प्रगति की सराहना की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साल के अंत में नॉर्वे की यात्रा कर सकते हैं। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर ने कहा कि वे इस साल के अंत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। इस यात्रा में द्विपक्षीय सहयोग का और विस्तार होगा। ओस्लो में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात के दौरान स्टोर ने भारत की सुधार संबंधी प्रगति की सराहना

की। वहीं, उन्होंने कहा कि नॉर्वे और भारत मत्स्य पालन, स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी, समुद्री और अंतरिक्ष क्षेत्रों में सहयोग कर सकते हैं। उन्होंने नॉर्वे में भारतीय प्रवासियों के योगदान की भी प्रशंसा की। दोनों देशों ने कई क्षेत्रों पर की चर्चा वित्त मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, उन्होंने ईएफटीए और टीईपीए के संचालन पर भी चर्चा की। दोनों देशों के बीच सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों की रूपरेखा तैयार की, जिनमें उच्च-तकनीकी विनिर्माण, कार्बन कैप्चर स्टोरेज, स्टार्टअप, सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा और अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित क्षेत्र शामिल हैं। सीतारमण ने ओस्लो में व्यापार और उद्योग मंत्री सेसिली मैसरेथ और यहां तक कि मत्स्य पालन और महासागर नीति के राज्य सचिव ट्रॉनस्टैड सेजबक्कन से मुलाकात की। नेताओं ने हरित प्रौद्योगिकी, दुर्लभ पृथ्वी प्रसंस्करण, समुद्री और जहाजरानी उद्योग और मत्स्य पालन जैसे क्षेत्रों में गहरा सहयोग स्थापित करने और पारस्परिक अवसरों की खोज करने के तरीकों पर चर्चा की।विशेष रूप से भारत के ईएफटीए और टीईपीए समझौतों के संदर्भ में। मैसरेथ ने बताया कि वह और उनकी टीम इस साल के अंत में होने वाली प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। सीतारमण ने गोलमेज बैठक में भी भाग लिया सचिव सेजबक्केन ने नॉर्वे के समुद्री उद्योग में भारत द्वारा निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका का भी बात की। वित्त मंत्री ने कहा कि टीईपीए का प्रभावी संचालन दोनों पक्षों के लिए पारस्परिक लाभ को बढ़ावा देगा और वह इसके समय पर संचालन की प्रतीक्षा कर रही हैं। सीतारामण ने ओस्लो में नॉर्वे के प्रमुख सीईओ और निवेशकों के साथ एक गोलमेज बैठक में भी भाग लिया। नॉर्वे के व्यापार और निवेश समुदाय के 35 से अधिक सीईओ और शीर्ष स्तर के प्रतिभागियों के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा कि नॉर्वे की उनकी आधिकारिक यात्रा के दौरान भारत को एक निवेश गंतव्य और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में लेकर आकर्षक और सकारात्मक चचाएं हुईं। भारत के विस्तारित व्यापार ढांचे - जिसमें ईएफटीए, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन और अमेरिका के साथ समझौते शामिल हैं - के आलोक में, केंद्रीय वित्त मंत्री ने भारत में उन परिस्थितियों पर प्रकाश डाला जो व्यापार, औद्योगिक सहयोग और दीर्घकालिक निवेश के लिए एक टिकाऊ ढांचा प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 भारत सरकार के उन सुधारों पर भी जोर देता है जिनका उद्देश्य नागरिकों और कंपनियों के लिए नियामक और अनुपालन संबंधी बोझ को कम करना है।

11 साल बाद अमेजन से निकाले गए भारतीय मूल के टेक मैनेजर

वॉशिंगटन। अमेरिका के वॉशिंगटन में एक भारतीय मूल के टेक मैनेजर हेमंत विरमानी कंपनी से निकाले जाने के बाद नई शुरूआत

कर रहे हैं। उन्हें 11 साल नौकरी करने के बाद अचानक अमेजन कंपनी से निकाल दिया गया था। वे उस वक्त बेहद हताश थे, इस दौरान उनकी बेटी ने हिम्मत दी और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। पढ़ें हेमंत की कहानी... हेमंत विरमानी भारतीय मूल के एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर और टेक मैनेजर हैं, जो अमेरिका के वॉशिंगटन में रहते हैं। वे करीब 11.5 साल तक अमेजन में काम कर चुके थे। अक्तूबर 2025 में कंपनी की छंटनी में उनकी नौकरी चली गई, जिससे उनकी कहानी चर्चा में आ गई। हेमंत अमेजन में सीनियर मैनेजर, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के पद पर थे। उनकी जिम्मेदारी इंजीनियरिंग टीम को लीड करना और टेक्नोलॉजी की लंबी योजना बनाना थी। उनका काम खास तौर पर दुनिया भर में ऑनलाइन सामान बेचने की तकनीक को बेहतर बनाना था। आपका गृहनगर हैदराबाद है', सत्या नडेला पर सुपर बाउल ट्वीट के बाद किसने की नस्लवादी टिप्पणी? नौकरी जाने का झटका और बेटी ने बढ़ाया हौसला हेमंत ने बताया कि एक रात अचानक ईमेल आया कि उनकी नौकरी खत्म कर दी गई है। उन्होंने कहा कि अमेजन उनकी जिंदगी का बड़ा हिस्सा बन चुका था, इसलिए यह खबर बहुत कठिन लगी। बता दें कि, हेमंत ने बीआईटीएस पिलानी से सॉफ्टवेयर सिस्टम में मास्टर्स किया और दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (अब डीटीयू) से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। उन्होंने बताया कि इस मुश्किल समय में उनकी बेटी ने उन्हें हिम्मत दी और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। अब क्या कर रहे हैं हेमंत? वे अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)सीख रहे हैं। एक छोटे एआई प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं ताकि नई स्किल मिल सके। इसके साथ-साथ नई नौकरी के लिए आवेदन कर रहे हैं और नेटवर्क बना रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे चिंता तो है, लेकिन हो सकता है यह मुश्किल आगे चलकर मेरे लिए अच्छा मौका साबित हो।

अमेरिका-ईरान बातचीत में तनाव, खऊवेंस बोले- राष्ट्रपति ट्रंप की शर्तें मानने को तैयार नहीं तेहरान

जिनेवा। अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे दौर की वार्ता का कोई नतीजा नहीं निकला। परमाणु मुद्दे को लेकर दोनों देशों के बीच जिनेवा परोक्ष रूप से वार्ता हुई। ईरानी मीडिया के अनुसार, ये बैठक करीब तीन घंटे चली। वहीं इस पर अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि ईरान राष्ट्रपति ट्रंप की शर्तें मानने को तैयार नहीं है। अमेरिका और ईरान के बीच चल रही कूटनीतिक बातचीत को लेकर ताजा बयान सामने आया है। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि ईरान अभी तक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से तय की गई मुख्य शर्तों को मानने के लिए तैयार नहीं है। जेडी वेंस ने क्या कहा? अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बताया कि जिनेवा में हुई बातचीत 'कुछ मायनों में ठीक रही', क्योंकि दोनों देशों ने आगे भी बैठक जारी रखने पर सहमति जताई है। लेकिन उन्होंने साफ कहा कि ईरान ने अब तक ट्रंप की प्रमुख शर्तों को स्वीकार नहीं किया है। उनके मुताबिक- राष्ट्रपति ट्रंप ने कूटनीतिक समाधान के लिए कुछ स्पष्ट शर्तें रखी हैं। इन शर्तों में सबसे बड़ा मुद्दा ईरान का परमाणु कार्यक्रम है। ईरान अभी इन शर्तों पर

खुलकर सहमति देने को तैयार नहीं दिख रहा। क्या है अमेरिका का रुख? जेडी वेंस ने कहा कि अमेरिका अभी भी बातचीत के जरिए समाधान चाहता है। लेकिन उन्होंने चेतावनी भी दी कि अगर बातचीत बेनतीजा रही, तो आगे क्या करना है- इसका फैसला राष्ट्रपति ट्रंप करेंगे। उनका कहना था, 'हम चाहते हैं कि मामला बातचीत से सुलझे, लेकिन अगर कूटनीति की सीमा खत्म हो जाती है, तो अंतिम फैसला राष्ट्रपति का होगा।' क्यों बढ़ा है अमेरिका-ईरान के बीच तनाव? अमेरिका लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर चिंतित है। ट्रंप प्रशासन चाहता है कि ईरान अपनी परमाणु गतिविधियों पर कड़ी रोक लगाए। वहीं ईरान अपने अधिकारों और सुरक्षा चिंताओं का हवाला देता रहा है। दूसरे दौर की वार्ता का नहीं निकला कोई नतीजा ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर जिनेवा में बातचीत का दूसरा दौर खत्म हो गया है। ईरान की सरकारी मीडिया के मुताबिक, यह बैठक लगभग तीन घंटे तक चली, जिसमें कोई नतीजा नहीं निकला है। मंगलवार को हुई यह मुलाकात परमाणु मुद्दे पर दोनों देशों के बीच दूसरे दौर की बातचीत थी। जिनेवा में वार्ता व अभ्यास ऐसे समय हुए जब अमेरिका ने पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा दी है।

एपस्टीन फाइल्स में भारतीय महिला का जिक्र क्या यौन अपराधी जेफरी की शिकार बनी थी

वॉशिंगटन। अमेरिकी न्याय विभाग ने हाल ही में यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के मामले में जारी दस्तावेजों में संकेत दिया कि सहायता और मुआवजे के लिए भारत में मौजूद एक महिला का पता लगाया गया। दस्तावेजों में एफबीआई को भेजी गई ईमेल और थेरेपी सत्रों की संभावनाओं का भी जिक्र है, जिसमें महिला की मदद के लिए संसाधन उपलब्ध कराने पर सवाल उठाए गए। अमेरिका के न्याय विभाग (डीओजे) की ओर से हाल में जारी दस्तावेज किए गए हैं, जो यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के मामले से जुड़े हैं। ये दस्तावेज बताते हैं कि अमेरिकी अधिकारियों ने पीड़ित सहायता योजनाओं के तहत मुआवजा और चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए कथित तौर पर भारत में मौजूद एक महिला का पता लगाने की कोशिश की थी। ईमेल में संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) को भेजे गए दस्तावेजों का भी जिक्र

किया गया था और यह भी बताया गया था कि पात्र लोगों के लिए आपात पीड़ित सहायता कार्यक्रमों के तहत थेरेप सत्रों के लिए कवरेज उपलब्ध है। ईमेल में क्या लिखा? ईमेल में दस्तावेज संख्या ईएफटीए00038425 में 'न्यूयॉर्क अपराध पीड़िता के लिए मुआवजे लिंक' का जिक्र है। इसमें लिखा है, कृपया उनसे आवेदन पत्र भरवाकर मुझे भेजें। मैं इसे सीधे एफबीआई के दस्तावेजों के साथ भेज दूंगा। दस्तावेज के एक हिस्सों में यह भी लिखा था- वर्तमान में भारत में रह रही हैं। क्या उनकी मदद के लिए कुछ किया जा सकता है? क्या वे वहां भी छह निशुल्क सत्रों की पात्र होंगी? क्या भारत में कोई संसाधन उपलब्ध कराए जा सकते हैं? ईमेल भेजने वाले का नाम छिपाया गया था। ये रिकॉर्ड तीस जनवरी को अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से सार्वजनिक किए दस्तावेजों का हिस्सा थे। अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से जारी 30 लाख से अधिक पन्नों के दस्तावेजों में कई राजनेताओं, राजनयिकों, कारोबारियों और शाही परिवार के सदस्यों के नाम सामने आए। इन दस्तावेजों में उनके अमेरिकी कारोबारी और दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से संबंधों का खुलासा हुआ, जिसके बाद कई लोगों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा। जांच शुरू हुई और कुछ लोगों को अपने पद भी छोड़ने पड़े। पूर्व प्रिंस एंड्रयू को छोड़कर बाकी लोगों पर किसी तरह के यौन अपराध का आरोप नहीं है। हालांकि, दोषी यौन अपराधी साबित होने के बाद भी जेफरी एपस्टीन के साथ दोस्ताना संबंध बनाए रखने के कारण कई लोगों को पद से हटना पड़ा। इन दस्तावेजों का आखिरी हिस्सा 30 जनवरी को अमेरिकी न्याय विभाग ने जारी किया।

अमेरिकी संसद भवन की तरफ हथियार लेकर दौड़ा 18 वर्ष का किशोर

नई दिल्ली। अमेरिकी संसद भवन की ओर लोडेड शॉटगन लेकर बढ़ रहे 18 वर्षीय युवक को कैपिटल पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया। संदिग्ध के पास टैक्टिकल गियर और अतिरिक्त गोला-बारूद भी मिला। अमेरिकी संसद भवन (यूएस कैपिटल) की सुरक्षा में उस समय हलचल मच गई जब एक 18 वर्षीय युवक लोडेड शॉटगन के साथ इमारत की ओर बढ़ता हुआ पाया गया। यूनाइटेड स्टेट्स कैपिटल पुलिस (वरउढ) ने सतर्कता दिखाते हुए तुरंत उसे घेरकर गिरफ्तार कर लिया। त्वरित कार्रवाई के चलते घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

चरखी दादरी पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान जॉर्जिया के स्मिर्ना निवासी कार्टर कामाचो के रूप में हुई है। वह मंगलवार दोपहर कैपिटल के लोअर वेस्ट टेरेस की दिशा में हथियार लेकर जा रहा था, तभी ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों की नजर उस पर पड़ गई। अधिकारियों ने उसे रोकते हुए हथियार नीचे रखने और जमीन पर लेटने का आदेश दिया, जिसका उसने पालन किया और उसे बिना किसी प्रतिरोध के हिरासत में ले लिया गया। कैसे पकड़ा गया आरोपी? कैपिटल पुलिस प्रमुख माइकल सुलिवन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आरोपी कैपिटल की सीढ़ियों के आधार तक पहुंच गया था, इससे पहले कि उसे पकड़ा गया। मुठभेड़ के दौरान अधिकारियों ने एहतियातन अपने हथियार भी निकाल लिए थे। आरोपी के पास से क्या-क्या हुआ बरामद? जांच में पता चला कि आरोपी एक सफेद मर्सिडीज-बेंज एसयूवी से मैरीलैंड एवेन्यू साउथवेस्ट के 100 ब्लॉक तक आया था और वहीं से शॉटगन लेकर बाहर निकला। वाहन से केव्लर हेलमेट, गैस मास्क और अतिरिक्त गोला-बारूद भी बरामद हुआ है। पुलिस ने यह भी बताया कि वाहन आरोपी के नाम पर पंजीकृत नहीं था। अधिकारियों के मुताबिक, संदिग्ध टैक्टिकल वेस्ट और टैक्टिकल ग्लव्स पहने हुए था और उसके पास कई राउंड गोलियां भी थीं। उसे गैरकानूनी गतिविधियों, बिना लाइसेंस राइफल रखने, अपंजीकृत हथियार और अपंजीकृत गोला-बारूद रखने जैसे आरोपों में चार्ज किया गया है। फिलहाल कैपिटल पुलिस की थ्रेट असेसमेंट यूनिट उसके मकसद की जांच कर रही है। घटना के बाद इलाके की सुरक्षा बढ़ाई गई घटना के बाद इलाके में यातायात अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया और लोगों को उस क्षेत्र से दूर रहने की सलाह दी गई। अधिकारियों ने बताया कि नियमित सुरक्षा अभ्यास और एक्टिव थ्रेट ड्रिल्स की वजह से पुलिस की प्रतिक्रिया तेज और प्रभावी रही। वहीं, पुलिस ने स्पष्ट किया कि इस घटना का आगामी स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन की सुरक्षा व्यवस्था पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

सैन्य तनाव के बीच जिनेवा में अमेरिका- ईरान न्यूक्लियर वार्ता बेनतीजा

जिनेवा। ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर जिनेवा में बातचीत का नया दौर खत्म हो गया है। ईरान की सरकारी मीडिया

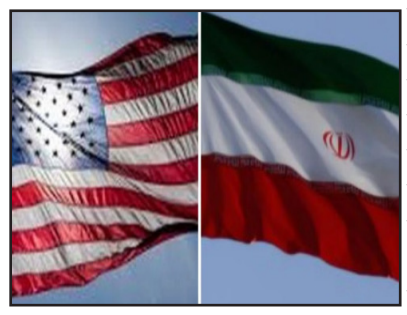

के मुताबिक, यह बैठक लगभग तीन घंटे तक चली। मंगलवार को हुई यह मुलाकात परमाणु मुद्दे पर दोनों देशों के बीच दूसरे दौर की बातचीत थी। ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर जिनेवा में बातचीत का नया दौर खत्म हो गया है। ईरान की सरकारी मीडिया के मुताबिक, यह बैठक लगभग तीन घंटे तक चली। मंगलवार को हुई यह मुलाकात परमाणु मुद्दे पर दोनों देशों के बीच दूसरे दौर की बातचीत थी। जिनेवा में वार्ता व अभ्यास ऐसे समय हुए जब अमेरिका ने पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा दी है। जिनेवा में ईरान-अमेरिका की परोक्ष वार्ता 3 घंटे चली, जिसमें कोई नतीजा नहीं निकला। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट की ओर फायरिंग अभ्यास शुरू कर मिसाइलें दागीं। उसने होर्मुज स्ट्रेट को अस्थायी रूप से बंद कर दिया, जिससे क्षेत्र में तनाव है। दूसरी तरफ, अमेरिका भी इस इलाके में अपनी सैन्य ताकत बढ़ा रहा है। इन हालातों के बीच हुई इस बैठक पर पूरी दुनिया की नजर है। ईरान ने दागीं मिसाइलें ईरान ने घोषणा की है कि उसके अर्ध सैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने फारस व ओमान की खाड़ी स्थित होर्मुज स्ट्रेट में अभ्यास शुरू कर दिया है। ईरान के अंदर और उसके तट व द्वीप के साथ दागी गई मिसाइलों ने होर्मुज जलडमरूमध्य में अपने लक्ष्यों को भेदा। यह जलमार्ग क्षेत्र महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्ग है जिससे दुनिया के 20% तेल का परिवहन होता है। उधर, जिनेवा में ईरान सिर्फ परमाणु कार्यक्रम पर वार्ता के पक्ष में रहा, जबकि अमेरिका घरेलू मुद्दों पर भी चर्चा चाहता है। एजेंसी अमेरिकी सैन्य शक्ति में वृद्धि का विरोध ईरान का अभ्यास अमेरिकी सैन्य शक्ति के विरोध में है। अमेरिका ने यहां अपने दो विमानवाहक पोत लगा रखे हैं। ईरानी युद्धाभ्यास का एक रेडियो संदेश होर्मुज स्ट्रेट के उत्तरी हिस्से में वहां से गुजरने वाले नौसैनिकों को भी मिला है। ईरान की यह दूसरी चेतावनी थी। वार्ता में प्रगति, लेकिन स्पष्टता नहीं ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा, 'जिनेवा में परमाणु मुद्दे पर हुई?परोक्ष वार्ता में प्रगति हुई?है, लेकिन अभी किसी स्पष्टता के संकेत नहीं मिले हैं।' अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ, जेरेड कुशनर ने ईरानी विदेश मंत्री अब्बास आराघची के साथ ओमान की मध्यस्थता में वार्ता की।

भारत-चीन संबंध में गर्माहट, लेकिन प्रतिस्पर्धा जारी

अमेरिकी संसदीय समिति के सामने विशेषज्ञों का खुलासा

वॉशिंगटन। अमेरिकी संसदीय समिति के सामने विशेषज्ञों ने खुलासा किया कि चीन का बढ़ता सैन्य और आर्थिक प्रभुत्व भारत की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ा रहा है और दोनों देशों के बीच प्रतिस्पर्धा जारी है। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैनिकों के पीछे हटने के बावजूद सीमा पर सैन्य गतिविधियां और चीन का निर्माण जारी है। पढ़ें रिपोर्ट- अमेरिका की एक संसदीय समिति को मंगलवार को शीर्ष अमेरिकी और भारतीय विशेषज्ञों ने बताया कि चीन का बढ़ता सैन्य प्रभाव, आर्थिक प्रभुत्व और तकनीकी ताकत भारत की रणनीतिक चिंताओं को और बढ़ा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि हाल की कूटनीतिक संबंधों में गर्माहट के बावजूद नई दिल्ली और बीजिंग के बीच प्रतिस्पर्धा जारी है। अमेरिका-चीन आर्थिक एवं सुरक्षा समीक्षा आयोग के सामने गवाही देते हुए शिक्षाविदों, थिंक टैंक के विशेषज्ञों और पूर्व अधिकारियों ने कहा कि अक्तूबर 2024 में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर पीछे हटने की प्रक्रिया से तुरंत तनाव तो कम हुआ, लेकिन भारत और चीन के बीच शक्ति संतुलन में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया। सीमा पर अब भी सैन्य गतिविधियां जारीः समीर लालवानी समीर लालवानी ने आयोग को बताया कि अनिश्चितता के बावजूद भारत चीन को दुश्मन के रूप में ही देखता रहेगा और क्षेत्रीय, राजनीतिक, आर्थिक और तकनीकी कारणों से चीन के साथ प्रतिस्पर्धा में उलझा रहेगा। उन्होंने कहा कि सीमा पर अब भी सैन्य गतिविधियां जारी हैं और सैन्य संतुलन चीन के पक्ष में है। लालवानी ने कहा कि तिब्बत और विवादित क्षेत्रों में चीन की ओर से संरचना का निर्माण जारी है, भले ही सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया हो चुकी हो। उन्होंने चेताया कि दलाई लामा के उत्तराधिकार संकट सहित कोई भी राजनीतिक संकट अनजाने में या जानबूझकर बड़े पैमाने पर पारंपरिक युद्ध में तब्दील हो सकता है। भारत-चीन संबंधों में गर्माहट अस्थायीः तन्वी मदन ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूट की तन्वी मदन ने कहा कि यह मौजूदा स्थिति को भारत-चीन संबंधों में रणनीतिक बदलाव नहीं, बल्कि अस्थायी गर्माहट है।

यूएस ने 24 घंटे में पश्चिम एशिया भेजे 50 से ज्यादा लड़ाकू विमान; ईरान की धमकी- ऐसा मारेंगे उठेंगे नहीं

वॉशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार गहराता जा रहा है। दोनों देशों के बीच जिनेवा में बातचीत भी जारी है, लेकिन इसके बाद भी तनाव बना हुआ है। अब अमेरिका ने ईरान में अपनी सैन्य तैनाती बढ़ा दी है तो ईरान के सर्वोच्च नेता ने भी अमेरिका को धमकी दी है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव गहराता जा रहा है। पहले खबर आई कि अमेरिका ने अपने दो युद्धपोत पश्चिम एशिया में तैनात किए हैं। जिसके बाद आशंका हुई कि अमेरिका, ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई कर सकता है। अब खबर आई है कि अमेरिका ने बीते 24 घंटे में 50 से ज्यादा लड़ाकू विमान पश्चिम एशिया भेजे हैं। इसे अमेरिका द्वारा ईरान के आसपास अपनी नौसैन्य और वायु सेना की तैनाती बढ़ाने के तौर पर देखा जा रहा है। वहीं ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने सोशल मीडिया पोस्ट में अमेरिकी सेना को धमकी दी है कि दुनिया की सबसे ताकतवर सेना पर भी ऐसा हमला होगा कि वे दोबारा उठ नहीं पाएंगे। ईरान पर दबाव बनाने की कोशिश मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका सेना के एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिका और ईरान के बीच जिनेवा में हो रही बातचीत में प्रगति हुई है, लेकिन अभी भी कई मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होनी है। बीते हफ्ते ही अमेरिका ने अपने सबसे बड़े युद्धपोत यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड को पश्चिम एशिया में तैनात किया है। साथ ही यूएसएस अब्राहम लिंकन पहले से ही पश्चिम एशिया में तैनात है। अब 50 से ज्यादा अतिरिक्त लड़ाकू विमान भेजने को अमेरिका द्वारा ईरान पर दबाव बनाने के तौर पर देखा जा रहा है। खामेनेई ने दी अमेरिका को धमकी अमेरिका द्वारा सैन्य तैनाती बढ़ाने के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में अमेरिका को धमकी दी है। खामेनेई ने लिखा, 'अमेरिका द्वारा लगातार कहा जा रहा है उन्होंने ईरान की तरफ युद्धपोत भेजा है। बेशक एक युद्धपोत बेहद खतरनाक होता है, लेकिन उससे भी खतरनाक है वो हथियार, जो युद्धपोत को समुद्र की गहराई में डुबो सकता है।'

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।